जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 29 संख्याः 177 प्रभात अजमेर, शनिवार 25 जनवरी, 2025 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

जन्मजात नागरिकता खत्म करने के ट्रम्प के आदेश पर कोर्ट ने अस्थायी रोक लगाई

सिएटल डिस्ट्रिक्ट जज जॉन कॉफनौर ने ट्रम्प के आदेश को पहला कानूनी झटका दिया

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 जनवरी। सिएटल में एक फैडरल जज ने राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प के उस कार्यकारी आदेश पर अस्थायी रुप से रोक लगा दी है, आदेश कार्यकारी आदेश में अमेरिका में जन्म लेने वाले बच्चों को स्वत: अमेरिकन नागरिक बनने के अधिकार पर रोक लगा दी गई थी। कोर्ट के फैसले से अमेरिका में रह रहे भारतीय परिवारों को राहत मिली है, खासकर उन्हें जो एच वन बी वीज़ा पर वहाँ रह रहे हैं।

अमेरिका के जिला जज जॉन कॉफनोर ने इस नीति के क्रियान्वय पर 14 दिन की रोक लगा दी है।

ट्रम्प ने कार्यालय में पहले ही यह आदेश जारी कर दिया, जिसमें अमेरिका में जन्मे बच्चों के माता-पिता में से कोई भी अमेरिकन नागरिक नहीं है तो उन्हें अमेरिका की नागरिकता नहीं मिलेगी। कोर्ट के फैसले से अमेरिका की नागरिकता के कानूनों को पुन: परिभाषित करने में ट्रम्प के प्रयासों को पहला बड़ा झटका लगा है।

- **कोर्ट के इस आदेश से उन गर्भवती महिलाओं को राहत मिली है जो 20 फरवरी से पहले बच्चे को जन्म देने के लिए डॉक्टरों के पास जा रही हैं।**
- **सिएटल के डिस्ट्रिक्ट जज जॉन कॉफनौर ने 14 दिन के लिए इस आदेश पर रोक लगा दी है। पहले से ही संभावना थी कि जन्मजात नागरिकता खत्म करने के ट्रम्प के फैसले की राह में भारी कानूनी अड़चन आएगी।**
- **जन्म के आधार पर अमेरिका की नागरिकता मिलने के कानून को खत्म करने वाला ट्रम्प का एग्ज़ीक्युटिव ऑर्डर 20 फरवरी से लागू होना है और अप्रवासी गर्भवती महिलाओं, खासकर भारतीय, में 20 फरवरी से पहले बच्चे को जन्म देने की होड़ लगी है, जिसके लिए वो किसी भी हद तक जा सकती हैं।**

ट्रम्प द्वारा हस्ताक्षरित आदेश, जो 19 फरवरी से लागू होना था, अमेरिका में जन्म लेने वाले लाखों बच्चों को प्रभावित कर सकता था।

अमेरिका उन 30 देशों में से एक है, जहां जन्म के आधार पर नागरिकता दिए जाने का सिद्धांत लागू है।

अमेरिका के डॉक्टर व गायनोकॉलजिस्ट के पास अचानक ही एच वन बी वीज़ा पर वहां रह रही गर्भवती भारतीय महिलाओं की बाढ़ आ गई है, जो "सिज़ेरियन" से बच्चे को 20 फरवरी से पहले जन्म देना चाहती हैं, ताकि उनके बच्चे को अमेरिकन नागरिकता मिल जाए, क्योंकि 20 फरवरी से ट्रम्प का आदेश लागू हो जाएगा और उसके बाद जन्मे बच्चों को अमेरिकन नागरिकता नहीं मिलेगी, 20 फरवरी के बाद जन्मे बच्चों को तब ही नागरिकता मिल पाएगी, जब इनके माता-पिता में से एक अमेरिकन नागरिक हो या ग्रीन कार्ड धारक हो। ऐसा नहीं हुआ तो 21 साल का होने पर उन्हें अमेरिका छोड़ना होगा।

ट्रम्प का ऑर्डर कहता है कि जो लोग अमेरिका के नागरिक नहीं हैं, उनके अमेरिका में जन्मे बच्चे अमेरिकन नहीं हैं। ट्रम्प ने फैडरल एजेंसियों को निर्देश दिए हैं कि उन बच्चों को नागरिकता न दी जाए, जिनके माता-पिता में से एक भी अमेरिकन नागरिक नहीं है।

जन्म के अधिकार से जुड़ा एक महत्वपूर्ण मामला 1898 में आया था, जब कोर्ट ने वॉन्ग किम आर्क को अमेरिकी नागरिक करार दिया था, वॉन्ग चीनी अप्रवासी माता-पिता की संतान थे, पर अमेरिका में जन्मे थे, इसलिए उन्हें अमेरिकन नागरिक माना गया। किम को विदेश यात्रा के बाद संघीय सरकार ने प्रवेश देने से मना कर दिया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत-पाक सीमा के पास हिरण का शिकार

बीकानेर, 24 जनवरी (निसं)। भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर हिरण के शिकार का मामला सामने आया है। सुबह गुलुवाली वन्य क्षेत्र में शिकार की जानकारी मिली, उसके बाद से वन्यजीव प्रेमियों में भारी आक्रोश है और शिकारियों की तुरंत गिरफ्तारी की मांग की जा रही है। उधर, मृत हिरण का वेटरनरी डॉक्टर से पोस्टमार्टम कराया है।

पुलिस के अनुसार, शुक्रवार सुबह गुलूवाली वन्य क्षेत्र में

- **आक्रोशित वन्य प्रेमी शिकारियों की गिरफ्तारी पर अड़े।**

हिरण का शिकार हुआ। इस दौरान हिरण के शरीर पर कई वार किए गए। शिकार की सूचना मिलते ही वन्य जीवप्रेमी मौके पर पहुंच गए।

वन विभाग के एसीएफ सूर्यप्रताप सिंह, रेंजर रविन्द्र सिंह, भैरवेन्द्र सिंह आदि मौके पर पहुंचे। मृत हिरण का पशु चिकित्सालय में गठित बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है। मौके पर बड़ी संख्या में लोग एकत्र हो गए। लोग शिकारियों पर कार्रवाई नहीं होने पर नाराजगी जता रहे हैं। वन अधिकारी शिकारियों को ढूंढने का प्रयास कर रहे हैं। कुछ जगह दबिश भी दी जा रही है, लेकिन अब तक कोई पकड़ में नहीं आया।

ग्रामीणों के बैंक खाते खरीदकर 52 करोड़ रूपए की साइबर ठगी, सात गिरफ्तार

बीकानेर में ऐसे 75 बैंक खाते आइडेंटिफाई किए गए हैं, जिनके जरिए साइबर ठगी को अंजाम दिया जा रहा था

बीकानेर, 24 जनवरी (निसं)। ग्रामीणों के बैंक अकाउंट खरीद कर उनके जरिए करीब 52 करोड़ रुपए की साइबर ठगी करने का मामला सामने आया है। पता चला है कि इसके लिए बदमाश पहले बैंक में ग्रामीणों के अकाउंट खुलवाते, फिर इन खातों को 5 हजार से 15 हजार रुपए में खरीद लेते थे, यानी वे ग्रामीणों से उनके बैंक अकाउंट का किट्स (चेक बुक, पासबुक आदि) ले लेते थे। वे इन किट को अलग-अलग राज्यों में बैठे साइबर ठगों को भेज देते थे। ये ठग, लोगों से की गई साइबर ठगी के पैसों का ट्रांज़ैक्शन इन बैंक अकाउंट के जरिए करते थे। पुलिस ने मामले में 6 ठगों को गिरफ्तार किया है।

बीकानेर में ऐसे 75 बैंक खाते आइडेंटिफाई किए गए हैं, जिनके जरिए साइबर ठगी को अंजाम दिया जा रहा था। बीकानेर के एसपी कावेन्द्र सागर ने बताया कि पुलिस को साइबर ठगों के बीकानेर में एक्टिव होने का इनपुट मिला था। बीकानेर के लोगों के अकाउंट साइबर ठगी में इस्तेमाल किए जाने की शिकायतें तकरीबन 20 राज्यों से मिली थीं। इसके बाद साइबर शील्ड अभियान के तहत कार्रवाई की गई।

- **बदमाश पहले बैंक में ग्रामीणों के अकाउंट खुलवाते, फिर इन खातों को 5 हजार से 15 हजार रूपए में खरीद लेते थे।**
- **बीकानेर के खातों को लेकर केरल, महाराष्ट, यूपी, कर्नाटक, तमिलनाडु, छत्तीसगढ़, गुजरात, तेलंगाना, राजस्थान, प. बंगाल सहित कई राज्यों से शिकायतें आ रही थी।**

एसपी कावेन्द्र सागर ने बताया कि ठगों से पूछताछ में सामने आया कि इस गिरोह ने साइबर माफिया के निर्देश पर बीकानेर में बैंक खाते खुलवाए थे। ये गरीब और भोले-भाले लोगों को बैंक में ले जाकर सेविंग अकाउंट खुलवाते थे। ये लोग फर्जी फर्म के नाम से रजिस्ट्रेशन कर करन्ट अकाउंट भी खुलवाते थे। खाताधारक को बैंक से जो एटीएम, पासबुक और अन्य सामान मिलता, उसे अपने पास रख लेते, फिर अलग-अलग राज्यों में बैठे ठगों को ये बैंक किट बस के माध्यम से भेजे देते थे। ये किट जब अन्य राज्यों में बैठे साइबर ठगों के पास पहुंचते तो वो लोग साइबर ठगी से आए रुपयों को इन खातों में भेजते थे। इसके बाद एटीएम, चेक और अन्य माध्यम से रुपए निकाल लेते थे।

पूछताछ में पता चला कि बीकानेर के बैंकों में 75 खाते खोले गए हैं और इनसे 51 करोड़ 81 लाख रुपए का लेनदेन हुआ। एसपी के अनुसार, बीकानेर के खातों को लेकर केरल, महाराष्ट्र, यूपी, कर्नाटक, तमिलनाडु, छत्तीसगढ़, गुजरात, तेलंगाना, राजस्थान, प. बंगाल, दिल्ली, मध्य प्रदेश, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, बिहार, हरियाणा, गोवा, उत्तराखंड, झारखंड और मेघालय से शिकायतें आ रही थीं। यहां बीकानेर के लोगों के एटीएम कार्ड और चेक यूज किए जा रहे थे।

पुलिस के अनुसार, अभी ऐसे और खातों की पड़ताल की जा रही है। उम्मीद है कि बड़ी संख्या में फर्जी खातों का लेनदेन सामने आ सकता है। पुलिस ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

वक्फ बिल जेपीसी से विपक्षी सदस्य एक दिन के लिए निलम्बित

चर्चा के दौरान भारी गर्मा-गर्मी के बाद जेपीसी अध्यक्ष जगदम्बिका पाल ने यह कदम उठाया

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 जनवरी। जॉइन्ट पार्लियामैंट कमेटी (जेपीसी) के चेयरमैन जगदम्बिका पाल द्वारा विचाराधीन वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 को जल्दी से आगे बढ़ाने के दृढ़निश्चयी प्रयास के कारण कमेटी में गर्मागर्मी का माहौल बन गया, जिसका परिणाम यह हुआ कि कई विपक्षी सदस्य निलम्बित कर दिये गये। इनमें टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी, द्रमुक के ए.राजा तथा एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी शामिल हैं।

शुक्रवार को हुई मीटिंग में बार-बार के गतिरोधों के बाद, भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने निलम्बन प्रस्ताव पेश किया, जिसे कमेटी में पारित कर दिया गया। ये सांसद एक दिन के लिए निलम्बित किये गये।

जगदम्बिका पाल ने कहा कि विपक्षी सांसदों द्वारा किये गये हंगामों, जिनमें असंसदीय भाषा और नारेबाजी शामिल थी, के कारण मीटिंग कई बार

- **जेपीसी अध्यक्ष जगदम्बिका पाल ने कहा कि विपक्षी सांसदों ने शोरगुल किया, नारे लगाए, असंसदीय भाषा का इस्तेमाल किया, हमें कई बार कमेटी की बैठक स्थगित करनी पड़ी, इसलिए यह कदम उठाया गया।**
- **जेपीसी के विपक्षी सदस्यों ने कहा कि सरकार आरएसएस के एजेंडा पर काम कर रही है और वक्फ सम्पत्तियों को हड़पना चाहती है, इसीलिए यह वक्फ बिल लाया गया है।**
- **जगदम्बिका पाल ने कहा कि मीरवाइज़ उमर फारुख के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर से एक प्रतिनिधिमंडल अपनी बात कहने आया था, पर विपक्षी सदस्यों ने उन्हें बात नहीं करने दी।**

स्थगित करनी पड़ी। उन्होंने कहा, "हम उनसे अनुरोध करते रहे कि जम्मू-कश्मीर के आमंत्रित प्रतिनिधिमंडल को बोलने दीजिये, लेकिन उनकी ओर से विरोध जारी रहा।"

विपक्षी सदस्यों ने जेपीसी के काम-काज पर कड़ी आपत्तियाँ कीं। उन्होंने कमेटी पर आरोप लगाया कि कमेटी दिल्ली विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुये, विधेयक को ज्यादा ही जल्दी आगे बढ़ा रही थी।

कांग्रेस सांसद इमरान मसूद, जो निलम्बित सदस्यों में शामिल हैं, ने कमेटी पर मनमर्जी से काम करने का आरोप लगाया। उनका आरोप था कि इस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ब्यावर कलेक्टर ने अवैध खनन पर 1.39 करोड़ रूपए की पैनल्टी लगाई

ब्यावर, 24 जनवरी (निसं)। खातेदारी भूमि में लाइम स्टोन के बड़े पैमाने पर अवैध खनन पर प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की। खनिज विभाग ने इन मामलों पर 1 करोड़ 39 लाख 20 हजार की पेनल्टी लगाई है।

जिला कलेक्टर डॉ. महेन्द्र खड़गावत को ग्राम निम्बोल तहसील जैतारण में अवैध खनन की शिकायत मिली थी, उन्होंने खनिज विभाग, पुलिस व राजस्व विभाग की टीम गठित कर

- **जैतारण तहसील में खातेदारी भूमि में बड़े पैमाने में लाइम स्टोन के अवैध खनन के पिट पाये गये।**

मौके पर भेजी। खनिज विभाग द्वारा जांच करने पर मौके पर खातेदारी भूमि में बड़े पैमाने पर लाइम स्टोन के अवैध खनन के पिट पाये गये। मुख्य रूप से अवैध खनन खसरा संख्या 16 ग्राम निम्बोल तहसील जैतारण में 30 मीटर गुणा 20 मीटर गुणा 8 मीटर का अवैध पिट पाए जाने पर खनिज विभाग द्वारा नियमानुसार 1 करोड़ 39 लाख 20 हजार का मौका पंचनामा बनाया गया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

"इन्डैम्निटी अंडरटेकिंग" देने पर ही श्री शुभम लॉजिस्टिक के गोदामों में 2,790 करोड़ रूपए की कृषि उपज रखवाई जाएगी

इस कंपनी द्वारा 48 गोदामों का बीमा "गलत श्रेणी" में करवाने और शर्तों के उल्लंघन के कारण राजस्थान सरकार ने फैसला लिया

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 24 जनवरी। राजस्थान सरकार ने श्री शुभम लॉजिस्टिक कंपनी को "इनडैमनिटी अंडरटेकिंग" देने के आदेश दिए हैं। अगर कंपनी यह अंडरटैकिंग नहीं देती है तो किसानों से समर्थन मूल्य पर खरीदी गई 2790 करोड़ रु. की रबी उपज को इस कंपनी द्वारा पी.पी.पी. मोड पर संचालित 48 गोदामों में नहीं रखवाया जायेगा। राज्य सरकार ने यह कदम इसलिए उठाया है, क्योंकि इस कंपनी ने 48 गोदामों का बीमा, पैसे बचाने के लिए "गलत श्रेणी" में करवा रखा है। ऐसे में "इनडैमनिटी" (जिम्मेदारी तय करने के लिए समझौता) के बिना यहां रखी जाने वाली करोड़ों रु. की कृषि उपज जैसे मूंग, सोयाबीन और मूंगफली खराबे अथवा चोरी होने पर कोई जिम्मा इस कंपनी पर नहीं जाता। यह नुकसान सीधे तौर पर राज्य सरकार और आमजनता को भुगतना पड़ता।

दरअसल वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव ने 9 नवंबर को

- **ऑरिगो कॉमोडिटीज़ के 23 गोदामों का बीमा स्वयं राज्य भंडारण निगम करवायेगा, यह राशि कंपनी के भुगतान में से काटी जायेगी।**
- **ज्ञातव्य है कि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने 16 मई 2024 को मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर इन दोनों कंपनियों द्वारा 150 करोड़ रूपए का घोटाला करने का आरोप लगाया था।**

इस मामले को लेकर बैठक बुलाई थी। जिसमें राजस्थान भंडारण निगम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, शासन सचिव वित्त (बजट), शासन सचिव सहकारिता और राजफैड के कृषि एवं प्रबंध निदेशक शामिल हुए थे। बैठक में राजफैड द्वारा कृषि उपज के भंडारण और मूवमेंट प्लान पर चर्चा हुई। जिसमें अधिकारियों ने स्वीकारा कि श्री शुभम लॉजिस्टिक कंपनी को पी.पी.पी. मोड पर जो 48 गोदाम संचालन के लिए दिए गए हैं, उनका बीमा इस कंपनी ने गलत श्रेणी में करवा रखा है, जो कि 12 जून 2025 तक है। इस वजह से अगर गोदामों में रबी की कृषि उपज जैसे मूंग, सोयाबीन और मूंगफली रखवाई जाती है तो खराबे, चोरी, आगजनी अथवा अन्य नुकसान से कोई बचाव नहीं होगा। गलत श्रेणी में बीमा होने के कारण बीमा कंपनी से भी इसकी भरपाई नहीं होगी।

अधिकारियों ने बैठक में बताया कि, केन्द्र सरकार के "वेयर हाऊसिंग डवलपमेंट एंड रेगुलेटरी अथॉरिटी" (डब्ल्यू.डी.आर.ए.) ने भी साफ कहा है कि, गोदामों का गलत श्रेणी में बीमा करवाये जाने के पश्चात अब दुबारा इनका बीमा नहीं करवाया जा सकता। नया बीमा 12 जून 2025 को वर्तमान बीमा पॉलिसी खत्म होने के बाद ही किया जा सकता है। ऐसे में इन 48 गोदामों में 2790 करोड़ रु. की कृषि उपज रखने पर इसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी कौन लेगा?

इस प्रकरण को लेकर 20 दिसंबर को मुख्य सचिव ने भी बैठक ली। जिसके बाद राज्य सरकार ने कहा कि, अगर श्री शुभम लॉजिस्टिक कंपनी "इनडैमनिटी अंडरटेकिंग" पेश करती है, उसी स्थिति में ही इन गोदामों में कृषि उपज रखवाई जाये। अगर कंपनी यह अंडरटैकिंग नहीं देती है कृषि उपज का भंडारण इन गोदामों में नहीं किया जायेगा।

बैठक में अधिकारियों ने बताया कि श्री शुभम लॉजिस्टिक की सहयोगी कंपनी ऑरिगो कॉमोडीटिज़ के 23 गोदामों का बीमा भी 3 अक्टूबर 2024 को खत्म हो चुका है। ऐसे में यहां भी कृषि उपज रखवाना उचित नहीं होगा। जिस पर राज्य सरकार ने फैसला लिया कि, ऑरिगो कंपनी के 23 गोदामों का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'ईडी व एसीबी बताये जल जीवन मिशन में क्या कार्यवाही की'

जयपुर, 24 जनवरी। राजस्थान हाईकोर्ट ने जल जीवन मिशन घोटाले से जुड़े मामले में ईडी व एसीबी को चार फरवरी तक शपथ पत्र पेश कर बताने को कहा है कि उनकी ओर से मामले में अभी तक क्या कार्रवाई हुई है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह व जस्टिस विनोद कुमार

- **राजस्थान हाई कोर्ट की डबल बैंच ने जनहित याचिका पर दोनों एजेन्सियों से 4 फरवरी तक जवाब मांगा।**

भारवानी की खंडपीठ ने यह आदेश पब्लिक अगेंस्ट करप्शन संस्था की जनहित याचिका पर दिया।

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता पूनमचंद भंडारी व टीएन शर्मा ने अदालत को बताया कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पेरिस क्लाइमेट डील से ट्रम्प का हटना भारत की आर्थिक ग्रोथ पर विपरीत प्रभाव डाल सकता है

इससे पैट्रोल-डीज़ल पर खर्चा बढ़ जाएगा तथा औद्योगिक उत्पादन प्रभावित होगा, महंगाई बढ़ेगी

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 जनवरी। अपनी दूसरी पारी में, पहले की तरह, अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने पेरिस समझौते से अमेरिका के बाहर निकलने की घोषणा की। पेरिस समझौताएक वैश्विक पहल है जिसका उद्देश्य इस सदी में तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करना है। पर्यावरण के संबंध में ट्रंप के रुख को देखते हुए, यह निर्णय कोई आश्चर्य नहीं है। हालांकि, जो बात ध्यान आकर्षित करती है, वह है ट्रंप द्वारा ऊर्जा आपातकाल (एनर्जी एमरजैन्सी) की घोषणा करना। यह एक अभूतपूर्व कदम है, जिससे प्रशासन को, परमिट को दरकिनार करने,

- **विशेषज्ञों का कहना है कि पेरिस क्लाइमेट डील से अमेरिका के हटने से जीवाश्म ईंधन (पैट्रोल, डीज़ल आदि) की मांग बढ़ जाएगी, जिससे इनके दाम भी बढ़ जाएंगे।**
- **विशेषज्ञों ने कहा कि इससे कार्बन उत्सर्जन के प्रति वैश्विक दबाव हल्का पड़ जाएगा, जिससे भारत की "रिन्यूएबल एनर्जी" का विकल्प अपनाने की मुहिम धीमी पड़ जाएगी। इससे ग्रीन सैक्टर में रोजगार सृजन भी धीमा हो जाएगा और इसके लाभ मिलने में भी देरी होगी।**
- **उल्लेखनीय बात यह है कि जलवायु परिवर्तन के मामले में भारत की स्थिति बेहद संवेदनशील है। कृषि, इन्फ्रास्ट्रक्चर और तटवर्ती क्षेत्रों के लिए भारी जोखिम है। बिगड़ा हुआ मौसम भारी आपदा ला सकता है, जैसे- सूखा, बाढ़, समुद्री तूफान आदि।**
- **बढ़ती ग्लोबल वॉर्मिंग से इन्फ्रास्ट्रक्चर नष्ट हो सकता है, प्रदूषण के कारण बीमारियां बढ़ने से स्वास्थ्य खर्च बढ़ेगा, गर्मी के कारण श्रम उत्पादकता में भी कमी आएगी और ये नुकसान जीवाश्म ईंधन के प्रयोग से होने वाले तात्कालिक लाभ की तुलना में कई गुना ज्यादा हैं।**

परियोजनाओं को तेजी से मंजूरी देने या अप्रयुक्त प्राकृतिक संसाधनों तक पहुंचने के लिए पर्यावरणीय सुरक्षा नियमों की अनदेखी करने की अनुमति मिल जाएगी।

ट्रंप का आदेश दावा करता है कि "पिछले प्रशासन की हानिकारक और अदूरदर्शी नीतियों" ने देश की ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करने की क्षमता को बाधित किया है, जिससे संघर्षरत अमेरिकियों के लिए लागत बढ़ गई है और "दुश्मन देशों" पर निर्भरता बढ़ी है। इसे राष्ट्रीय आपातकाल घोषित करते हुए, आदेश में ऊर्जा विकास योजनाओं (एनर्जी डवलपमैंट प्लान्स) में सैन्य भागीदारी की अनुमति दी गई है।

"अमेरिकी ऊर्जा को मुक्त करना" शीर्षक वाले ट्रंप के निर्देश तहत, विशेष रूप से संसाधनों को निकालने पर ध्यान केंद्रित लगता है-विशेष रूप से अलास्का में-चाहे वो जीवाश्म ईंधन, खनिज या अन्य लाभकारी चीजें हों। प्रकट रूप से नौकरियों के सृजन और ऊर्जा लागतों को कम करने के उद्देश्य से यह किया गया है। तथापि, ट्रंप ने समुद्री पवन ऊर्जा फार्म के पट्टों पर भी रोक लगा दी, जिससे यह स्पष्ट संकेत मिलता है कि वो नवीकरणीय ऊर्जा की तुलना

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'नरेश मीणा ही समरावता उपद्रव का मुख्य आरोपी'

जयपुर, 24 जनवरी। राजस्थान हाईकोर्ट ने देवली-उनियारा विधानसभा सीट के उपचुनाव के दौरान निर्दलीय उम्मीदवार नरेश मीणा की ओर से एसडीएम से मारपीट के बाद समरावता में हुए उपद्रव के मामले में वीडियो देखकर अदालत ने नरेश मीणा पर कड़ी टिप्पणी की। वहीं, अदालत ने मामले की

- **हाई कोर्ट में घटना का वीडियो देखने के बाद न्यायाधीश ने मौखिक टिप्पणी की।**

सुनवाई एक सप्ताह के लिए टाल दी। जस्टिस प्रवीर भटनागर ने ये आदेश नरेश मीणा की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान, एएजी राजेश चौधरी ने अदालत को घटना के दिन का वीडियो दिखाया। इस पर अदालत ने मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

निरंतर विकास जीवन का एक नियम है। और जो भी व्यक्ति खुद को सही दिखाने के लिए अपनी रूढ़िवादिता को बरकरार रखने की कोशिश करता है वो खुद को एक गलत स्थिति में पंहुचा देता है। –महात्मा गांधी

डिजिटल अरेस्ट : चेतावनी बेअसर, नागरिक लुट रहे हैं

जिस देश के प्रधानमंत्री डिजिटल अरेस्ट के खिलाफ चेतावनी जारी करें, भरोसा दिलाएं कि फरेबियों से डरें नहीं और वहां के नागरिको की डिजिटल लूट के कारनामे से मनोविज्ञान स्तर पर राष्ट्रव्यापी भय की लहर पनप रही है और यहां नित नई करुण गाथा रची जा रही है । सरकार के हाथ-पांव फूल रहे हैं और डिजिटल लुटेरे खुलेआम फल-फूल रहे हैं।

2024 में भारत में डिजिटल अरेस्ट की कई घटनाएं हैरान करने वाली हैं। यह बिल्कुल भी हैरान नही करने वाला आंकडा है कि 2024 में भारतीयों ने 25 हज़ार करोड रुपये डिजिटल अरेस्ट की वजह से गंवाए हैं। बाकि दुनिया में भी इसी तरह का फरेब काफी बड़ा है । भारत में नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर रोज़ाना करीब 6 हज़ार शिकायतें दर्ज होती है जो कि वास्तविक घटनाओं की तुलना में काफी कम है। डिजिटल अरेस्ट की वजह से कई लोगों ने पैसा ही नही अपनी जान भी गंवाई है। पिछले साल सिर्फ भारत में 60 करोड़ रुपये का चूना रोजाना लगा है।

यह हैरानी वाली बात है कि डिजिटल अरेस्ट के शिकार उच्च शिक्षित, तकनीकी कौशल के दक्ष और उच्च पदस्थ व्यक्ति हो रहे हैं साधारण नागरिकों की तो बात ही छोड़िए। तो क्या लोग वाकई में साइबर ठगों को पहचान नही पा रहे या उनकी धमकियों में छिपे पुलिस तन्त्र की छाया इसकी जड़ है। आप डिजिटल अरेस्ट की खबर पढ़ेंगे तो पाएंगे कि साइबर ठग पहले ही वाट्सएप काल में पुलिस, सीबीआई या ऐसी ही किसी सुरक्षा एजेंसियों की ड्रैस पहन कर धमकी देते हैं और फिर लूट का खेल शुरू हो जाता है। दरअसल आम हो या खास भारतीय नागरिकों के मन में आजादी के इतने लम्बे समय बाद भी पुलिस को लेकर ब्रिटिशिया राज जैसा भय व्याप्त है। हम देख रहे हैं प्रतिवर्ष पुलिस निरपराध लोगों को फंसा कर खूब पैसा ऐंठती है। इनमें से बहुत थोड़े से केस ही सामने आ पाते हैं अधिकांश लोग तो लोकलाज और भय के कारण मुंह ही नहीं खोलते हैं।

डिजिटल अरेस्ट भी ऐसी ही अनदेखी, अनजानी भय की स्थिति है जिसमें आम और खास सभी तरह के लोग लपेटे में आ रहे हैं। यह चकित करने वाली बात है कि जिसे आप जानते नही महज वाट्सएप काल पर फर्जी पुलिस वर्दी वाला अपराधी अवतरित होता है और आप पर एक के बाद एक बेबुनियाद इल्ज़ाम लगाता है और आपकी सांसें फूलने लगती है। बस यहीं से वह आपके माइन्ड पर कन्ट्रोल कर लेता है और आप उसके कहे कहे बताए एकाउंट में दनादन पैसे ट्रांसफर कर कंगाल हो जाते हैं। प्रतिष्ठा की रक्षा के लिए व्यक्ति भय की चरम अवस्था में पंहुच जाता है। जहां वह परिजनों, मित्रों को कुछ नही बताता। जब सब कुछ लुटा जाता है तब चीखने से क्या होता है। ऐसे अधिकांश मामले पुलिस की निगाह में होते हैं बल्कि लोगों का मानना है कि इन मामलों में पुलिस की मिली भगत भी होती है। समय रहते पुलिस को शिकायत की तो जवाब सुनिए। मेरी एक निकट परिजन को ऐसा फर्जी काल आया। वे सचेत थी उसे धमका कर तुरंत ब्लाक किया और पुलिस को घटना की सूचना दी, जवाब मिला फ्राड तो हुआ नही सो हम कुछ नही कर सकते। अब आप समझ गए होगे पुलिस की मिलीभगत किस तरह प्रमाणित है। यानी पहले आप लुटिए फिर हम एक्सन लेंगे। वाह साहब यह खूब हुआ नागरिकों की हिफाजत का तरीका। यह भी हैरान करने वाले समाचार हैं कि सेना और पुलिस की नौकरी के रिटायर्ड या निकाल दिए गए ये लोग भी इन अपराधी गिरोहों के सरगना हैं। दूसरी हैरान करने वाली बात है बिना समुचित प्रमाण पेश किए लोग पुलिस की वर्दी खरीद कैसे रहें हैं? जब कानून का इकबाल बुलन्द न हो तो ये सब आसानी से हो सकता है खेल मिलिभगत का जो है।

पुलिस की कार्यप्रणाली से भी अधिक बैंकों की सम्पूर्ण प्रक्रिया इस विषय में गहरे संदेह के घेरे में दिखाई पड़ रही है। अनेक व्यक्ति एक दिन से लेकर 37 दिन तक डिजिटल अरेस्ट हुए और उनके खातों से करोड़ों रूपए ट्रांसफर होते रहे हैं। जो बैंक पचास हजार के ट्रांजेक्शन पर एलर्ट भेजता है और अधिक पैसा भेजने की कोशिश पर खाता सीज कर देता है वो ऐसे गम्भीर फ्राड पर मौन कैसे रह सकते हैं।

पुलिस की कार्यप्रणाली से भी अधिक बैंकों की सम्पूर्ण प्रक्रिया इस विषय में गहरे संदेह के घेरे में दिखाई पड रही है। अनेक व्यक्ति एक दिन से लेकर 37 दिन तक डिजिटल अरेस्ट हुए और उनके खातों से करोड़ों रूपए ट्रांसफर होते रहे हैं । जो बैंक पचास हजार के ट्रांजेक्शन पर एलर्ट भेजता है और अधिक पैसा भेजने की कोशिश पर खाता सीज कर देता है वो ऐसे गम्भीर फ्राड पर मौन कैसे रह सकते हैं। इसी के साथ हमारे आर्थिक एजेंसियों को सांप कैसे सूंघ गया है। हम डिजिटल क्रांति का दम भर रहे हैं, यूपीआई ट्रांजेक्शन्स पर गर्व कर रहे हैं, आइटी के क्षेत्र में पूरी दुनिया में लौहा मनवा रहे हैं लेकिन ये सब उपलब्धियां डिजिटल अरेस्ट के मसले में फेल हैं। ऐसा नही है यह फ्राड भारत में ही हो रहा है । पूरी दुनिया में ऐसी घटनाएं हो रही हैं। लेकिन विदेशों में ऐसे मामलों में त्वरित कार्यवाही होती है और रकम की वसूली भी। हमारे यहां ऐसे मामलों में लूट की रकम का महज 15 से 20 फीसदी वसूली के समाचार हैं जो भयभीत तो करते ही हैं साथ ही भविष्य के प्रति आशान्वित भी नही करते। ऐसे मसलों में जो सवाल उठे हैं उनका जवाब कौन देगा। जब सरकार ने कानून बना कर नागरिकों के फोन सुनने का अधिकार हासिल कर लिया तो फ्राड काल क्यों पकड में नही आ रहे? क्यों नही सरकार नागरिकों को इस तरह की जालसाजी से बचने के लिए सघन प्रचार अभियान छेड रही? पुलिस ने अब तक ऐसे कितने लुटेरों के जुलूस निकाले और उनकी सम्पत्तियों पर बुल्डोजर चलाए हैं? कितने लापरवाह बैंक अधिकारियों के खिलाफ कार्यवाही हुई है? रिजर्व बैंक क्यों मुंह छिपाता फिर रहा है? सरकार संसद में ऐसे संवेदनशील मसलों पर खुलकर बहस क्यों नहीं करती ? वे कौन लोग हैं जो प्रधानमंत्री की चेतावनी के बाद भी बडी संख्या में डिजिटल अरेस्ट कर इक्कट्ठा हुई रकम में बंटवारा कर सरकार को बदनामी की काली कोठरी में धकेल रहे हैं? डिजिटल अरेस्ट में अपनी राशि लुटा चुके लोगों को बैंकों ने क्षतिपूर्ति की सम्पूर्ण राशि क्यों नहीं लौटाई? सरकार ने पब्लिक अवेयरनेस के अभी तक सुनियोजित डिजिटल लिट्रेसी कम्पैन लांच क्यों नहीं किया? डिजिटल अरेस्ट के मसलों में विदेशी एजेंसियों की भागीदारी का भण्डा लगातार क्यों नहीं फोडा जा रहा ? क्यों नहीं हर शहर में पुलिस, बैंक, प्रशासन और आई टी एक्सपर्ट की संयुक्त नोडल टीम ऐसे मामलों को सुलटा ने के लिए गठित हुई? डिजिटल अरेस्ट के पहले काल के साथ ही सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो कर विक्टिम की रक्षा क्यों नहीं कर रही? सरकार स्कूल कालेजों में डिजिटल फ्रोड से बचने के कोर्स क्यों नहीं चला रही? पुलिस प्रत्येक थाने में कैम्प लगाकर आश्वस्त क्यों नहीं कर रही? सरकार अपने समस्त विभागों को चेतावनी जारी कर क्यों नहीं समझा रही की ये सब फर्जी काल हैं डरें नहीं? पुलिस किसी की शिकायत पर यह उत्तर कैसे दे सकती है कि अपराध तो हुआ ही नही? ऐसे अन्य भी हजारों सवाल हैं जो जिम्मेदार लोगों से जवाब चाहते हैं। मैं जब आज इस लेख के समापन की ओर बढ रहा तो सवेरे-सवेरे समाचार पढा, हैदराबाद में एक इंजीनियर को डिजिटल अरेस्ट कर ठगों ने सात करोड रुपए लूट लिए। हे राम! सरकार की ऐजेन्सियां जब जागेगी तब तक तो देश का अरबों रूपया लुटेरों की जेब में जा चुका होगा। आप समझ रहे हैं ना समानांतर रूप से देश में काली अर्थव्यवस्था का साया गहरा होता जा रहा है। आर्थिक असमानता पनप रही है और बेरोजगार लोगों को घन कमाने का यह रास्ता सुगम लगने लगा है। अन्त में आपके साथ यदि ऐसी घटना हो तो तत्काल उससे कहें तुम रुको मैं लोकल पुलिस को कान्फ्रेंसिंग पर लेकर तुम्हारी बात की पुष्टि कर लेता बस इतना सुनते ही अपराधी छूमंतर हो जाएगा, आजमा कर देखिएगा।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र मोहन शर्मा,
साहित्यकार, शिक्षाविद एवं चिन्तक

शहरी सडकों एवं गलियों में पेड़ लगाने के मापदंडों का निर्धारण और अनुसरण क्या आवश्यक नहीं?

प्रो. वीर बहादुर सिंह

हरियाली देखने में सर्वत्र सुहानी लगती है। हरा रंग ही सम्पन्नता और खुशहाली का द्योतक माना जाता है। पेड़-पौधों और जीव-जंतुओं से मनुष्य का नाता प्राचीन है। मनुष्य को पहले ही पता था कि हरे भरे पेड़ जहाँ मनुष्य को लकड़ी, पत्ते आदि आग जलाने के लिए उपलब्ध कराते हैं वही उनसे प्राप्त अनेक फल, फूल-पत्तियां, छाल, जड़े आदि आहार, औषधि, सुगंध आदि के लिए उपयोग में लिए जाते हैं। इमारती लकड़ी तो मानव बहुत पहले से ही अपने विभिन्न कामों में लेता आया है। अनेक स्थानों पर आवास के लिए घर भी लकड़ी से ही बनते हैं।

पेड़ पौधों के बीज अनेक पक्षिओं के खाने में काम आते हैं। प्रकृति में सभी कुछ इतने आपस में बंधे हुए हैं कि किसी एक के बारे में सोचना ही दूसरे का ध्यान आकर्षित कर लेता है। अत: इन सब को अलग करना ही दुष्कर है। पेड़ों से गिरी हुए पत्तियां ज़मीन पर सड़कर खाद बन कर पुन: छोटे पेड़ों को खाद देकर उन्हें पोषित करती हैं। उपरोक्त उपयो गताओं के अतिरिक्त भी पेड़ पौधों से मानव को एक बड़ा लाभ है वह है पत्तिओं द्वारा दिन में सूर्य के प्रकाश में ऑक्सीजन का उत्सर्जन जिससे हम सांस ले कर अपने रक्त शुद्ध करते हैं। सूर्य के प्रकाश में पत्तिओं में उपस्थित क्लोरोफिल प्रकाश संश्लेषण से पेड़ के लिये भोजन बनता है जो जड़ों तक पहुंच कर उन्हें पोषित करता है और पेड़ की वृद्धि में सहायक होता है। हरी पत्तिओं में घटित होने वाली इस रासायनिक क्रिया को फोटोसिंथेसिस अथवा प्रकाश संश्लेषण कहते हैं। पेड़ की हरी पत्तिओं से जल का वाष्पीकरण भी होता है जिससे वायु नम और आद्रता लिए रहती है। इस प्रकार पत्तिओं में प्रकाश संश्लेषण, स्वशन और वाष्पीकरण तीनों क्रियाएं होती हैं। सोचिए पेड़ से कितने फायदे, ऑक्सीजन न मिले तो सांस बंद और जीवन समाप्त। इसलिए पेड़-पौधों की अहमियत मानव और अन्य सभी जीव जंतुओं के लिए असीमित है। अभी तक तो बिना इनके जीवन संभव ही नहीं।

लिस्ट बहुत लम्बी है। दुर्भाग्य से शहरी सड़कों के दोनों तरफ लगे पेड़ों की उचित देखभाल भी नहीं होती, बिजली के तार भी पेड़ की ऊपर की शाखाओं तक पहुँच कर उलझ जाते हैं और शार्ट सर्किट से घरों में रखे बिजली के उपकरण ख़राब हो जाते हैं और सामान्यत: बिजली आपूर्ति में बाधा पड़ जाती है। पेड़ों से प्राप्त लाभों को गिनाना दुष्कर तो है ही । ऑक्सीजन, कार्बन डाइऑक्साइड के अलावा वातावरण में अन्य नाइट्रोजन, प्रशीतन उपकरणों के एवं अन्यों के संचालित होने पर निकलने वाली हानिकारक गैसें यथा नाइट्रोजन, कार्बन मोनोऑक्साड कार्बन डाइ ऑक्साइड फोसजीन, हाइड्रोजन सल्फाइड, क्लोरोफ्लोरो कार्बोन और रोमन्थकारी पशुओं व् धान के खेतों से निकली मीथेन गैसें भी उपस्थित रहती हैं। कार्बन डाइऑक्साइड ऑक्सीजन से अपेक्षाकृत भारी होती है अत: प्रकाश संश्लेषण और कार्बनिक पदार्थ जलाने पर वायुमंडल में घुलती रहती है। इसलिए वह स्थान जहाँ पेड़ों की सघनता अधिक होती है वहां उसके चारो तरफ और नीचे कार्बन डाइऑक्साइड अधिक मात्रा में मौजूद रहती है।

ग्रामीण परिवेश के बुजुर्ग यह सलाह लोगों को देते रहते हैं कि रात को किसी बड़े पेड़ के नीचे नहीं सोना चाहिए। कारण स्पष्ट है कि रात भर सोनें वाला अपनी श्वांस में कार्बन डाइऑक्साइड ही फेफड़ों में भरेगा जिससे उसके रक्त में ऑक्सीजन की कमी से चयापचय क्रिया से उत्पन्न हानिकारक पदार्थ शरीर से बाहर नहीं निकल सकेंगे। रक्त दूषित होने से अनेक बिमारिओं का शरीर में पैदा हो जाना स्वाभाविक है।

इन सब बातों को दृष्टिगत रखते हुए हमें वनों को छोड़कर आवासीय कोलोनिओं में प्लान करके पेड़ लगाने चाहिए और उनकी देखभाल काटछांट भी समय-समय पर करते रहना चाहिए। इसलिए शहरी सड़कों एवं गलिओं में पेड़ों का चुनाव बुद्धिमानी से कर रोपना यथेष्ट होता है। घर के बिलकुल पास तो पेड़ों की सघनता ऐसी होनी चाहिए ताकि घर पेड़ों से आक्षादित न हो, सूरज की रौशनी घर में आनी ही चाहिए अन्यथा लम्बे समय तक बिना सूर्य रौशनी के पेड़ों में विभिन्न प्रकार की फफूंदी उत्पन्न हो जाती है। यह नज़ारा माउंट आबू के कई स्थानों पर बड़े पेड़ों पर देखा जा सकता है इन फफूंदी के स्पोर्स वायु द्वारा उस सारे वातावरण जिसमे घर भी शामिल है, बिखर जाते हैं और मनुष्यों की सांस द्वारा फेफड़ों में प्रवेश कर ऐलर्जी आदि अनेक रोग उत्पन्न कर देते हैं।

राजस्थान में जहाँ वेताहषा खनन से सभी छोटे-बड़े पहाड़ नग्न हो चुके हैं उन्हें बिना बिलम्ब किये पुनर्जीवित करने की सख्त जरुरत है। इसके लिए सम्बंधित सरकारी और अन्य संस्थाओं द्वारा शख्त कदम उठाने की बहुत शीघ्र आवश्यकता है। आज उदयपुर और अन्य भागों में सर्दी का प्रकोप आज से 40-45 वर्ष पूर्व की अपेक्षा कई गुना बढ गया है। मुझे याद है वर्ष 1970-75 के दौरान सर्दिओं में एक स्वेटर से काम चल जाता था, कोट सूट तो बहुत कम लोग सिलवाते थे। इस परिवर्तन के लिए हम सब दोषी हैं। सोचिये हम प्रॉपर्टी धन आदि तो अपने आगे की पीड़ी के किये संचित किये जा रहे हैं लेकिन वर्तमान स्थितिओं के चलते क्या वे इन संचित संसाधनों को भोग पाएंगे? समय से चेतना ही श्रेयकर है।

फारेस्ट विभाग का उत्तर्दायित्व है कि वे सभी स्थानों पर पेड़ रोपने की प्लान बनायें, वर्तमान में शहर के सम्बंधित बिभागों में समन्वय की घोर कमी है जिससे अव्यवस्था उत्पन्न होकर लम्बे समय तक बनी रहती है। शहरी सड़कों की चौड़ाई के अनुसार ही पेड़ों को नर्सरी में उगाकर रोपने के लिए सम्बंधित संस्थाओं को सोंपें। फलस्वरूप 100 फ़ीट और उससे अधिक चौड़ी सड़क के पेड़ अपेक्षकृत कुछ बड़े और 30 फ़ीट से 60 फ़ीट चौड़ी सड़क के लिए अधिकतम 15 फ़ीट ऊंचाई के पेड़ तथा तीस फ़ीट से कम चौड़ाई की सडकों गलिओं के लिए पेड़ों को अधिकतम ऊंचाई दस फ़ीट से अधिक नहीं होनी चाहिए। साथ ही रोपने की एक की दूसरे से दूरी भी क्रमश: 60 फ़ीट, 40 फ़ीट और 30 फ़ीट : चौड़ी गली के लिए पेड़ से पेड़ की दूरी 20 फ़ीट से कम नहीं रखनी चाहिए। एक विशेषज्ञों की समिति इन माप दंडों को और भी विचार-विमर्श कर अनुमोदन कर सकती हैं।

पेड़ों का चुनाव हॉर्टिकल्चर विभाग और फारेस्ट मिल कर निर्णय करें। रोपने के बाद देखभाल के किये उनकी सुपुर्दगी म्यूनिसपल्टी को दी जानी चाहिए जो उनकी सिंचाई, छटाई, रिप्लेसमेंट आदि करते रहें। आवश्यक हो तो सम्बंधित पार्षद को मुखिया नियुक्त कर जवाबदेही दी जा सकती है। पेड़-पौधों का चयन और रोपने के समय आयुर्वेद विभाग को भी सम्मिलित करना उपयुक्त रहेगा क्योंकि अनेक औषधीय वनस्पतियां भी साथ ही रोपी अथवा बोई जा सकती हैं।

शहरी क्षेत्रों के पार्क बगीचों में भी बड़े पेड़ यथा बरगद, पीपल, जामुन, बबूल, इमली, करंज, भद्राक्ष, कल्प वृक्ष, शहतूत, कटहल, महुआ जैसे पेड़ नहीं लगाने चाहिए। साथ ही एक्वालिप्टस या सफेदा भी वही उपयुक्त रहता है जहाँ पानी भराव की बहुतायत रहती है अन्यथा सामान्य जगह पर यह पेड़ रोपने से बचना चाहिए। और भी बहुत से लाभप्रद जानकारी पेड़ों के बारे में सम्बंधित विशेषज्ञों से ली जा सकती है। इस प्रकार यदि हम नंगे पहाड़ों को पुरजीवित कर लें और शहरी आवासीय क्षेत्रों में एक निर्धारित प्लान के अनुसार पेड़ पौधे लगाएं और उचित देखभाल करे तो निश्चित ही कुछ वर्षों में ही काया पलट हो सकता है।

–प्रो. वीर बहादुर सिंह,
पूर्व कुलपति एवं खाद्य विज्ञ,
महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय,
उदयपुर, राजस्थान

'विद्यार्थी अर्जित ज्ञान से लोक कल्याण में जुट जाएं, विकसित भारत का संकल्प साकार करें'

वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय और कोटा विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह आयोजित

कोटा, (निसं)। राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि दीक्षित विद्यार्थी अर्जित ज्ञान का नैतिकता और विवेकशीलता के साथ उपयोग कर लोक कल्याण के लिए समर्पित रहें। निरंतर बौद्धिक क्षमता बढ़ाने के प्रयास करें। हमारी प्राचीन ज्ञान परंपरा जीवन पथ का आलोक है, उससे प्रेरणा लेते हुए अपने कर्तव्य पथ पर आगे बढ़ें और विकसित भारत के संकल्प को साकार करें। राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागड़े ने शुक्रवार को वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय के 17वें दीक्षांत समारोह और कोटा विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को संबोधित कर अपने विचार व्यक्त किये।

इस अवसर कोटा खुला विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों में 60 हजार 505 उपाधियां प्रदान की एवं उपाधियों को ऑनलाइन करने की प्रक्रिया का शुभारंभ किया। समारोह को संबोधित करते हुए कुलाधिपति ने कहा कि दीक्षांत की परंपरा जीवन का एक नया अध्याय है जिसमें विद्यार्थी को ज्ञान के सागर में उतरकर अनेक नवाचार करने होंगे। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति जो 400 कुलपतियों, 1000 शिक्षाविदों और 1400 विषय विशेषज्ञों के सानिध्य में तैयार की गई है, इसके उत्कृष्ट परिणाम आने वाले समय में परिलक्षित होंगे। दीक्षांत अतिथि गुरूनानक देव विश्वविद्यालय अमृतसर के कुलपति प्रो. करमजीत सिंह ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों का आव्हान किया कि अर्जित ज्ञान और परिश्रम के साथ लक्ष्य प्राप्ति में जुट जाएं और समाज को अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए जीवन लगा दें।

वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कैलाश सोडाणी ने कहा कि दीक्षित विद्यार्थी समय का मूल्य समझते हुए, समय के साथ चलने और उद्यमिता के पथ पर बढ़ने में रूचि लें।

कोटा विश्वविद्यालय में प्रदान किए मेडल-कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे ने बालाजी मार्केट स्थित यू.आई.टी. सभागार में कोटा विश्वविद्यालय के 11वें दीक्षान्त समारोह की अध्यक्षता की। इस समारोह में प्रो. डी.पी.सिंह, कुलाधिपति टाटा सामाजिक संस्थान, मुम्बई, दीक्षान्त अतिथि रहे। दीक्षान्त समारोह में वर्ष 2022 की परीक्षाओं में विभिन्न संकायों व विषयों में मेरिट में स्थान प्राप्त करने वाले व वर्ष 2022 के पीएच.डी. धारकों को उपाधियां प्रदान की गयी। कुलाधिपति पदक व प्रमाण पत्र गत 06 वर्षों में समाज विज्ञान संकाय में अधिकतम अंक अर्जित करने वाली पीजी विद्यार्थी हिमांगी अग्रवाल एवं कुलपति पदक व प्रमाण पत्र गत 06 वर्ष में कला संकाय में अधिकतम अंक अर्जित करने वाली यूजी विद्यार्थी शालिनी मालव को दिया गया।

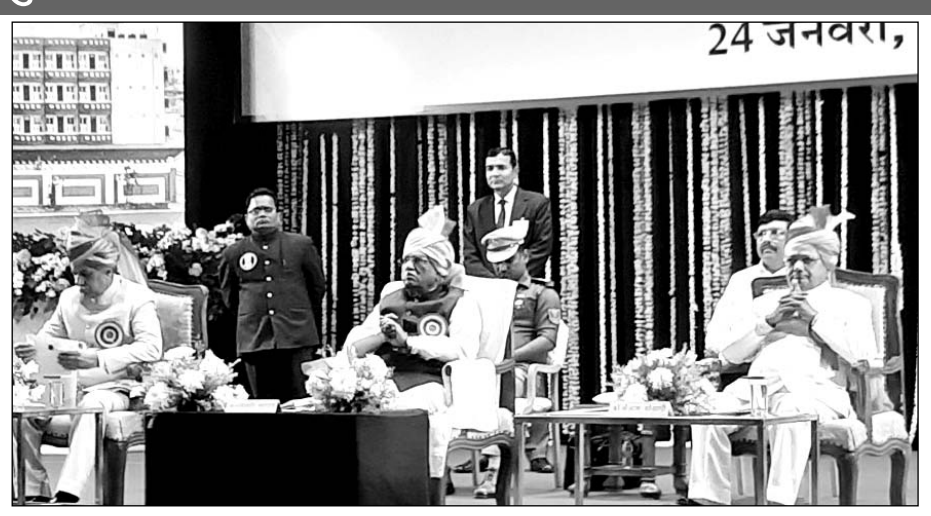

कोटा में विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागड़े ने शिरकत की।

- **राज्यपाल व कुलाधिपति हरिभाऊ बागड़े ने समारोह में पीएच.डी. धारकों को उपाधियां प्रदान की**

कुलाधिपति हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि एक महान विभूति पूण्यश्लोक देवी अहिल्याबाई होलकर का यह 300वाँ जयंती वर्ष चल रहा है। उनका जीवन भारतीय इतिहास का एक स्वर्णिम युग है। ग्रामीण पृष्टभूमि वाले सामान्य परिवार की बालिका से एक असाधारण शासनकर्ता तक की उनकी जीवनयात्रा आज भी सभी के लिए प्रेरणा का महान स्त्रोत हैं।

प्रो. डी.पी. सिंह, कुलाधिपति टाटा सामाजिक संस्थान, मुम्बई ने दीक्षान्त भाषण दिया तथा कुलपति प्रो. कैलाश सोडाणी ने विश्वविद्यालय का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया तथा कहा कि विश्वविद्यालय सीमित संसाधनों के बावजूद निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है। कुलसचिव भावना शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दीक्षान्त समारोह में विश्वविद्यालय के कला, समाज विज्ञान, विज्ञान, वाणिज्य, शिक्षा, विधि व जीव विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता भी उपस्थित थे।

सलेक्ट शिक्षकों को पदस्थापन कब मिलेगा, स्थिति स्पष्ट नहीं

कमेटी नए सिरे से इंग्लिश मीडियम स्कूलों का रिव्यू कर रही है

बीकानेर, (निसं)। महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों में रिक्त पदों को भरने के लिए चयन परीक्षा - 2024 में सलेक्ट हुए शिक्षकों को पदस्थापन कब मिलेगा, इसको लेकर अभी तक स्थिति स्पष्ट नहीं है।

पहले 10 प्रतिशत बोनस अंकों को लेकर मामला न्यायालय में होने के कारण रिजल्ट जारी होने में विलंब हुआ। 23 दिसंबर को रिजल्ट घोषित होने के बाद राज्य सरकार ने 3 जनवरी को प्रदेश के 3737 महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों की समीक्षा के लिए डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा की अध्यक्षता में चार सदस्यीय एक कैबिनेट सब कमेटी बना दी। अब यह कमेटी नए सिरे से इंग्लिश मीडियम स्कूलों का रिव्यू कर रही है। ऐसे में 13 से 16 जनवरी को चयनित शिक्षकों से पदस्थापन के लिए ऑनलाइन विकल्प लेने के सप्ताहभर बाद भी जिला आवंटन नहीं हो पाया है। उधर, कमेटी की पहली बैठक 22 जनवरी को हो चुकी है। संभावना जताई जा रही है कि जिस तरह से पिछले सप्ताह कम नामांकन वाले प्रदेश के 449 हिंदी मीडियम स्कूलों को मर्ज किया गया है। वैसे ही शून्य और कम नामांकन वाले महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों को भी मर्ज या फिर वापस हिंदी मीडियम स्कूलों में बदला जा सकता है। फिलहाल कमेटी की रिपोर्ट का इंतजार है।

इस सारी प्रक्रिया के बीच चयन परीक्षा में पात्र हुए 30 हजार शिक्षकों का पदस्थापन भी अटका हुआ है। प्रदेश में चल रहे 3337 महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों में शिक्षकों के करीब 17500 पद रिक्त बताये जा रहे हैं। उधर, 2 महीने बाद 6 मार्च से बोर्ड की परीक्षायें शुरू होने वाली है। अप्रैल में स्कूली स्तर की वार्षिक परीक्षा प्रस्तावित है। लेकिन इन स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को अभी तक शिक्षक नहीं मिले हैं।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शनिवार 25 जनवरी, 2025

माघ मास, कृष्ण पक्ष, एकादशी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2081, ज्येष्ठा नक्षत्र रविवार प्रात: 8:26 तक, ध्रुव योग रात्रि 4:38 तक, बव करण प्रात: 7:54 तक, चन्द्रमा आज वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मकर, चन्द्रमा-वृश्चिक, मंगल-मिथुन, बुध-मकर, गुरू-वृष, शुक्र-कुम्भ, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज षटतिला एकादशी व्रत है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 8:39 से 9:59 तक, चर 12:34 से 1:59 तक, लाभ-अमृत 1:39 से 4:39 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 7:19, सूर्यास्त 5:59

मेष

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। यात्रा में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

वृष

परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन

व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। अस्त-व्यस्त कार्य व्यवस्थित होने लगेंगे।

कर्क

परिजनों के व्यवहार के कारण दु:ख हो सकता है। आपसी ईर्ष्या-वैमनस्यता के कारण परेशानी हो सकती है। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

सिंह

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।

कन्या

आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग/परामर्श मिल सकता है। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक मामलों में उचित सोच-विचार हो सकता है। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

तुला

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आज धार्मिक स्थान की यात्रा हो सकती है।

वृश्चिक

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

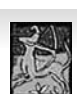

धनु

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मकर

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। आय के नवीन स्त्रोत सामने आयेंगे। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी।

कुंभ

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा।

अजमेर रेलवे स्टेशन पर 'स्टेशन महोत्सव' मनाया

■ अजमेर स्टेशन पर लगातार यात्री सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा

अजमेर, (कासं)।अजमेर स्टेशन के गौरवमय इतिहास को उत्सव स्वरूप मनाने के लिए अजमेर स्टेशन पर 'स्टेशन महोत्सव' मनाया गया। अजमेर रेलवे स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में स्टेशन महोत्सव का आयोजन किया गया।

इस मौके पर अपने सम्बोधन मे मण्डल रेल प्रबंधक राजू भूतड़ा ने कहा की आधुनिकता व विकास के इस दौर में विरासत को सजोए रखते हुए अजमेर स्टेशन पर लगातार यात्री सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। अजमेर मंडल उत्तर पश्चिम रेलवे का महत्वपूर्ण मंडल है जिसमें अजमेर स्टेशन सबसे प्रमुख स्टेशन है। गौरवशाली अतीत और ऐतिहासिक पृष्ठभूमि वाली राजपूताना-मालवा रेलवे का निर्माण सन् 1870 में शुरू किया गया था। दिल्ली-रेवाड़ी लाइन का निर्माण सन् 1872 में और रेवाडी-अजमेर (मदार-अजमेर) का निर्माण सन् 1875 में और अजमेर-अहमदाबाद लाइन का निर्माण 1881 में हुआ। वर्तमान स्टेशन बिल्डिंग का निर्माण वर्ष 1900 में किया गया था।

अजमेर मंडल सन् 1956 में मुख्य रूप से मीटर गेज प्रणाली पर अस्तित्व में आया। मदार से अजमेर तक मीटर गेज का ब्रॉड गेज में रूपांतरण सन् 1995 में पूरा हुआ। यात्री सेवा के 125 गौरवशाली वर्षों मे अजमेर स्टेशन मीटर गेज के भाप के इंजन से लेकर ब्रॉड गेज की वंदेभारत एक्स्प्रेस के इलेक्ट्रिक इंजन तक के दौर का गवाह रहा है

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक बीसीएस चौधरी के अनुसार विधायक अजमेर (दक्षिण) अनीता भदेल के मुख्य आतिथ्य मे मण्डल रेल प्रबंधक राजू भूतड़ा व स्वतंत्रता सेनानी सोभाराम गेहरवाल, मुख्य परियोजना प्रबंधक (गतिशक्ति) अनूप शर्मा सहित अन्य गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति मे कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अजमेर स्टेशन से संबंधित सवालों की एक क्विज़ का भी आयोजन किया गया। स्कूली बच्चों द्वारा शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गई। अजमेर स्टेशन भवन की समाकृति का केक भी इस अवसर पर काटा गया और आजादी के प्रतीक गुब्बारे भी उड़ाये गए तथा सुंदर रंगोली भी सजाई गई।

नसीराबाद घाटी में पलटी चारे से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली

अजमेर, (कासं)। एक ओर जहां यातायात पुलिस द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा माह अभियान चलाकर यातायात के नियमों का पालन करने के लिए जागरुकता अभियान चलाया जा रहा है तो वहीं दूसरी ओर शहर में दौड़ रहे ओवरलोड वाहन हादसों को न्यौता दे रहे है। शुक्रवार सुबह आदर्श नगर थाना क्षेत्र में नसीराबाद घाटी में चारे से भरी ओवरलोड ट्रैक्टर-ट्रॉली पलट गई, जिससे मुख्य मार्ग पर जाम लग गया।

आदर्श नगर थाना पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार चारे से भरी ट्रेक्टर ट्रॉली नसीराबाद से अजमेर शहर की ओर आ रही थी, तभी घाटी में ब्रेक न लगने के कारण ट्रैक्टर का संतुलन बिगड़ गया और ट्रॉली सहित ट्रैक्टर सडक़ पर पलट गया। हालांकि इस दुर्घटना में कोई हताहत नहीं हुआ, लेकिन हादसे के बाद कुछ देर के लिए नसीराबाद रोड पर वाहनों की आवाजाही बाधित हो गई। सूचना मिलने पर आदर्श नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची ।

बाबा दीपसिंह की स्मृति में सिख समागम अलवर गेट गुरुद्वारे में 25 व 26 को

अजमेर, (कासं)। गुरूद्वारा श्री दशमेश सत्संग सभा नसीराबाद रोड अलवर गेट के प्रधान सरदार गुरूचरण सिंह गुरूदत्ता, मीत प्रधान सरदार मनजीत सिंह सलूजा, सचिव सरदार जसपाल सिंह बग्गा, मैनेजर सरदार मनजीत सिंह गोल्डी, कोषाध्यक्ष सरदार प्रीतमसिंह दुआ की कमेटी के नेतृत्व में गुरुद्वारे में प्रतिवर्ष की भांति मनाये जाने वाले बाबा दीपसिंह जी की स्मृति दिवस के अवसर पर 25 से 26 जनवरी को तीन दिवान धार्मिक कीर्तन एवं सिख समागम का आयोजन किया जाएगा।

गुरूद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान सरदार गुरूचरण सिंह और सरदार मनजीत सिंह सलूजा व व्यापारिक महासंघ के रमेश लालवानी ने जानकारी देते बताया है कि सिक्ख समाज के महाबली महायोद्धा शहीद बाबा दीपसिंह के 344वें जन्मोत्सव के अवसर पर आयोजित सिख धार्मिक कीर्तन समागम कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

कार्यक्रम का विशेष आकर्षण चैपहरा जप तप समागम रविवार 26 जनवरी को प्रात: 10 से दोपहर 2 बजे तक आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में हुजुरी रागी श्रीदशमेश सत्संग सभा लुधियाना वाले भाई अमृतपाल सिंह, भाई जुगराज सिंह, नानकसर मंदरा मोंगा वाले रागी जत्थे, कीर्तनी जत्थों के द्वारा सत्संग कीर्तन से संगत को निहाल किया जाएगा। 25 जनवरी शनिवार को सायं 7:30 से रात्रि 10:30 बजे तक कीर्तन और प्रवचन होंगे।

तीनों दिवान प्रात: व सांयकाल में गुरु महाराज का अटूट लंगर वरताया जाएगा।

सार-समाचार

राजकीय बालिका विद्यालय में वार्षिकोत्सव मनाया

मदनगंज-किशनगढ़,(निस)। पं दीनदयाल उपाध्याय राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय सांवतसर में वार्षिकोत्सव समारोह पूर्वक मनाया गया। नगर परिषद सभापति दिनेश सिंह राठौड़ व विद्यालय समिति संरक्षक पूर्व पार्षद श्यामसुंदर वैष्णव अतिथि के रूप में मौजूद रहे। सभापति राठौड़ ने कहा कि महामना के नाम पर यह विद्यालय चल रहा है, जिन्होंने हम सभी को देश में एकात्मक मानववाद की प्रेरणा दी थी। पं दीनदयाल उपाध्याय ने सदैव सार्थक सोच रखी की अंतिम छोर पर बैठे हुए व्यक्ति का उद्धार होना चाहिये, तभी देश सही मायने में सोने की चिड़िया बन सकेगा। संरक्षक श्यामसुंदर वैष्णव ने कहा करीब 28 वर्ष पहले नगर पालिका द्वारा भूमि उपलब्ध कराने से विद्यालय खुल सका। भामाशाहो ने भी जनसहभागिता में योगदान दिया। बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिये पुनीत कार्य में सभी की भागीदारी सुनिश्चित हो, ताकि बेटियां भी शिक्षा के क्षेत्र में परचम फहरा सके। अतिथियों द्वारा जिला एवं उपखण्ड स्तर पर सराहनीय योगदान देने पर बच्चों को सम्मानित कर हौसला बढ़ाया। प्रधानाचार्य राजेश कुमार ने अतिथियों का परम्परागत रूप से स्वागत अभिनंदन किया। पार्षद हिम्मत सिंह शेखावत, कानाराम बंजारा, नेमीचंद जोशी, धीरालाल बजाड़, बाबूलाल वैष्णव, देवकिशोर गुर्जर, राजीव चुंडीवाल, दिनेश अठावत,रमेश चुंडीवाल, सुरज गुर्जर, भेरूलाल डसानिया, विशम्भर, श्रीकृष्ण वैष्णव, भंवरलाल नुवाद सहित विद्यालय से आशा शर्मा, मंजू शर्मा, मीनाक्षी नवल, दिव्या गोदारा, दिनेश सैनी, शीतल निर्माण, वंदना कुमावत व नेमीचंद जाट आदि उपस्थित थे।

रंगोली के माध्यम से दिया बालिका दिवस का संदेश

अजमेर, (कासं)। राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर लायंस क्लब अजमेर पृथ्वीराज द्वारा शुक्रवार को वैशालीनगर स्थित अर्बन हाट बाजार में आकर्षक रंगोली बनाई गई। महिला सशक्तिकरण की प्रांतीय सभापति लायन आभा गांधी ने बताया कि बालिकाओं को उनके अधिकारों, सशक्तिकरण के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से रंगोली बना कर आमजन को बालिकाओं की सुरक्षा के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम संयोजक लायन अमिता शर्मा ने बताया कि भजनगंज स्थित ड्रीम इंडिया स्कूल की बालिकाओं द्वारा रंगोली बनाई गई । जिसमें सोनू, मोनू, तपस्या, हार्दिक, वंश शर्मा, कोशिन, खुशी, काशिश, नम्रता जैन, निकिता अग्रवाल छात्र शामिल है। रंगोली में बालिकाओं के अच्छे जीवन के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। अरबन हाट बाजार में चल रहे खादी मेले में आने वालो को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का संदेश दिया। हाट बाजार के सहायक प्रबंधक देवकीनंदन शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर जिला उद्योग केंद्र के सहायक निदेशक राजेश शर्मा, लायन राजेंद्र गांधी, लायन चरणप्रकाश गुप्ता, पवन जांगिड़, राजेंद्र पखारिया, दिलीप बैरवा, श्वेता मेहरा, आभा माथुर सहित अन्य मौजूद थे।

प्रथम वर्ष एलएलबी की मिड टर्म परीक्षा 29 से

अजमेर, (कासं)। लॉ कॉलेज में प्रथम वर्ष एलएलबी की मिड टर्म परीक्षा 29 जनवरी से शुरू होंगी। प्राचार्य डॉ.विभा शर्मा ने बताया कि सत्र 2024-25 से एलएलबी प्रथम वर्ष में सेमेस्टर सिस्टम की शुरुआत की गई है। इसके तहत 20 अंकों की मिड टर्म परीक्षा होगी। इसके तहत 29 से 31 जनवरी तक लिखित परीक्षा और 5 से 7 फरवरी तक प्रस्तुतिकरण परीक्षा कराई जाएगी। कॉलेज ने परीक्षा टाइम टेबल जारी कर दिया है।

सभी कॉलेज में शुरुआत:बार कौंसिल के आदेशानुसार डॉ.अम्बेडकर लॉ यूनिवर्सिटी से सम्बद्ध सभी लॉ कॉलेज में प्रथम वर्ष में सेमेस्टर सिस्टम की शुरुआत की गई है। लॉ ऑफ टोर्ट्स, कंज्यूमर प्रोटेक्शन एंड मोटर व्हीकल एक्ट, कॉन्सिट्यूशनल लॉ प्रथम, लॉ ऑफ कॉन्ट्रेक्ट प्रथम, फैमिली लॉ प्रथम, लेबल एंड इंडस्ट्रियल लॉ प्रथम, जनरल इंग्लिश, लीगल लैंग्वेज, लीगल राइटिंग विषय की परीक्षा होगी।

यात्रियों के सामानों की जांच

■ जीआरपी व आरपीएफ ने चलाया सघन चेकिंग अभियान

अजमेर, (कासं)। गणतंत्र दिवस के मद्देनजर अजमेर रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। जीआरपी और आरपीएफ ने स्टेशन पर विशेष चेकिंग अभियान शुरू किया। इस अभियान के तहत स्टेशन परिसर, प्लेटफॉर्म, वेटिंग रूम, टिकट काउंटर और ट्रेनों में सुरक्षा जांच की जा रही है। रेलवे स्टेशन पर आने-जाने वाले हर व्यक्ति पर कड़ी नजर रखी जा रही है। संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान के लिए यात्री सामान की जांच, बॉडी स्कैनिंग और मेटल डिटेक्टर से सघन चेकिंग और ट्रेनों में सफर करने वाले यात्रियों के सामान और टिकटों की जांच भी की जा रही है। सुरक्षा बलों ने प्लेटफॉर्म पर खड़े वाहनों और अनाधिकृत लोगों की गतिविधियों पर भी पैनी नजर रखी है। जीआरपी और आरपीएफ अधिकारियों ने बताया कि गणतंत्र दिवस के तहत सुरक्षा के मद्देनजर अभियान चलाया जा रहा है। इसके लिए विशेष सुरक्षा टीमों का गठन किया गया है, जो 24 घंटे निगरानी कर रही हैं। बम निरोधक दस्ते और खोजी कुत्तों की मदद से स्टेशन और ट्रेनों की गहन जांच की जा रही है।

बालिका दिसव मनाया

मदनगंज-किशनगढ़,(निस)। सखी सहेली संस्था व एनसीसी के संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्रीय बालिका दिवस पर दो विद्यालयों में किशोरावस्था में लड़कियों में आने वाले बदलाव, चिंता सहित समाधान पर कार्यशाला का आयोजन किया। राजकीय बालिका माध्यमिक विद्यालय किशनगढ़ शहर व राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय गुजरियावास में अध्यक्ष डॉ. मंजू राठी ने कहा लड़की होना अभिशाप नहीं है, बल्कि एक वरदान है। क्योंकि लड़की एक शक्ति है और उस शक्ति का हमें भरपूर उपयोग कर सामान्य लड़की से एक जागरूक लड़की बनना है।

फाउंडेशन समाज जागरण की दिशा में कर रहा है काम: अग्रवाल

अजमेर, (कासं)। अंतरराष्ट्रीय शिक्षा दिवस और बालिका दिवस के अवसर पर अजमेर के महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय स्थित स्वराज सभागार में शुक्रवार को यूनाइटेड ग्लोबल पीस फाउंडेशन की ओर से एक दिवसीय कार्यशाला का अयोजन किया गया। इस आयोजन में शिक्षा के विभिन्न आयामों पर वक्ताओं ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम संयोजक एडवोकेट देवेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि यूनाइटेड ग्लोबल पीस फाउंडेशन जयपुर के तत्वावधान में शुक्रवार को यूनाइटेड नेशन एजुकेशन डे मनाया जा रहा है, दूसरी और राष्ट्रीय बालिका दिवस होने के अवसर पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 10 से दोपहर 3 बजे तक किया गया। कार्यशाला में मुख्य अतिथि राजस्थान सरकार के पूर्व अतिरिक्त शिक्षा सचिव श्याम सुंदर अग्रवाल ने शिक्षा के महत्व और उसकी उपादेयता पर विस्तार से जानकारी दी। अग्रवाल ने कहा कि यूनाइटेड ग्लोबल पीस फाउंडेशन समाज जागरण की दिशा में काम कर रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता यूनाइटेड ग्लोबल पीस फाउण्डेशन के चेयरमैन मेघराज सिंह रॉयल ने की। कार्यशाला में विभिन्न सत्रों में राष्ट्रीय एजुकेशन पॉलिसी सहित अन्य मुद्दों पर वक्ताओं ने विचार रखे और यह निष्कर्ष निकाला कि वर्तमान सरकार ने जो नई शिक्षा नीति लागू की वह व्यावहारिक शिक्षा नीति है । जोधपुर विश्विविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. लोकेश शेखावत, यूनाटेड ग्लोबल पीस फाउण्डेशन के निदेशक शक्ति सिंह, रीजनल इंस्टीट्यूट आफ एजुकेशन अजमेर के निदेशक डॉ.नगेन्द्रसिंह, फाउंडेशन के सलाहकार विकांत सिंह तोमर ने अपने विचार रखे।

सत्र में वक्ताओं ने रखे अपने विचार

जोधपुर । जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. लोकेश शेखावत ने विश्वविद्यालयों में मौजूदा हालातों पर प्रभावी टिप्पणी करते हुए कहा कि निष्ठापूर्वक सेवा और सामाजिक चेतना के लिए शिक्षकों की बड़ी भूमिका है। उन्होंने राजस्थान की तीन महान महिलाएं मीरांबाई, पन्नाधाय और हाड़ी रानी का जिक्र करते हुए ऐतिहासिक विवेचना और शिक्षा के समन्वय को प्रस्तुत किया। यूनाटेड ग्लोबल पीस फाउण्डेशन के निदेशक शक्ति सिंह बांदीकुई ने आयोजन की आवश्यकता क्यों पड़ी इस विषय पर अपने विचार रखे। उन्होंने बताया कि संयुक्त राष्ट्र संघ के उद्देश्यों और समाज में प्रतिभाशाली जरूरतमंदों की मदद के लिए फाउंडेशन निरन्तर काम कर रहा है। रीजनल इंस्टीट्यूट आफ एजुकेशन अजमेर के निदेशक डॉ.नगेन्द्रसिंह ने शिक्षा नीति और उसकी खूबियों पर विस्तार से जानकारी दी। दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय के वनस्पति शास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो.अरविंद पारीक ने शिक्षा नीति और उसकी प्रभावी आवश्यकता पर कई पहलुओं से रूबरू करवाया। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष नारायणलाल गुप्ता ने यूनाइटेड ग्लोबल पीस फाउण्डेशन से प्रेरणा लेते हुए शिक्षा के क्षेत्र में प्रभावी प्रयासों को फलीभूत करने की बात कही।

शेखावत ने बताया कि यूनाइटेड ग्लोबल पीस फाउंडेशन का उद्देश्य सेवा परमो धर्म के आधार पर वसुदेव कुटुंबकम के महत्व को मद्देनजर रखते हुए ऐसे बालक-बालिकाएं जो 90 प्रतिशत से अधिक नंबर लाते हैं, लेकिन माता-पिता पढ़ा नहीं पाते, ऐसे प्रतिभावान खिलाड़ी जो की संसाधनों के अभाव में प्रतिभा गांव तक ही दम तोड़ देती है, ऐसी बालिकाएं जो कि जिनके माता-पिता विवाह करने में आर्थिक परेशानियों के कारण सक्षम नहीं है, जीव दया सहित युवा सशक्तिकरण, महिला सशक्तिकरण के साथ 11 उद्देश्यों को लेकर यूनाइटेड ग्लोबल पीस फाउंडेशन की स्थापना की गई है। आने वाले फरवरी माह में एक ग्लोबल कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा जिसमें लगभग 25 देश के लोग भाग लेंगे।

पिता-पुत्र की जमानत याचिका खारिज

मदनगंज-किशनगढ़,(निस)। अपर सेशन न्यायाधीश संदीप आनंद ने पुरानी अदावत को लेकर प्राणघातक हमला करने के आरोपी पिता पुत्र की जमानत याचिका खारिज करने का आदेश दिया है। देवडूंगरी निवासी आरोपी अशोक शर्मा (दाधीच) व इसके पुत्र अभिषेक दाधीच ने गैस पाईप लाईन को लेकर भाजपा जिला महामंत्री वेदप्रकाश दाधीच के घर पहुंच कर मारपीट शुरू कर दि। धारधार हथियार के साथ लाठी डंडो से लैस उपरोक्त हमलावरो ने वैदप्रकाश दाधीच इनके पुत्र हर्षित दाधीच पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया, जिससे वैदप्रकाश व इनका पुत्र हर्षित लहूलुहान होकर घायल हो गये। मदनगंज थाना पुलिस ने पीड़ित पक्ष की और से प्रस्तुत रपट के आधार पर मुकदमा दर्ज कर दोनों आरोपियों को गिरप्तार कर लिया। आरोपियों ने न्यायालय में प्रार्थना पेश कर जमानत के लिये गुहार लगाई ।

गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारी

अजमेर, (कासं)। गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में पुलिस लाइन मैदान में होने वाले जिला स्तरीय समारोह की रिहर्सल एवं व्यवस्थाओं को लेकर शुक्रवार प्रात: 9:30 बजे अतिरिक्त कलेक्टर प्रथम, अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट (शहर) और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर)ने संयुक्त रूप से तैयारियों का जायजा लिया और अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। पुलिस लाइन में आयोजित रिहर्सल के दौरान मार्च पास्ट की सलामी अतिरिक्त जिला कलेक्टर ज्योति ककवानी ने ली। इस दौरान स्कूली बच्चों ने पीटी और शारीरिक व्यायाम का प्रदर्शन भी किया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों की ओर से प्रमुख जन कल्याणकारी योजनाओं की झांकियां प्रदर्शित की जाएंगी।

शिविर आयोजित

अजमेर, (कासं)। अजमेर जिला केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेन्द्र कुमार मूरजानी के नेतृत्व में शुक्रवार को प्रात: 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक रक्तदान शिविर को आयोजन किया गया।

प्रवासी पक्षियों की गणना अभियान 28 जनवरी से

■ वन विभाग की शोध व टूरिज्म को बढ़ावा देने की योजना

अजमेर, (कासं)। अजमेर जिले के जलाशयों पर आने वाले प्रवासी पक्षियों की गणना के लिए वन विभाग की ओर से आगामी 28 से 2 फरवरी तक अभियान चला कर गणना की जाएगी। इसी के तहत जिले के 12 अधिसूचित जलाशयों प्रवासी पक्षी (जलीय पक्षी) को चिन्हित किया गया है। विभागीय अभियान का उद्देश्य दुर्लभ प्रवासी पक्षियों पर शोध कर उनके अनुकूल माहौल उपलब्ध कराना रहेगा ताकि प्रवासी पक्षी बड़ी संख्या में यहां आएं जिससे अजमेर में पर्यटन को बढ़ावा मिल सके।

उप वन संरक्षक सुगनाराम जाट ने बताया कि जिले में 12 प्रमुख अधिसूचित जलाशयों पर प्रवासी पक्षियों की गणना की जाएगी, जिनमें आनासागर झील, फॉयसागर, किशनगढ़ का गोंदोलाव तालाब आदि प्रमुख है। अभियान के तहत विभाग द्वारा सुबह 7 से 10 बजे तक प्रवासी पक्षियों की गणना की जाएगी।

इसके लिए विभाग ने एक विशेष टीम का गठन किया है। इस टीम में ऐसे वनकर्मियों को शामिल किया गया है, जिन्हें पक्षियों की पहचान और जलाशयों तक पहुंचने का भलीभांति ज्ञान है। टीम को दूरबीन और जीपीएस उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे, ताकि प्रवासी पक्षियों की सही गणना की जा सके।

जलाशय का जीपीएस कोआर्डिनेट रिकॉर्ड होगा: प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं मुख्य वन्य जीव प्रतिपालक पीके उपाध्याय ने सभी जिला स्तरीय वनाधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि गणना के दौरान जीपीएस का उपयोग किया जाए।

इससे जलाशयों की सटीक स्थिति का रिकॉर्ड रखा जा सकेगा। गणना टीम में पक्षी विशेषज्ञों को भी शामिल किया जाएगा, ताकि प्रवासी पक्षियों की प्रजातियों की पहचान की जा सके। यह प्रक्रिया प्रतिदिन तीन घंटे चलेगी और इसमें हर जलाशय का जीपीएस कोआर्डिनेट भी रिकॉर्ड किया जाएगा।

प्रवासी पक्षियों के लिए अनुकूल माहौल बनाना: प्रवासी पक्षियों की गणना के परिणामों के आधार पर विभाग द्वारा दुर्लभ प्रवासी पक्षियों पर शोध करेगा और उनके लिए जलाशयों पर अनुकूल माहौल तैयार करना रहेगा। इससे न केवल पक्षियों की संख्या में वृद्धि होगी, बल्कि जिले में पर्यटकों की आमद भी बढ़ेगी, जिससे टूरिज्म को नया आयाम मिलेगा।

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई- निविदा आमंत्रण सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर कैरिज अजमेर द्वारा खुली ई-निविदा संख्याः कैरिज-03-2025 दिनांक 24.01.2025 आमंत्रित की जाती हैं। कोई भी मैन्युअल टेंडर स्वीकार नहीं किया जायेगा और यदि कोई मैन्युअल टेंडर प्राप्त होता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा। **कार्य का नाम एवं स्थानः** "एफआरपी पैकेज्ड सीवेज वाटर ट्रीटमन्ट संयंत्र का डिजाइन, आपूर्ति, इरेक्शन और कमीशनिंग, उसके बाद एक वर्ष तक उसका संचालन और रखरखाव", **अनुमानित लागतः** रु. 14,15,410.00, **टेण्डर डॉक्यूमेंट कॉस्टः** रु. 00.00, **बयाना राशिः** रु. 28,300.00, **ई-टेंडर फॉर्म जमा करने का समय व तारीखः** दिनांक 17.02.2025 समय 15.00 बजे तक, **वेब साइट का विवरणः** www.ireps.gov.in, **पात्रता मानदंडः** लागु नहीं। **नोटः** टेण्डर डॉक्यूमेंट कॉस्ट एवं बयाना राशि केवल किये IREPS की वेबसाइट पर उपलब्ध पेमेंट गेटवे सुविधा द्वारा ऑनलाइन जमा जाने है। 107-PS/25

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

कार्यालय नगर निगम अजमेर

क्रमांक: न.नि.अ./भवन/24-25/788 **आपत्ति सूचना** दिनांक: 24/1/2025

श्री हेमन्त कुमार पुत्र श्री हेतराम मीणा निवासी डी-612 मालवीय नगर जयपुर हाल जयपुर द्वारा एक भूखण्ड संख्या 1 जो खसरा संख्या 24/ 2986, 39/2416 का एक भाग हैं, जो वाके माधव कॉलोनी मदार स्टेशन के पास किशनीपुरा अजमेर में स्थित है, जिसका कुल क्षेत्रफल 83.61 वर्गमीटर है। भूमि के वर्तमान मास्टर प्लान 2033 के अनुसार व्यावसायिक मानचित्र स्वीकृति हेतु निर्धारित प्रपत्र में इस कार्यालय आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। प्रस्तावित भू-भाग की सीमाएँ निम्नानुसार हैं।

पूर्व : - भूखण्ड संख्या 2 पश्चिम : रास्ता आम 24 फुट चौडा
उत्तर : बतो देवी मीणा पत्नी रणधीर मीणा का मकान दक्षिण : रास्ता आम 100 फुट चौडा

अतः जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि किसी भी. व्यक्ति/ संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर - अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। बाद मियाद किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

उपायुक्त, नगर निगम, अजमेर

कार्यालय अजमेर विकास प्राधिकरण अजमेर

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्व ग्राम चौरसियावास के खसरा संख्या 1273 मिन का नियमन दिनांक 28.07.2023 को श्रीमती सुमन यादव पत्नि स्व. श्री प्रेम प्रकाश यादव के नाम किया गया था। उन्होंने यह भूखण्ड श्री मोहम्मद उस्मान पुत्र श्री कादर (चीता) निवासी पंचशील ए-ब्लॉक के सामने माकड़वाली अजमेर से क्रय किया । मोहम्मद उस्मान पुत्र श्री कादर (चीता) ने यह भूखण्ड श्री उमेश आसुदानी पुत्र त्रिलोक चंद आसूदानी (सिन्धी) निवासी के. के. कॉलोनी, मलूसर रोड, अजमेर बहैसियत मुख्त्यारआम (1) श्रीमती सकीना पत्नि श्री लाला (2) भंवर (3) सतार (4) अमरचंद (5) किशन उर्फ बुगल (6) पप्पू पुत्रगण (समस्त) श्री लाला चीता निवासीगण (समस्त) चौरसियावास अजमेर के मुख्त्यारनामा जो कि नोटरी पब्लिक श्री टी.जे. सिंह के रजिस्टर क्रमांक 5327/07 दिनांक 22.06.2007 को तस्दीकशुदा मुख्त्यारनामा आम है। जिसमें की उक्त मुख्त्यारनामा की प्रति खो गई है। अत: अब राजस्व ग्राम चौरसियावास के खसरा संख्या 1273 मिन उक्त भूखण्ड का पट्टा श्रीमती सुमन यादव पत्नि स्व. श्री प्रेम प्रकाश यादव निवासी अजमेर के पक्ष में की होल्ड पट्टा दिये जाने के सबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन के 7 दिवस के भीतर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज करावें अवधि पश्चात कोई आपत्ति स्वीकार योग्य नहीं होगी व आवेदक के नाम फी होल्ड पट्टे की कार्यवाही की जा सकेगी।

अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर (उपायुक्त उत्तर)

कार्यालय नगरपालिका बिजयनगर जिला अजमेर राज.

गांधी उद्यान -व्यावर रोड, बिजयनगर

टैलीफोन नम्बर 01462-230051 ई-मेल :-npvijaynagar@gmail.com

क्रमांक न.पा.बि/भूमि/2025/5223 **आम सूचना** दिनांक : 24.1.2025

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि निम्न वर्णित आवेदक ने कृषि भूमि पर बसी निम्न कोलोनियों में कृषि भूमि नियमन हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है, जिन पर नियमानुसार कार्यवाही की जाकर पट्टे दिये जायेंगे। अत इन भूखण्डों के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो मय दस्तावेजो / प्रमाण के 7 दिवस की अवधि में कार्यालय में लिखित रूप में प्रस्तुत कर देवें। समयावधि गुजर जाने के बाद कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

क्र.सं	पत्रावली नं.	आवेदक का नाम	योजना/ग्राम का नाम	खसरा सं.	भू.सं.	क्षेत्र
1.	48	छोटूलाल खाती/ हजारी	कृष्णा कॉलोनी, चौसला	पुराना -428 नया -4161	40	111.11 वर्गगज

अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका बिजयनगर

कार्यालय अजमेर विकास प्राधिकरण अजमेर

मूल आवंटी / अन्तरिति की मृत्यु पर उत्तराधिकारियों के पक्ष में संयुक्त नामान्तरण हेतु आम सूचना का प्रारूप

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की कोटड़ा योजना के आवासीय भूखण्ड संख्या 1543 क्षेत्रफल 112.5 वर्ग मीटर के आवंटी/अन्तरिति श्री बोध राज चडडा पुत्र श्री मोहन स्वरूप चडडा निवासी 224/12, राम गली, हाथी भाटा, अजमेर की मृत्यु दिनांक 10 अगस्त 2020 को होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र तथा सजरा रिपार्ट संलग्न कर मृतक के वारिसों क्रमशः उर्मिला चडडा पत्नि स्व. श्री बोध राज चडडा, निवासी राम गली, हाथी भाटा, अजमेर, राजेश चडडा पुत्र स्व. श्री बोध राज चडडा, निवासी राम गली, हाथी भाटा, अजमेर, ऋतु चडडा पुत्री स्व. श्री बोध राज चडडा, 7/148 सुभाष नगर, उदयपुर द्वारा नामान्तरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त नामान्तरण किये जाने के संबंध में किसी को आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज करावें । उक्त नियत अवधि पश्चात् कोई आपत्ति स्वीकार योग्य नहीं होगी व आवेदक के नाम नामान्तरण की कार्यवाही की जा सकेगी।

योजना प्रभारी अजमेर विकास प्राधिकरण अजमेर

हथियारों व कारतूस सहित गिरफ्तार आरोपियों का पैदल जुलूस निकाला

गिरफ्तार आरोपियों को पुलिस ने न्यायालय में पेश कर तीन दिन का रिमांड लिया

सादुलपुर, (निसं)। राजगढ़ कस्बे में बंद मकान में चोरी की घटना को अंजाम देने के मामले में अवैध हथियार और जिंदा कारतूस सहित गिरफ्तार आरोपियों को पुलिस ने शुक्रवार को न्यायालय में पेश कर तीन दिन का पुलिस रिमांड लिया है। शाम छह बजे पुलिस ने तीनों आरोपियों को शहर के मुख्य बाजार, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, घंटाघर, शीतला चौक, पिलानी मोड़ पैदल घुमाकर आमजन को पुलिस में विश्वास अपराधियों में भय का संदेश दिया।

इस संबंध में थाना अधिकारी राजेश सिहाग ने बताया कि गिरफ्तार एक आरोपी हनुमान बावरी हनुमानगढ़ पुलिस थाने का हिस्ट्रीशीटर है तथा आरोपी के खिलाफ विभिन्न थाना क्षेत्र में चोरी के अलावा आर्म्स एक्ट, हत्या, लूट व डकैती के दो दर्जन से अधिक मामले दर्ज हैं तथा गिरफ्तार अन्य दोनों आरोपियों के खिलाफ भी आपराधिक मामले दर्ज हैं। थाना अधिकारी ने बताया कि तीनों अपराधियों को बाजारों में पैदल घुमाकर आमजन से रूबरू करवाया गया तथा इस बात का संदेश दिया गया कि अपराधियों का अंतिम हाल यही होता है। उन्होंने कहा कि कानून से बड़ा कोई नहीं है। उन्होंने कहा कि आमजन जागरूक होकर क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए तथा अपराधिक गतिविधियों की रोकथाम के लिए पुलिस का सहयोग करें।

सिहाग ने कहा कि जनता सहयोग करेगी तो पुलिस को भी सफलता मिलेगी। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपी हनुमान बांवरी पुत्र मनफूल बांवरी निवासी आईआईटी कॉलोनी हनुमानगढ़ जंक्शन को एक देशी कट्टा मय दो जिंदा कारतूस सहित तथा आरोपी सज्जन कुमार पुत्र हंसराज कुम्हार निवासी अमरपुरा तहसील अबोहर पुलिस थाना भाववाला जिला फाजिल्का पंजाब को एक पिस्टल मय एक जिंदा कारतूस सहित तथा तीसरे आरोपी मुकेश कुमार उर्फ भीम पुत्र साधुराम नाई निवासी वार्ड नं.०2 नन्दा कॉलोनी नोहर पुलिस थाना नोहर हाल उधम सिंह चौक संगरिया जिला हनुमागनढ़ को गिरफ्तार किया गया था। आरोपियों को न्यायालय में पेश कर तीन दिन का पुलिस रिमांड लिया है तथा 27 जनवरी को पुन: न्यायालय में पेश करेंगे।

राजगढ़ थाना पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों को राजगढ़ कस्बे में पैदल घूमाकर जुलूस निकाला।

- **आरोपियों के खिलाफ हत्या, लूट, डकैती, चोरी व आर्म्स एक्ट के दो दर्जन से अधिक मामले दर्ज हैं**

थानाधिकारी सिहाग ने बताया कि गिरफ्तार मुल्जिम हनुमान बांवरी पुलिस थाना हनुमानगढ़ जक्शन का हिस्ट्रीशीटर है, जिसके खिलाफ चोरी, नकबजनी, हत्या, लूट, डकैती, आर्म्स एक्ट व अन्य धाराओं सहित सूरतगढ़, सादुल शहर, तारानगर, सरदारशहर, पीलीबंगा, जालौर, भीनमाल जालौर, बीकानेर व नागौर थाना क्षेत्र में कुल 26 आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं तथा कई पुलिस थानों में वांछित अपराधी है। इसके अलावा आरोपी सज्जन कुमार भी नकबजन व शातिर अपराधी है जिसके खिलाफ चोरी, नकबजनी व एनडीपीएस एक्ट तथा अन्य धाराओं सहित करीब 15-16 मुकदमे अलग-अलग पुलिस थानों में दर्ज है। आरोपी मुकेश कुमार भी इनका चोरी व नकबजनी की कई वारदातों में इनका सहयोगी आरोपी रहा है।

बस-कार की भिड़ंत में मां-बेटी समेत तीन की मौत

गाड़ी में बुरी तरह फंसे घायल पानी मांगते रहे, लोग पहुंचे तब तक मौत हो चुकी थी

बीकानेर, (निसं)। बीकानेर-जयपुर नेशनल हाईवे पर प्राइवेट बस और कार में भिड़ंत हो गई। हादसे में कार सवार मां-बेटी समेत तीन लोगों की मौत हो गई। कार सवारों को बाहर निकालने के गाड़ी को काटा गया। हादसा श्रीडूंगरगढ़ के पास स्थित कीतासर गांव में शुक्रवार सुबह हुआ।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हादसे के बाद कार सवार पानी मांग रहे थे। लोग पानी की बोतल लेकर गए, लेकिन उन्होंने दम तोड़ दिया। जानकारी के अनुसार कि बस जयपुर जा रही थी। कार बीकानेर की ओर आ रही थी। दोनों गाड़ियों की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसा इतना जबरदस्त था कि कार सवार लोग गाड़ी में फंस गए। कार को काटकर उन्हें बाहर निकाला।

- **कार सवारों को बाहर निकालने के गाड़ी को काटा गया, जयपुर की ओर जा रही थी बस**

हालांकि जब तक आगे की सीट पर बैठी महिला राजीयासर निवासी बाला कंवर पत्नी गिरधारी सिंह और ड्राइवर पडिहारा निवासी आरिफ की मौत हो चुकी थी। वहीं युवती बुली कंवर पुत्री गिरधारी सिंह गंभीर घायल हो गई। उसे श्रीडूंगरगढ़ के सरकारी हॉस्पिटल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। बस बीकानेर से जयपुर की ओर आ रही थी। कार सवार बीकानेर जा रहे थे।

नकबजनी गिरोह का वांछित एक आरोपी गिरफ्तार

सांभरझील, (निसं)। नकबजनी गिरोह के वांछित एक आरोपी को गिरफ्तार कर सांभर पुलिस ने उसकी निशानदेही पर माल बरामद भी कर लिया है।

आनन्द शर्मा उप महानिरीक्षक सह पुलिस अधीक्षक जिला जयपुर ग्रामीण ने बताया कि 22 जनवरी को कोच्या की ढाणी में बन्द मकान के ताले तोड़कर सोने-चांदी के जेवरात व नगदी चोरी करने के संबंध में सांभर थाना में प्रकरण दर्ज हुआ था। प्रकरण में अज्ञात आरोपियों की तलाश कर गिरफ्तार करने हेतु अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय), जिला जयपुर ग्रामीण रजनीश पूनियां, पुलिस उप अधीक्षक अनुपम मिश्रा के सुपरविजन में तथा थानाधिकारी सांभरलेक राजेन्द्र कुमार यादव के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा आसूचना संकलन व तकनीकी सहायता द्वारा प्रकरण में वांछित आरोपी इमरान को गिरफ्तार कर सोने चांदी के जेवरात व नगदी रूपये बरामद किये।

- **आरोपी से सोने व चांदी के जेवरात व नकदी बरामद**

प्रकरण में अनुसंधान जारी है तथा अन्य फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है। गिरफ्तार आरोपी इमरान पुत्र इमामुदीन पठान निवासी आकलिया चौराहा, बरकतउल्ला कॉलोनी थाना प्रतापनगर जिला जोधपुर का रहने वाला है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से सोने-चांदी के जेवरात व 27100 रूपये नकद बरामद किए हैं। गिरफ्तार करने में प्रमुख रूप से भूमि का पुलिस निरीक्षक रमेश कुमार की भी रही।

कबाड़ बीनने वाली महिला से दुष्कर्म

नोखा, (निसं)। नोखा में एक कबाड़ बीनने वाली मजदूर महिला के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पीड़िता ने गुरुवार रात को नोखा थाने में मामला दर्ज कराया है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि वह प्लास्टिक की बोतलें और कागज बीनकर अपना और अपने परिवार का पेट पालती है। आरोपी पिछले एक महीने से उसका पीछा कर रहा था। 14 जनवरी को जब वह श्मशान घाट के पास कबाड़ बीन रही थी, तब आरोपी ने चाकू दिखाकर सुनसान इलाके में ले जाकर दुष्कर्म किया। पीड़िता ने जान से मारने की धमकी के कारण किसी को इस घटना के बारे में नहीं बताया। हालांकि, मामला तब और गंभीर हो गया जब 23 जनवरी को आरोपी ने पीड़िता को फिर से धमकी दी और उसके साथ मारपीट की। इस घटना के बाद पीड़िता ने हिम्मत जुटाकर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

विधवा ने जेठ पर दुष्कर्म का आरोप लगाया

नोखा, (निसं)। एक विधवा महिला ने अपने जेठ पर दुष्कर्म का गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पीड़िता के मुताबिक, उसके पति का देहांत फरवरी 2024 में हुआ था। इसके बाद जेठ पेंशन और बेटे की नौकरी संबंधी कागजी कार्रवाई के बहाने उसके घर आने लगा। 12 मार्च 2024 को आरोपी जेठ ने कुछ दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कराने के बहाने पीड़िता को अपने घर बुलाया। वहां उसने महिला को नशीली चाय पिलाई, जिससे वह बेहोश हो गई। इस दौरान आरोपी ने न केवल उसके साथ दुष्कर्म किया, बल्कि अश्लील वीडियो भी बना लिया। इसके बाद वह वीडियो वायरल करने की धमकी देकर लगातार पीड़िता का यौन शोषण करता रहा। परेशान होकर पीड़िता बीकानेर चली गई, लेकिन 18 जनवरी को आरोपी वहां भी पहुंच गया और वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उसे वापस नोखा बुला लिया। 20 जनवरी को नोखा लौटने पर आरोपी ने फिर से दुष्कर्म किया।

47 साल से बंद भगवान देवनारायण के मंदिर को लेकर माहौल गरमाया

मांडल कस्बे में धार्मिक स्थल पर दावे को लेकर दो पक्षों में पुराना विवाद है, इस पर 47 साल से पुलिस का पहरा है

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के मांडल कस्बे में 47 साल से बंद भगवान देवनारायण के मंदिर को लेकर एक बार फिर माहौल गरमाया हुआ है। धार्मिक स्थल पर दावे को लेकर दो पक्षों में पुराना विवाद है।

इस पर पुलिस का पहरा है। कुछ संगठनों ने सोशल मीडिया पर 4 फरवरी को मांडल चलो मुहिम छेड़ रखी है। इसे लेकर मांडल विधायक उदयलाल भड़ाना ने कहा कि बंद धार्मिक स्थल खुलवाने के लिए मैं प्रयासरत हूं। मेरी मुख्यमंत्री एवं गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म से भी बात हुई है। कानूनी दायरे में रहकर यह काम होगा। उन्होंने दावा किया कि मैं पांच साल में मंदिर के ताले नहीं खुलवा पाया तो अगला विधानसभा चुनाव नहीं लडूंगा। सोशल मीडिया के चक्कर में आकर युवा मांडल न आएं।

- **बंद धार्मिक स्थल खुलवाने के लिए मैं प्रयासरत हूं, मेरी मुख्यमंत्री एवं गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म से भी बात हुई है : मांडल विधायक भड़ाना**

विधायक भडाना ने बताया कि करीब 47 साल पहले एक समाज के लोगों ने चबूतरे पर अपने धार्मिक कार्य की अनुमति मांगी थी। उन्हें समाज ने अनुमति दी तो उन्होंने परिसर पर कब्जा कर लिया और अपना धर्मस्थल होने का दावा किया। 1977 में मामला न्यायालय पहुंचा। तब न्यायालय ने दरवाजे पर ताला जड़ने के बाद चाबी मांडल थाने में जमा करा दी। धर्मस्थल पर 47 साल से पुलिस का पहरा है। पिछले साल भगवान देवनारायण की 1111वीं जयंती पर धर्मस्थल से 500 मीटर दूर धार्मिक आयोजन हुआ था। उधर, प्रतीक सेना के अध्यक्ष गोपाल सिंह बस्सी ने कहा कि 4 फरवरी को माही सप्तमी का दिन है। देवनारायण भगवान का बड़ा दिन है। इस दिन हम धर्मस्थल में पूजा करना चाहते हैं। सीएम भजनलाल और पूर्व सीएम वसुंधरा राजे से मुलाकात करेंगे।

तीन साल पहले 11 मार्च 2022 को गोपाल नाम के एक युवक ने धर्मस्थल का ताला तोड़ दिया था। युवक ने वीडियो भी बनाया था। इस पर दूसरे पक्ष की ओर से आपत्ति दर्ज कराई गई थी। पुलिस ने गोपाल को गिरफ्तार कर लिया था। अब एक बार फिर मांडल देवनारायण मंदिर को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चा तेज हुई तो विधायक ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कानूनी दायरे में रहकर मामले के समाधान की बात कही है। वहीं दूसरी और कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए मांडल और विवादित स्थल पर पुलिस बल तैनात किया गया है।

चार मादक पदार्थ तस्कर गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल जिला स्पेशल टीम (सीएसटी) ने ऑपरेशन क्लीन स्वीप अभियान के तहत अशोक नगर, प्रताप नगर, सांगानेर सदर और शिप्रापथ थाना इलाके में कार्रवाई करते हुए चार प्रकरण दर्ज कर चार तस्करों को गिरफ्तार किया है और साथ ही पुलिस ने आरोपियों के पास से अवैध मादक पदार्थ स्मैक 5.67 ग्राम, गांजा 150 ग्राम एवं बिक्री की राशि 15 हजार 660 रुपये बरामद किया गया। जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि कन्ती सांसी निवासी टोक हाल अशोक नगर,बडोदा सांसी निवासी प्रताप नगर,जीतराम सांसी निवासी टोक हाल चाकसू और विजेन्द्र मालावत निवासी शिप्रापथ जयपुर को गिरफ्तार किया है।

दुष्कर्म के आरोपी को बीस साल का कारावास

जालोर, (कासं)। पॉक्सो न्यायालय जालोर के न्यायाधीश भूपेन्द्र कुमार सनाढ्य ने शुक्रवार को नाबालिग से दुष्कर्म करने के आरोपी देवाराम को बीस साल के कारावास की सजा सुनाई है।

प्रकरण के अनुसार पीड़िता के पिता ने पुलिस थाना में रिपोर्ट पेश कर बताया कि उसकी नाबालिग पुत्री 5 अक्टूबर 2024 को घर से किसी को बिना बताये, कहीं चली गई। देवाराम पुत्र मोतीराम हीरागर द्वारा उसे बहलाकर भगाकर ले जाने का शक है। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर देवाराम को गिरफ्तार कर नाबालिग लड़की को दस्तयाब किया। पीड़िता लड़की ने बताया कि देवाराम उसे व उसके घर वालों को जान से मारने की धमकियां देकर बहलाकर अपनी टैक्सी में बैठकर झाड़ियों में सुनसान जगह पर ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया।

पुलिस ने बाद अनुसंधान आरोप पत्र न्यायालय में पेश किया। अभियोजन पक्ष की ओर से पन्द्रह गवाह के बयान लेखबद्ध किये गये। पॉक्सो न्यायालय के न्यायाधीश भूपेन्द्र कुमार सनाढ्य ने आरोपी देवाराम को नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने का दोषी मानते हुए बीस साल के कारावास की सजा सुनाई। वहीं पचास हजार रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया।

चौपासनी हाऊसिंग बोर्ड जोधपुर के 23 प्लॉटों की नीलामी प्रक्रिया पर रोक

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने आवासन मंडल की ओर से जोधपुर के चौपासनी हाऊसिंग बोर्ड के 23 प्लॉट की नीलामी प्रक्रिया पर रोक लगा दी है। आवासन मंडल की ओर से इन प्लॉट की नीलामी प्रक्रिया शुरू की गई थी। इसको लेकर पूर्व में नीलामी में शामिल रहे बोलीदाताओं ने विरोध जताया था। इसके बाद जस्टिस रेखा बोराणा की अदालत ने इस पर स्टे आदेश जारी किया।

जानकारी के अनुसार आवासन मंडल की ओर से अपनी जमीन पर काटे गए 23 प्लॉट को लेकर पूर्व में नीलामी प्रक्रिया की गई थी। इस नीलामी प्रक्रिया में सॉफ्टवेयर में तकनीकी खराबी होने के चलते जिन बोलीदाताओं ने बोली लगाई थी उनकी ओर से जमा करवाई गई बयाना राशि को जब्त कर लिया गया था। इसके बाद विभाग की ओर से पुन: नीलामी प्रक्रिया शुरू की गई थी, इसको लेकर बोलीदाता शोभा देवी पंवार और अन्य की ओर से कोर्ट में याचिका दाखिल की गई थी। इसको लेकर अधिवक्ता विपुल सिंघवी ने कोर्ट में बहस की और बताया कि सॉफ्टवेयर में हुई गड़बड़ी के चलते नीलामी प्रभावित हुई। इसके परिणामस्वरुप बोलीदाता की ओर से जो बयाना राशि जमा करवाई गई थी वह जब्त कर ली गई। उन्होंने कोर्ट को बताया कि मुख्य बोलीदाताओं की वजह से ऐसा नहीं हुआ, जबकि तकनीकी समस्या के चलते यह समस्या उत्पन्न हुई थी। इसके बावजूद हाउसिंग बोर्ड की ओर से इसको लेकर नीलामी में शामिल हुए बोलीदाताओं की राशि को जब्त कर लिया था। राशि जब्त करने में सक्षम अधिकारी चेयरमैन था, लेकिन आवासन मंडल ने इसकी पालना नहीं की। दलील सुनने के बाद जस्टिस रेखा बोराणा ने राजस्थान आवासन मंडल को नोटिस जारी करते हुए नीलामी प्रक्रिया पर तत्काल रोक के आदेश जारी किया।

- **हाईकोर्ट ने राजस्थान आवासन मंडल को नोटिस जारी करते हुए आदेश जारी किया, सॉफ्टवेयर में गड़बड़ी की वजह से बोलीदाता वंचित हो गये थे**

बता दें कि आवासन मंडल की ओर से पिछले साल सितंबर माह में जोधपुर के चौपासनी हाऊसिंग बोर्ड क्षेत्र के 23 प्लॉट की नीलामी की गई थी। इसमें ऑनलाइन नीलामी प्रक्रिया रखी गई थी, लेकिन सॉफ्टवेयर में तकनीकी खराबी के चलते नीलामी में शामिल हुए बोलीदाता प्लॉट खरीद नहीं कर पाए। इसके बाद आवासन मंडल ने उनकी ओर से जमा करवाई गई राशि की जब्त कर किया था। जिसे हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी।

मां की प्रतिमा की बदहाल स्थिति को देख नाराज हुई वसुंधरा राजे

जोधपुर, (कासं)। अपने दो दिवसीय जोधपुर प्रवास के दूसरे दिन शुक्रवार को सुबह पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे नगर निगम के अधिकारियों व पार्षद पर नाराज हो गई। वसुंधरा राजे सांचौर जाने के लिए जोधपुर से रवाना होने से पहले रेजिडेंसी रोड गौरव पथ स्थित भाजपा की वरिष्ठ नेता रही उनकी मां विजयाराजे सिंधिया की प्रतिमा पर पुष्प चढ़ाने पहुंची लेकिन वहां प्रतिमा व आसपास के परिसर का सही रखरखाव नहीं किए जाने पर नाराजगी जताई।

उन्होंने अधिकारियों को यहां की सफाई की नसीहत तक दे डाली। वसुंधरा राजे की नाराजगी से नगर निगम में हड़कंप मच गया। इसके बाद आनन-फानन में मूर्ति स्थल की साफ-सफाई करवाई गई गई। नगर निगम के स्थानीय पार्षद भी इस दौरान वहां मौजूद रहे।

- **वसुंधरा राजे अपनी मां विजयाराजे सिंधिया की प्रतिमा पर पुष्प चढ़ाने पहुंची थी**

वसुंधरा राजे ने जोधपुर से रवाना होने से पहले आज अपनी माता विजया राजे सिंधिया की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। यहां उन्होंने मीडिया से कहा कि जिस प्रकार से अन्य प्रतिमाओं की देखभाल होती है, वैसे ही इसका भी रखरखाव करने की बात कही थी, जिसकी पालना अब की जा रही है। पूर्व सीएम ने कहा कि विजयाराजे सिंधिया ने देश और हम सब के लिए बहुत कुछ किया है। उनकी प्रतिमा यहां लगी हुई है। उसको ठीक-ठाक करने की जरूरत है। कल जब मैं यहां से गुजर रही थी, तब मूर्ति की हालत देखी थी। पेड़ों के बड़े हो जाने के कारण ठीक से मूर्ति नहीं दिखाई दे रही थी।

राजे ने साफ-सफाई रखने के लिए क्षेत्रीय पार्षद और कार्यकर्ताओं को सलाह दी। उन्होंने कहा कि मूर्ति स्थापित करने के बाद उसकी देखरेख भी होती रहनी चाहिए। इस नसीहत का असर यह हुआ कि दस मिनट के भीतर ही प्रशासन का एक्शन भी नजर आया। वसुंधरा की नाराजगी से नगर निगम में हड़कंप मच गया। उनका सख्त लहजा सामने आने के बाद निगम की टीम मौके पर पहुंची। मूर्ति स्थल पर सफाई के साथ-साथ पेड़ों की कटाई और छंगाई का काम पूरा किया गया। इस दौरान मौके पर सफाई कराने में जुटे भाजपा नेता घनश्याम वैष्णव ने कहा कि भविष्य में इस तरह की पुनरावृत्ति ना हो, इसके लिए नगर निगम के महापौर और अधिकारियों से भी आग्रह किया जाएगा।

दस लाख की रंगदारी व गाड़ी लूट मामले में तीन गिरफ्तार

इस पूरी वारदात में पीड़ित का दोस्त भी आरोपियों के साथ मिला हुआ था

भरतपुर, (निसं)। मेडिकल कॉलेज के स्टूडेंट से रंगदारी की मांग करने वाले एवं स्कॉर्पियो लूट कर ले जाने के मामले में तीन आरोपियों को उद्योग नगर थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इसमें खास बात यह रही कि पीड़ित मेडिकल कॉलेज स्टूडेंट का दोस्त भी अपहरणकर्ताओं के साथ मिला हुआ था। पुलिस से बचकर भागते समय तीनों आरोपियों के पैर में चोट आई हैं।

एसपी मृदुल कच्छावा ने बताया कि 22 जनवरी को पुष्पवाटिका निवासी धीरज से 10 लाख की फिरौती मांगी गई थी। उसके बाद आरोपी धीरज की स्कॉर्पियो गाड़ी को लूटकर फरार हो गए। घटना का मामला दर्ज होने के बाद पुलिस टीम का गठन किया गया। जिसके बाद मुखबिर की सूचना पर कृपाल निवासी तमरौली और गोपाल निवासी जघीना को गिरफ्तार किया गया। कार्रवाई के दौरान पुलिस से बचकर भागने के कारण दोनों आरोपियों के पैर में चोट आई है। इस घटना के दौरान धीरज शर्मा का दोस्त मोहित चाहर धीरज के साथ था। आरोपियों से पूछताछ में मोहित का भी शामिल होना पाया गया। अनुसंधान के बाद पुलिस ने उसे भी गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों से लूटी गई गाड़ी को जब्त कर लिया गया है। बाकी दो बचे आरोपी हिम्मत और लोकेंद्र के खिलाफ फरार हैं, उनकी तलाश जारी है।

इस मामले में शामिल कृपाल निवासी तमरौली कृपाल जघीना हत्याकांड में भी शामिल था। वह हाल ही में जमानत पर बाहर आया है। धीरज निवासी न्यू पुष्प वाटिका ने मामला दर्ज करवाते हुए बताया कि मैं दिगंबर मेडिकल कॉलेज के सेकंड ईयर का छात्र हूं। 22 जनवरी की दोपहर करीब 1 बजे अपने दोस्त मोहित चाहर के साथ कार से भरतपुर आ रहा था। तभी सारस चौराहे के पास पेंटालून शोरूम से एक कार ने हमारा पीछा करना शुरू कर दिया। मल्टीपर्पज चौराहे के पास पीछा कर रहे युवकों ने हमारी कार के आगे अपनी कार लगा दी। कार में से दो युवक गोपाल जघीना, कृपाल तमरौली उतरे। वह आकर धीरज की कार में बैठ गए। जिसके बाद रेडक्रॉस सर्किल से पास दोनों युवकों ने मेरी कार को रुकवाया और कार में लोकेन्द्र और हिम्मत उवार भी बैठ गए। जिसके बाद चारों लोगों ने धीरज के साथ मारपीट करना शुरू कर दिया। चारों युवक धीरज को हनुमान तिराहे के पास पेट्रोल पंप के पास ले गए। चारों युवकों ने मेरी कार को रोका और धीरज को कार से उतारकर झाड़ियों में ले गए। चारों युवकों ने धीरज के साथ फिर से मारपीट की, चारों बदमाश धीरज से 10 लाख रुपये देने की मांग करने लगे। आरोपी कहने लगे कि है कृपाल जघीना का भी मर्डर कर चुके हैं। तभी गोपाल जघीना नाम के बदमाश ने धीरज की कनपटी के पास के पिस्टल से फायर किया। धीरज वहां से भागकर जैसे तैसे उद्योग नगर थाने पहुंचा और, बदमाशों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई। फिलहाल पुलिस इस मामले में फरार दो आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

उद्योग नगर थाना पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार किया।

- **इस मामले में शामिल कृपाल निवासी तमरौली कृपाल जघीना हत्याकांड में भी शामिल था**
- **मेडिकल कॉलेज के स्टूडेंट से रंगदारी की मांग करके स्कॉर्पियो गाड़ी लूटी थी**
- **दो आरोपी फरार होने में सफल हो गए, जिनकी पुलिस तलाश कर रही है**

महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर

निविदा सूचना

विश्वविद्यालय में विभिन्न प्रपत्रों एवं लिफाफों के मुद्रण एवं आपूर्ति की वार्षिक दर संविदा जिसका यूबीएन GSU2425SSOB00049 है, जारी की गई है। निविदाओं से संबंधित विस्तृत जानकारी http://sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

राज.संवाद/सी/24/10762 वित्त नियंत्रक

कार्यालय जिला परियोजना समन्वयक समग्र शिक्षा जालोर

क्रमांक :- जिपस / जा/लेखा/2024-25/171 दिनांक : 15.01.2024

NOTICE INVITING E-BID (NIB: 02/2024-25)

राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद, जयपुर के निर्देशानुसार जालोर जिले में संचालित कस्तुरबा गाँधी राजकीय विद्यालयों/ स्वामी विवेकानन्द राजकीय मॉडल विद्यालयों/ कार्यालयों में मानव ससाधन लगाए जाने हेतु श्रम विभाग में पंजीकृत निविदादाताओं / फर्मों से मोहरबंद लिफाफे में ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा दिनांक 16.01.2024 से दिनांक 04.02.2025 को शाम 06:00 बजे तक ऑनलाईन आंमत्रित कि जाती जिसकी अनुमानित लागत 200.00 लाख रूपयें है। निविदा से सम्बधित अधिक जानकारी के लिए साईट http//eproc.rajasthan.gov.in एवं साईट http//sppp.rajasthan.gov.in पर नियम एवं शर्ते देखी जा सकती है।

UBN No. RSE2425SLRC02118

DIPR/C/838/2025 जिला परियोजना समन्वयक समग्र शिक्षा, जालोर

राजस्थान-सरकार

कार्यालय प्रधानाचार्य राजकीय आयुर्विज्ञान महाविद्यालय एवं नियंत्रक सलंग्न चिकित्सालय समूह कोटा

website: https://medicaleducation.rajasthan.gov.in/mckota,
e-mail: principalmck@gmail.com, Tel.: 0744-2470674

क्रमांकः प. ()/कय-2/2024-25/171 दिनांक-08.01.2025

ऑन लाइन बोली सूचना संख्या 13/2024-25 (E-Tender)

चिकित्सा महाविद्यालय कोटा एवं संबद्ध चिकित्सालय / एम.बी.एस. चिकित्सालय के लिए फर्नीचर आपूर्ति एवं प्रतिष्ठापन के लिए अनुमानित राशि रू 85.00 लाख राज्य की सूक्ष्म एवं लघु औद्योगिक इकायों (MSME) से ई-प्रोकरमेन्ट प्रकिया के तहत दिनांक 09-01-2025 प्रातः 10.00 बजे से दिनांक 21-01-2025 सांय 05.00 बजे तक ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। बोली से सम्बन्धित समस्त विवरण वेबसाइट www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

UBN : CMK2425GLOB00170

DIPR/C/539/2025 (डॉ. संगीता सक्सेना) प्रधानाचार्य एवं नियंत्रक

पूर्व विधायक बलजीत यादव पर ई.डी. की कार्रवाई

जयपुर सहित 10 ठिकानों पर एक साथ हुई छापेमारी

जयपुर। अलवर के बहरोड़ क्षेत्र से पूर्व विधायक बलजीत यादव के ठिकानों पर शुक्रवार सुबह प्रवर्तन निदेशालय (ई.डी.) ने छापेमारी की है। यादव के जयपुर सहित करीब 10 ठिकानों पर कार्रवाई की गई। बलजीत यादव की फर्म पर सरकारी स्कूलों में घटिया सामान की आपूर्ति का आरोप है।

ईडी सूत्रों के मुताबिक यादव के जयपुर में 8 ठिकानों के साथ दौसा व अलवर स्थित एक-एक ठिकाने पर तलाशी ली गई। रेड की कार्रवाई पीएमएलए कानून के तहत की गई है। ईडी की एक टीम 2 टैक्सी गाड़ियों में सिंकदरा थाना क्षेत्र के छोकरवाड़ा गांव में सीताराम के मकान पर भी पहुंची। दोनों गाड़ियों में 6 अधिकारी और 5 पुलिसकर्मी शामिल थे। टीम ने पहुंची जांच शुरू कर दी। बताया जा रहा है कि सीताराम पूर्व विधायक बलजीत यादव के करीबी रहे हैं।

- **बलजीत यादव की फर्म पर सरकारी स्कूलों में घटिया सामान की आपूर्ति का आरोप**

विधायक व उनसे जुड़े कुछ लोगों पर आरोप है कि इनकी कुछ कंपनियों ने सरकारी स्कूल के अंदर विधायक कोष से सामान की आपूर्ति में 3.72 करोड़ रुपए का घोटाला किया। विधायक कोष को दुरुपयोग कर नियमानुसार जो अनुमति लेनी थी, वह परमिशन नहीं ली गई। इसके साथ ही टैंडर देने वाली फर्मों ने फेक डॉक्यूमेंट का यूज किया। साल-2022-23 में बहरोड़ क्षेत्र में बलजीत यादव व उसके सहयोगियों की कंपनियों ने विधायक कोष में क्रिकेट-बैडमिंटन किट की खरीद की थी। आरोप है कि विधायक फंड में हेरफेर कर 2.50 गुना अधिक में खरीद कर सरकार को नुकसान पहुंचाया गया। इसमें कुल 32 स्कूलों को सामान दिया गया था। प्रत्येक स्कूल के लिए 9 लाख का खेल सामान खरीद किया था। दावा किया गया कि क्रिकेट के बैट खरीदे गए उसकी कीमत भी 15,600 तक बताई गई थी। ज्यादातर स्कूलों को 50-50 बैट दिए गए। इस घोटाले में पहले एसीबी की ओर से मामला दर्ज किया गया था। इसमें बलजीत यादव और 8 अधिकारी- कर्मचारियों की मिलीभगत का आरोप था।

दो सूने मकानों से जेवर-नगदी पार

जयपुर। बस्सी थाना इलाके में चोर दो सूने मकान को निशाना बनाकर लाखों रुपए के जेवरात व नगदी ले गए। पुलिस के अनुसार कीरो की ढाणी निवासी ओमप्रकाश और कालूराम के मकान को निशाना बनाकर चोर नगदी व जेवरात ले गए। घटना के समय पीडित परिवार के साथ रिश्तेदार के यहा प्रोग्राम में शामिल होने गए थे। ओमप्रकाश के मकान से चोर 4 जोडी चांदी की पायजेब, चार कनकती, दो सोने के मंगलसूत्र, नथ व टीका की जोड़ी, दो सोने की अंगूठी, दो चांदी की अंगूठी, हथफूल, सोने के टॉप्स और 70000 रुपए की नगदी ले गए। वहीं कालूराम के मकान से दो आटा के कट्टे, दो तली, 15000, चांदी की कनकती और चांदी की पायजेब ले गए। घटना 23 जनवरी की है। पीडित को घटना का पता वापस लौटने पर लगा। वापस लौटा तो मकान में अंदर सामान बिखरा मिला। इस पर पुलिस को सूचना दी।

निवर्तमान सरपंचों को प्रशासक लगाने पर अदालत ने जवाब मांगा

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने ग्राम पंचायत चुनाव-2025 को स्थगित कर निवर्तमान सरपंचों और वार्ड पंचों को प्रशासक व प्रशासनिक कमेटी का सदस्य नियुक्त करने पर पंचायती राज आयुक्त और राज्य चुनाव आयुक्त सहित अन्य से जवाब तलब किया है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस विनोद कुमार भारवानी की खंडपीठ ने यह आदेश गिरिराज सिंह व अन्य की ओर से दायर जनहित याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता प्रेमचंद देवंदा ने अदालत को बताया कि प्रदेश की 6759 ग्राम पंचायतों के सरपंचों और वार्ड पंचों का पांच साल का कार्यकाल पूरा हो चुका है। ऐसे में पंचायती राज प्रावधानों के अनुसार इनके चुनाव साल 2025 में कराए जाने थे। वहीं पंचायती राज विभाग ने गत 16 जनवरी को एक अधिसूचना जारी कर ग्राम पंचायतों के चुनाव स्थगित कर दिए और निवर्तमान सरपंचों को प्रशासक नियुक्त कर उन्हें वित्तीय अधिकार भी दे दिए। वहीं वार्ड पंचों को प्रशासनिक कमेटी का सदस्य लगा दिया। याचिका में कहा गया कि यह अधिसूचना पंचायती राज कानून के खिलाफ है और लोकतंत्र की सबसे छोटी इकाई को अस्थिर करने वाली है। याचिका में कहा गया कि कार्यकाल पूरा होने के बाद चुनाव को स्थगित नहीं किया जा सकता।

- **राजस्थान हाईकोर्ट ने पंचायती राज आयुक्त व राज्य चुनाव आयुक्त से जवाब तलब किया**

इसके अलावा प्रशासक और कमेटी सदस्य बनाए गए सरपंचों व वार्ड पंचों का कार्यकाल पूरा होने के चलते वे अब जनप्रतिनिधि नहीं रहे और प्राइवेट व्यक्ति की हैसियत में आ गए है। वहीं नियमानुसार पंचायतों में किसी प्राइवेट व्यक्ति को प्रशासक नहीं लगाया जा सकता। जिस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब मांगते हुए मामले की सुनवाई चार फरवरी को तय की है। वहीं दूसरी ओर अलवर स्थित कठूमर के पूर्व सरपंच ओमप्रकाश की ओर से अधिवक्ता रमाकांत गौतम ने भी इस बिंदु पर जनहित याचिका पेश की है। जिस पर आगामी सप्ताह में सुनवाई होगी।

राजन विशाल ने किया कृषि प्रयोगशालाओं का निरीक्षण

जयपुर। शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी राजन विशाल ने शुक्रवार को दुर्गापुरा स्थित कृषि विभाग की कीट नियंत्रण, मृदा परीक्षण, बीज परीक्षण, कीटनाशी अवशेष परीक्षण, जैव उर्वरक तथा समन्वित कीट प्रबंधन प्रयोगशालाओं का निरीक्षण किया।

- **कृषकों को ज्यादा से ज्यादा लाभ पहुंचाने के लिए कृषि प्रयोगशालाओं में किए जा रहे हैं राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय मानकों पर परीक्षण**

कृषि एवं उद्यानिकी शासन सचिव राजन विशाल ने शुक्रवार को दुर्गापुरा स्थित कृषि प्रबंधन प्रयोगशालाओं का निरीक्षण किया।

शासन सचिव द्वारा प्रयोगशालाओं की समस्त गतिविधियों जैसे नमूना प्राप्त करना, कोडिंग, परीक्षण इत्यादि गतिविधियों की विस्तृत रूप से जानकारी ली गई। उन्होंने प्रयोगशालाओं में राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय मानकों व एनएबीएल मानकों के अनुसार कार्य करने एवं सजगता व तत्परता से कार्य निष्पादन हेतु निर्देशित किया।

उन्होंने विश्लेषण कार्य समय पर पूरा कर परीक्षण रिपोर्ट आदान निरीक्षकों एवं मुख्यालय की गुण नियंत्रण शाखा को शीघ्र भिजवाने के कहा तथा अमानक नमूनों की विश्लेषण रिपोर्ट निरीक्षकों एवं मुख्यालय को प्राथमिकता से भिजवान हेतु निर्देशित किया। जिससे राज्य के कृषकों को गुणवत्ता युक्त कृषि आदानों की आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त निदेशक कृषि रसायन एच.एस.मीना, संयुक्त निदेशक कृषि अजय कुमार पचौरी सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

युवक से पांच लाख रु.की ठगी

जयपुर। ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर एक युवक से साइबर ठगों ने पांच लाख रुपए ठग लिए। पीडित ने इस संबंध में झोटवाड़ा थाने में मामला दर्ज करवाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार संजय नगर बी निवासी शाहबाज खत्री ने मामला दर्ज करवाया कि सोशल मीडिया अकाउंट पर आदित्या बिरला के नाम से ट्रेडिंग प्लेटफार्म प निवेश करने पर मोटा मुनाफे का झांसा दिया गया। ट्रेडिंग करवाने के नाम पर उससे कई बार में करीब पांच लाख रुपए डलवा लिए गए। लेकिन उसे न तो लाभांश दिया और ना ही मूल राशि लौटाई गई। ठगी का अहसास होने पर पीडित ने पुलिस की शरण ली।

नए जिला परिषदों के गठन को मुख्यमंत्री भजनलाल की मंजूरी

आमजन को मिलेगा नए जिलों का वास्तविक लाभ

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार नए जिलों में प्रशासनिक ढांचा तैयार करने के लिए सभी आवश्यक संसाधन एवं अन्य सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित कर रही है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री ने नई जिला परिषदों के गठन एवं प्रभावित जिला परिषदों के पुर्नगठन से संबंधित कार्यवाही के प्रस्ताव का अनुमोदन किया है।

प्रस्ताव के अनुसार, राजस्थान पंचायतीराज अधिनियम के तहत संबंधित जिलों (8 नए जिले एवं 12 प्रभावित जिले) के जिला कलक्टर पंचायत समितियों व ग्राम पंचायतों के आधार पर जिला परिषद के गठन एवं पुनर्गठन का प्रस्ताव तैयार करेंगे। साथ ही, इससे प्रभावित पंचायत समितियों व ग्राम पंचायतों के नवसृजन एवं पुनर्गठन के प्रस्ताव भी तैयार किए जाएंगे।

जिला कलक्टरों द्वारा इन प्रस्तावों को सार्वजनिक अवलोकन के लिए प्रसारित कर 1 माह में आपत्तियां आमंत्रित की जाएंगी, जिनके निस्तारण के बाद प्रस्तावों को राज्य सरकार को प्रेषित कर दिया जाएगा। इन प्रस्तावों के परीक्षण एवं अनुमोदन पश्चात नवगठित/पुनर्गठित जिला परिषदों, पंचायत समितियों एवं ग्राम पंचायतों के गठन की अधिसूचना जारी की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि पूर्ववर्ती सरकार ने अपने कार्यकाल के आखिरी वर्ष में प्रदेश में 17 नवीन जिले एवं 3 नवीन संभाग बनाने का निर्णय लिया, लेकिन नवसृजित जिलों में नई जिला परिषदों का गठन नहीं किया। हाल ही में राज्य सरकार ने मंत्रिमण्डलीय बैठक में जिलों का पुनर्निर्धारण किया। पुनर्निधारण के बाद यथावत रखे गए 8 नए जिलों में राज्य सरकार ने नई जिला परिषदों के गठन का निर्णय लिया है, ताकि आमजन को इन जिलों के गठन का वास्तविक लाभ मिल सके।

गुरुग्राम में हुई भाजपा कोर ग्रुप की बैठक

गुरुग्राम। भाजपा की कोर ग्रुप की महत्वपूर्ण बैठक शुक्रवार को गुरुग्राम में हुई। बैठक में हरियाणा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, भाजपा के प्रदेश प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली, केंद्रीय संसदीय बोर्ड की सदस्य डॉ. सुधा यादव, केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह, केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर, कैबिनेट मंत्री अनिल विज, राज्यसभा सांसद सुभाष बराला, संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा, प्रदेश महामंत्री डा. अर्चना गुप्ता, सुरेंद्र पूनिया, पूर्व मंत्री राम बिलास शर्मा, पूर्व मंत्री कैप्टन अभिमन्यु, पूर्व मंत्री डा. कमल गुप्ता, पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल आदि कोर कमेटी के नेताओं ने लगभग डेढ़ घंटे तक पार्टी के आगामी कार्यक्रमों की योजना, संगठन विस्तार और संगठनात्मक नियुक्तियों पर मंथन किया। बैठक में दिल्ली विधानसभा चुनाव जिताने में हरियाणा के नेताओं द्वारा निभाई जा रही भूमिका पर भी बातचीत हुई। बैठक में सदस्यता अभियान, संगठनात्मक चुनाव की समीक्षा भी की गई।

- **संगठन विस्तार व संगठनात्मक नियुक्तियों पर मंथन किया**

मुख्यमंत्री नायब सैनी और प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने बैठक के एजेंडों को रखा। इसके बाद एक के बाद एक विषयों पर गहनता से चर्चा हुई। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने यहां सरकार द्वारा जनहित में उठाए गए कदमों की जानकारी भी रखी। वहीं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने भी संगठन की चुनावी प्रक्रिया के बारे में बताया। प्रदेश प्रभारी डाक्टर सतीश पूनिया ने आगामी कार्ययोजनाओं को समय पर पूरा करने पर जोर दिया।

बड़ौली ने जानकारी दी कि हरियाणा में पांच जिले बढ़ाकर पैनल पर जिला अध्यक्षों की चुनावी प्रक्रिया चल रही है। संभावित 27 जिलों के हिसाब से ही कार्यकर्ताओं से फीडबैक लिया जा रहा है। प्रदेश में मंडलों का भी विस्तार हुआ है और 377 मंडलों में मंडल अध्यक्षों की चुनाव प्रक्रिया जारी है तथा जल्द ही जिला अध्यक्षों का चुनाव भी संपन्न करा लिया जाएगा।

अटलजी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाएंगे : घनश्याम तिवाड़ी

जयपुर। भाजपा प्रदेश कार्यालय में शुक्रवार को अटल बिहारी वाजपेयी जन्म शताब्दी समारोह समिति की बैठक आयोजित की गई। समिति के प्रदेश संयोजक एवं राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने कहा कि भाजपा देशभर में भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का जन्म शताब्दी समारोह मना रही है। इसके लिए प्रदेश स्तर पर समिति बनाई गई है और अब जिला तथा मंडल स्तर पर भी समिति बनाई जाएगी।

इन समितियों के द्वारा प्रदेशभर में अटल बिहारी वाजपेयी जी के व्यक्तित्व और कृतित्व का प्रचार प्रसार किया जाएगा। अटल जी का जनसंघ, जनता पार्टी और भारतीय जनता पार्टी में बहुत बड़ा योगदान रहा है। आज भारतीय जनता पार्टी रूपी इस वटवृक्ष में जड़, तना और पत्तियों में अटल जी का परिश्रम स्पष्ट रूप से नजर आता है। इस लिए भाजपा अटल जी का जन्म दिन को सुशासन दिवस के रूप में मनाती है। उनके जन्म शताब्दी वर्ष में भी भाजपा देश-प्रदेश में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करेंगी।

समिति के प्रदेश संयोजक घनश्याम तिवाड़ी ने कहा कि आज भी सभी राजनीतिक दलों में अटल जी की स्वीकार्यता है। आज जब संसद में कोई मामला अटकता है तो सदस्यों द्वारा कहा जाता है कि वाजपेयी जी ने ऐसा कहा था, इस लिए इसे मान लिया जाए। संयुक्त राष्ट्र संघ में हिंदी को मान्यता दिलाने में भी अटल जी की महत्वपूर्ण भूमिका रही थी, यूएनओ में हिंदी में भाषण देने का रिकॉर्ड भी उनके ही नाम है। इसके साथ ही ऐसे कई कार्य है जिन्हे भाजपा राजस्थान में अभियान चलाकर जन जन तक पहुंचाएगी। भाजपा अटल जी की विचारधारा को आम कार्यकर्ता तक पहुंचाने का कार्य करेगी।

समिति के प्रदेश संयोजक घनश्याम तिवाड़ी ने बताया कि अटल जी ने जनसंघ का जनता पार्टी में विलय करते समय कहा था कि आज मैं जनसंघ का विलय कर रहा हूं, किस-किस को याद करूं, किस-किस को भूल जाऊ, लेकिन ये राष्ट्र की आवश्यकता है।

नशीली दवा बेचने वाला गिरफ्तार

जयपुर। संजय सर्किल थाना पुलिस ने स्मैक-गांजा और नशीली प्रतिबंधित दवा सहित इंजेक्शन ब्रिकी करते एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। साथ ही पुलिस ने आरोपित के पास से स्मैक-गांजा और नशीली प्रतिबंधित दवा सहित इंजेक्शन जब्त किया है। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर राशि डोगरा डूडी ने बताया कि संजय सर्किल थाना पुलिस ने स्मैक-गांजा और नशीली प्रतिबंधित दवा सहित इंजेक्शन ब्रिकी करते आरोपित आशिक अली खान (20) निवासी सरानी खेडा जिला जिला धौलपुर हाल विधाधर नगर को थाना इलाके से गिरफ्तार किया है।

गणतंत्र दिवस पर प्रदेश के 2 ए.डी.जी. होंगे राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित

जयपुर। गणतंत्र दिवस पर उदयपुर के महाराणा भूपाल स्टेडियम में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय समारोह में राज्यपाल हरीभाऊ किसनराव बागड़े प्रदेश के दो अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी) स्तर पुलिस अधिकारियों सचिन मित्तल एवं एस. सेंगाथिर को राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित करेंगे।

इस अवसर पर राजस्थान पुलिस के 15 अन्य अधिकारियों एवं पुलिस कर्मियों को भी पुलिस पदक से नवाज़ा जाएगा।

विशिष्ट सेवा के लिये राष्ट्रपति पुलिस पदक से अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस कार्मिक सचिन मित्तल व अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस-निदेशक राजस्थान पुलिस अकादमी जयपुर एस. सेंगाथिर को राज्यपाल हरीभाऊ बागडे द्वारा पदक प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। एडीजी (कार्मिक) सचिन मित्तल ने बताया कि राज्य स्तरीय समारोह की पूर्व संध्या पर उदयपुर जिले में सहेलियों की बाड़ी में एट होम कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है, जिसमें प्रदेश के 15 पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को सराहनीय सेवाओं के लिए पुलिस पदक प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा।

ए.डी.जी. सचिन मित्तल और एस. सेंगाथिर

एडीजी मित्तल ने बताया कि इनमें रिटायर्ड अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कान सिंह भाटी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, पुलिस दूरसंचार अजमेर वेदप्रकाश बालोदिया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, लीगल सैल जोधपुर मांगी लाल राठौड, उप अधीक्षक पुलिस, दूरसंचार उदयपुर अनिल कुमार रेवाडिया, पुलिस निरीक्षक एमटी पुलिस मोटर ड्राईविंग स्कूल, बीकानेर गुरजिन्द्र सिंह, पुलिस निरीक्षक, पुलिस अधीक्षक कार्यालय जिला-झुन्झुनूं गोपाल लाल जांगिड, कम्पनी कमाण्डर महाराणा प्रताप बटालियन प्रतापगढ हवा सिंह एवं पुलिस निरीक्षक राजस्थान पुलिस अकादमी राम प्रसाद शर्मा शामिल है।

देवनानी की पहल पर विधानसभा में राष्ट्रीय पर्यावरण पर दो दिवसीय ''युवा संसद''

पर्यावरण संरक्षण पर चर्चा के साथ क्रियान्विति के लिये ब्लू प्रिंट तैयार करें : विधानसभाध्यक्ष

जयपुर (कासं)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की पहल पर राजस्थान विधानसभा में शुक्रवार को राष्ट्रीय पर्यावरण पर दो दिवसीय युवा संसद आरंभ हुई। देवनानी ने देश के विभिन्न राज्यों के विभिन्न विश्वविद्यालयों से आये 200 से अधिक युवाओं के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर राष्ट्रीय पर्यावरण विषय पर आयोजित युवा संसद का शुभारम्भ किया। विधान सभा अध्यक्ष देवनानी ने युवाओं का आव्हान किया कि सभी को मिल-जुल कर एक स्वस्थ, सुरक्षित और हरित भविष्य की दिशा में कदम बढाने होगें। इसके लिये देश का भविष्य और वर्तमान युवा को दृढ संकल्प के साथ पर्यावरण संरक्षण के लिये प्रतिबद्ध होकर कार्य करने होंगे। उन्होने कहा कि पर्यावरण सुरक्षा के लिये प्रत्येक व्यक्ति को अपना दायित्व समझना होगा और सजग रहकर पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को भी निभाना होगा। तकनीकी ज्ञान के साथ पृथ्वी पर उपलब्ध पानी की हर बूंद के उपयोग का प्रयास करना होगा। देवनानी ने युवाओं से कहा कि पर्यावरण संरक्षण पर राजस्थान विधान सभा के सदन में चर्चा के साथ क्रियान्विति के लिये ब्लू प्रिंट आवश्यक रूप से तैयार करें।

- **'स्वस्थ, सुरक्षित और हरित भविष्य की दिशा में जिम्मेदारी से बढ़ाएं कदम'**
- **'औद्योगीकरण एवं वैज्ञानिक नवाचारों के साथ जल, प्रकृति और प्राकृतिक संसाधनों से हमें प्रेम करना होगा'**

विधान सभा अध्यक्ष देवनानी ने शुक्रवार को यहां विधान सभा सदन में राष्ट्र मंडल संसदीय संघ की राजस्थान शाखा के तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय पर्यावरण पर दो दिवसीय युवा संसद को संबोधित करते हुये कहा कि जल, प्रकृति और प्राकृतिक संसाधन हैं तो मानव जीवन है। पर्यावरण सुरक्षित रहेगा तो मानव और धरती का अस्तिव बना रहेगा। देवनानी ने कहा कि औद्योगीकरण एवं वैज्ञानिक नवाचारों के साथ जल, प्रकृति और प्राकृतिक संसाधनों से हमें प्रेम करना होगा। इसी से हमारे स्वयं के साथ समाज व देश का सुव्यवस्थित विकास हो सकेगा। देवनानी ने आकाशो-शांति, पृथ्वी-शांति, अंतरिक्ष-शांति और सभी जीव जगत की शांति के लिये प्रार्थना करते हुये कहा कि पर्यावरण विषय के इस युवा संसद का उद्देश्य पर्यावरण के प्रति चेतना बढ़ाना है साथ ही प्राकृतिक संसाधनों एवं पारिस्थितिकी तंत्र के प्रति भी जागरूकता और संवेदनशीलता के साथ हमें अपनी मानवीय जिम्मेदारियों पर समझ बढानी होगी।

देवनानी ने कहा कि पर्यावरण के प्रति भारतीय संस्कृति सदैव से ही वैज्ञानिक दृष्टिकोण रखती आयी है। भारतीय दर्शन में संतुलन और सद्भाव की अवधारणा के साथ पशुओं के प्रति अहिंसा और करूणा का भाव है। उन्होनें कहा कि प्राचीनकाल से ही भारतीय संस्कृति में जल और पेडों के संरक्षण के अनेक उपाय बताये जाते रहे है। सिंधु घाटी सभ्यता नदी किनारे विकसित हुई जिसने जल निकास व्यवस्था का सुंदर उदाहरण प्रस्तुत किया। राजस्थान में सार्वजनिक तालाब, खडीन, झालरा, कुँए, बावडी आदि अनेक जल संचयन की तकनीकी विधियां आज भी विद्यमान है, जिनसे मरुस्थल को भी जैव समृद्धता मिलती है।

राष्ट्र मंडल संसदीय संघ की राजस्थान शाखा के सचिव संदीप शर्मा ने कहा कि राजस्थान विधान सभा के सदन में नेशनल इन्वायरमेंट यूथ पार्लियामेंट का आयोजन ऐतिहासिक है। युवा शक्ति को लोकतंत्र से जोडने के लिये विधान सभा के पवित्र सदन में युवाओं को बैठने का गौरवशाली अवसर मिला है। युवा संसद का यह मंच पर्यावरण के प्रति हमारी जिम्मेदारी को समझने के साथ हमारे विचारों, प्रयासों और संकल्पों का साझा माध्यम भी बनेगा। राष्ट्र मंडल संसदीय संघ की राजस्थान शाखा द्वारा विधान सभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी के नेतृत्व में ऐसे नवप्रयोग किये जा रहे है। उन्होने कहा पर्यावरण संकट केवल एक देश का मुद्दा नहीं है बल्कि संपूर्ण मानवता का साझा दायित्व है। समाज की रीढ युवा शक्ति को इसके लिये तत्परता से बदलाव और प्रतिबद्धता के साथ सतत् भविष्य को सशक्त करने की जरूरत है।

समारोह में विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी और राष्ट्र मंडल संसदीय संघ की राजस्थान शाखा के सचिव संदीप शर्मा ने आदित्य खैवाल और लक्ष्य खैवाल द्वारा लिखित पुस्तक वायु एवं महाकुंभ एक जादुई सांस्कृति यात्रा का विमोचन किया। यह पुस्तक बच्चों और युवाओं को शिक्षाप्रद और मनोरंजक तरीके से महाकुंभ मेले के सांस्कृति महत्तव को समझाते हुये पर्यावरण संरक्षण के महत्तव को उजागर करती है। पुस्तक में कहानियों के माध्यम से प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग और पर्यावरण संरक्षण के प्रबंधन को समझाया गया है। समारोह को युवा विषयों के विशेषज्ञ आशीष चौहान और समाजसेवी राजेंद्र मीणा ने भी संबोधित किया। स्टूडेंटस फॉर डवलपमेंट की राष्ट्रीय समन्वयक पायल राय ने धन्यावद ज्ञापित किया। समारोह में देश के विभिन्न राज्यों के विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत युवा मौजूद रहें।

प्रेम प्रसंग के चलते दम्पती की गोली मारकर हत्या की

महिला और उसके पति के चेहरे व कनपटी पर मारी थी गोली

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। सांगानेर सदर थाना इलाके में शुक्रवार को एक दम्पती की गोली मारकर हत्या कर दी। हत्या के मामले में पुलिस महिला के साथ काम करने वाले युवक की तलाश कर रही है। फिलहाल हत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है। घटना शुक्रवार दोपहर करीब 12:30 बजे की है। पुलिस ने शवों को महात्मा गांधी अस्पताल के मुर्दाघर में रखवाया है।

पुलिस के अनुसार शुक्रवार शाम को पुलिस को शिकारपुरा रोड पर गोली मार कर दम्पती की हत्या की सूचना मिली। इस पर पुलिस मौके पर पहुंची। एफएसएल टीम ने मौके पर पहुंच साक्ष्य जुटाए। शुक्रवार को दिनदहाड़े जोतड़ावाला शिकारपुरा रोड निवासी 30 वर्षीय राजाराम और 26 वर्षीय आशा की गोली मारकर हत्या कर दी। हत्या करने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। आरोपी मोनू उपाध्याय की तलाश में पुलिस टीम यूपी के लिए के लिए रवाना हो गई है। आरोपी आगरा का रहने वाला बताया जा रहा है। पुलिस इस मामले में घटना स्थल और उसके आस-पास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

- **महिला के साथ फैक्ट्री में काम करता था आरोपी**
- **मृतका का भाई काम से लौटा तो घटना का पता चला**
- **हत्यारे की तलाश में जुटी है सांगानेर सदर थाना पुलिस**

पति-पत्नी दोनों ही सांगानेर रीको एरिया स्थित फैक्ट्री में काम करते थे। घर में राजाराम के भाई-बहन भी रहते हैं। दोपहर करीब 12:30 बजे आशा की फैक्ट्री में काम करने वाला मोनू बातचीत के लिए उनके घर आया था।

इस दौरान घर पर आशा और राजाराम के साथ उसकी बहन भी मौजूद थी। राजाराम ने बहन को मोनू से कोई बातचीत करने की कहकर बाहर जाने को कहा। बहन किसी परिचित से मिलने उनके घर चली गई। दोपहर करीब 1 बजे छोटा भाई लंच में फैक्ट्री से घर आया था। घर के अंदर भाई-भाभी के सिर के पास से खून निकलते देखा। चेहरे पर चोट के निशान थे। उसने तुरंत चिल्लाकर पडौसियों को बुलाया। उनकी मदद से बेसुध हालत में भाई-भाभी को महात्मा गांधी हॉस्पिटल पहुंचाया, जहां डॉक्टर्स ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

आरोपी मोनू उपाध्याय मृतका आशा के साथ सीतापुरा में एक फैक्ट्री में काम करता था। पुलिस हत्या के पीछे प्रेम प्रसंग मानकर काम कर रही है। आरोपी ने राजाराम के कनपटी और आशा के चेहरे पर गोली मारी है। राजाराम भी मजूदरी ही करता है। घटना की सूचना पर डीसीपी साउथ दिगंत आनंद सहित अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस कंट्रोल रूम से दोपहर करीब 2:30 बजे सांगानेर सदर पुलिस को सूचना मिली। महात्मा गांधी हॉस्पिटल पहुंचने पर पुलिस को डॉक्टर्स ने गन शूट होना बताया। दंपती की कनपटी के पास गोली मारी गई थी। पुलिस को प्रथमदृष्टया जांच में मोनू नाम के परिचित के बातचीत करने घर आने का पता चला। मोनू ने ही कहासुनी होने पर दोनों की गोली मारकर हत्या कर दी और मौके से फरार हो गया। पुलिस को वारदात स्थल पर एक खाली कारतूस भी मिला है। पुलिस हत्या कर भागे आरोपी परिचित की तलाश कर रही है।

संजीवनी क्रेडिट को-ऑपरेटिव घोटाले का मास्टरमाइंड सहित पांच गिरफ्तार

अच्छे रिटर्न सहित गोल्ड व सिल्वर कॉईन का प्रलोभन देकर निवेश करवाते थे

कोटा, (निसं)। रेलवे कॉलोनी पुलिस टीम ने थाने में दर्ज संजीवनी क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी घोटाले के मामले में कार्यवाही करते हुए सोसायटी घोटाले का मास्टरमाइंड और सोसायटी के पहले मैनेजिंग डायरेक्टर विक्रम सिंह सहित पांच जनों को गिरफ्तार किया है। यह सोसायटी निवेशकों को अच्छे रिटर्न सहित गोल्ड व सिल्वर कॉईन का प्रलोभन देकर निवेश करवाती थी।

शहर पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन ने बताया कि 3 नवंबर 2022 को फरियादी भूरी बाई ने रेलवे कॉलोनी थाने में एक रिपोर्ट दी। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि उसका परिचित हंसराज पांचाल उसको मिला और उससे कहा कि संजीवनी क्रेडिट कॉपरेटिव सोसायटी लिमिटेड में पॉलिसी होती है जो पॉलिसी सोसायटी का ऐजंट गोविन्द बैरवा करवाता है। पॉलिसी में पांच वर्ष में रकम दुगनी हो जाती है ऐजेन्ट गोविन्द बैरवा को जानता हूं और गोविन्द की पत्नी उस ब्रांच की मैनेजर है।

शहर एसपी ने कहा कि फरियादी महिला ने शिकायत में कहा कि 8 मार्च 2016 को हंसराज पांचाल व गोविन्द बैरवा के आश्वासन पर भरोसा करते हुए 1 लाख रूपये की पॉलिसी करवाई और पांच वर्ष बाद 2021 में पॉलिसी मैच्यूरिटी होने पर जब महिला ने रकम के लिये संपर्क किया तो आरोपियों ने यह कहते हुए रकम देने से इंकार कर दिया कि सोसायटी भाग गई। फरियादी ने 2022 में भी गोविन्द बैरवा से संपर्क कर राशि लौटाने की मांग की तो आरोपी गोविन्द बैरवा ने रकम लौटाने से इंकार कर दिया। पुलिस ने महिला की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया। पुलिस ने मामले में कार्यवाही करते हुए मास्टरमाइंड इन्द्रोई थाना रामसर जिला बाड़मेर निवासी विक्रम सिंह, जिला बाड़मेर के लीलरिया धोरा थाना सदर निवासी किशन सिंह, जिला बाड़मेर के बेरियो का वास राय कॉलोनी निवासी नरेश सोनी, सगरा थाना डेंचू जिला जोधपुर निवासी शैतान सिंह एवं भादरिया थाना लाठी जिला जालौच निवासी देवीसिंह को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की।

संजीवनी क्रेडिट को-ऑपरेटिव घोटाले के मास्टरमाइंड सहित पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया।

- क्रेडिट कॉपरेटिव सोसायटी में पॉलिसी कराने पर पांच वर्ष में रकम दुगनी का झांसा दिया

शहर एसपी ने बताया कि मामला दर्ज कर कार्यवाही के लिये टीम का गठन किया। पुलिस जांच के दौरान सामने आया कि संजीवनी क्रेडिट कॉपरेटिव सोसायटी को राजस्थान सोसाइटी एक्ट के तहत 2008 में रजिस्टर्ड कराया था और 2010 में सोसायटी मल्टी स्टेट कॉपरेटिव सोसायटी के रूप में बदल गई। सोसायटी में निवेश करने वालो को अच्छे रिर्टन के साथ विदेश यात्रा, गोल्ड व सिल्वर कॉइन आदि गिफ्ट का प्रलोभन देकर ठगने का कार्य होता था।

चोरी और गुम हुए 101 मोबाइल बरामद किये

बरामद मोबाइलों की कीमत 21 लाख रुपए बताई है

एसपी हनुमान प्रसाद मीणा ने सभी मोबाइल मालिकों के सुपुर्द किए।

डीडवाना, (निसं)। राजस्थान पुलिस मुख्यालय के निर्देश अनुसार लगातार ऑपरेशन एंटी वायरस अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत डीडवाना जिले के समस्त थानों और साइबर सेल ने बड़ी कार्रवाई करते हुए गुम और चोरी हुए 101 मोबाइल बरामद करने में सफलता प्राप्त की है। इन मोबाइलों की बाजार कीमत लगभग 21 लाख रुपए बताई जा रही है। इन मोबाइलों को राजस्थान सहित अनेक प्रदेशों से ट्रेस कर बरामद किया गया है, जिन्हें शुक्रवार को जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय में एसपी हनुमान प्रसाद मीणा ने उनके मालिकों के सुपुर्द कर दिया।

इस दौरान एसपी हनुमानप्रसाद मीणा ने बताया कि एंटी वायरस अभियान के तहत चल रहे इस अभियान में पोर्टल पर दर्ज चोरी और गुम हुए मोबाइल को ट्रेस करने के लिए पुलिस की टीमों ने विशेष अनुसंधान किया और मोबाइल फोन को ट्रेस करने की कार्रवाई की। जिसके परिणामस्वरूप पूर्व में भी 153 मोबाइल बरामद कर उनके मालिकों के सुपुर्द किया गया था। इसी क्रम में गुम व चोरी हुए 101 मोबाइलों को भी बरामद कर उनके मालिकों को सौंप दिया गया। इस दौरान लंबे समय बाद अपने मोबाइल वापस पाकर लोग खुश और प्रसन्न नजर आए।

- पूर्व में भी 153 मोबाइलों को बरामद कर किया गया था सुपुर्द
- गुम हो चुके मोबाइल वापस पाकर खुश हुए लोग

एसपी ने बताया कि केंद्रीय इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर्ड पोर्टल दूरसंचार विभाग का एक नागरिक केंद्रित पोर्टल है। यह पोर्टल मोबाइल उपकरणों को उनके अंतरराष्ट्रीय मोबाइल उपकरण पहचान नंबरों का इस्तेमाल करके प्रबंधन और ट्रैक करने के लिए बनाया गया है। अगर किसी का मोबाइल फोन गुम हो जाता है तो वह आईएमईआई नंबरों को इस पोर्टल पर इंद्राज कर बंद करवा सकते हैं। साथ ही संबंधित थाने में शिकायत दर्ज करवाकर पोर्टल पर जाकर मोबाइल फोन का नंबर भी ब्लॉक करवा सकते हैं। गुम मोबाइल बरामद होने पर उसके मालिक के द्वारा पोर्टल पर आईएमइआई नंबर को अनब्लॉक करवाने हेतु रिक्वेस्ट भेजी जाकर नंबर को पुन शुरू करवाया जा सकता है।

होटल संचालक पर हमले का आरोपी ओपन जेल का बंदी गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के सदर थाना क्षेत्र में गत दिनों जौधड़ास चौराहे के नजदीक एक होटल संचालक की आंखों में मिर्च झौंककर लूट के बाद चाकू मारने के मामले का पुलिस ने ओपन जेल के बंदी को प्रोडक्शन वारंट के तहत गिरफ्तार किया है। इस आरोपी का एक साथी अभी भी फरार है।

सदर थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, मालोला चौराहा निवासी मांगीलाल गुर्जर की जौधड़ास चौराहा क्षेत्र में चाय की होटल है। गुर्जर 20 जनवरी की रात होटल पर थे, तभी दो नकाबपोश बदमाश होटल पर आये। गुटखा खरीदा और गुटखे की राशि भी गुर्जर को दे दी। इसके बाद बदमाशों ने मांगीलाल के गले में पहने मांदलिया पर झपट्टा मारा। साथ ही गुर्जर पर चाकू से हमला कर उसे घायल कर दिया। इसी दौरान मांगीलाल का पड़ौसी वहां आया तो उसे भी बदमाशों ने चाकू दिखाया। इसके बाद लोगों ने भागते बदमाशों का पीछा किया। वारदात करने वाले बदमाश बाइक सहित जिला कारागार में घुस गये थे। इसके बाद पुलिस ने जेल परिसर की तलाशी भी ली। पुलिस ने पीड़ित की रिपोर्ट पर केस दर्ज किया। इस मामले की जांच एएसआई रामप्रसाद मीणा को सौंपी गई। एएसआई मीणा के साथ आरपीएस प्रशिक्षु ने वारदात स्थल से जेल तक के दर्जनों सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली।

मिले साक्ष्य के आधार पर पुलिस ने जिला जेल परिसर स्थित ओपन जेल में रह रहे शहीद भगतसिंह कॉलोनी, कच्ची बस्ती, अंबामाता उदयपुर निवासी हरीश (25) पुत्र खुबीलाल नायक को ओपन जेल से प्रोडक्शन वारंट के तहत गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी से वारदात स्थल की मौका तस्दीक भी करवा ली है। उससे रिकवरी के लिए अदालत में पेश कर रिमांड पर लिया जायेगा।

मेहोजी महाराज के मेले से नाबालिग का अपहरण

जोधपुर, (कासं)। ओसियां में आयोजित मेहोजी महाराज का मेला देखने गई 14 साल की नाबालिग का गुरुवार शाम अपहरण हो गया। मेला खत्म होने के बाद भी जब रात तक बच्ची घर नहीं लौटी तो परिजनों ने ग्रामीणों संग मिलकर उसकी तलाश शुरू की। सर्च के दौरान ग्रामीणों को श्मशान के पास से बच्ची के रोने की आवाज सुनाई दी। जब उन्होंने वहां जाकर देखा तो उनके होश उड़ गए। नाबालिग बच्ची रस्सी और तार से पेड़ से बंधी हुई थी। वो फूट-फूट कर रो रही थी। ग्रामीणों ने तुरंत उसकी रस्सी खोली और ओसियां के उप जिला अस्पताल लेकर गए।

नाबालिग बच्ची एक गांव की रहने वाली है, जो परिवार के साथ मेला देखने गई थी। इसी दौरान उसका अपहरण हो गया। इस घटना के बाद नाबालिग के चाचा ने शुक्रवार सुबह मतोड़ा थाने में शिकायत दर्ज कराई है। चाचा की रिपोर्ट पर संज्ञान लेते हुए पुलिस ने एफआईआर दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी है। कुछ ग्रामीणों ने नाबालिग बच्ची के साथ रेप होने आशंका भी जताई है। लोहावट के सीओ संग्राम सिंह भाटी ने बताया कि बच्ची स्कूल से निकलने के बाद पास के गांव में चल रहे मेले में गई थी। मामले में दर्ज रिपोर्ट के अनुसार बच्ची का मेडिकल परीक्षण करवाया जाएगा।

राशि पीड़िता के खाते में रिफंड

कोटा, (निसं)। रेलवे कॉलोनी पुलिस टीम ने सेवानिवृत सरकारी अध्यापिका के बैंक खाते से साईबर ठग द्वारा ठगी की शिकायत सामने आने पर आने पर कार्यवाही करते हुए ठगी गई राशि में से 7 लाख की राशि का संबधित बैंक अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर पीड़िता के खाते में रिफंड कराया गया। शहर पुलिस अधीक्षक डॉ.अमृता दुहन ने बताया कि साईबर अपराधों की रोकथाम, अपराधियों की धरपकड़ एवं जागरूकता के लिये विशेष अभियान ऑपरेशन साईबर शील्ड चलाया जा रहा है। शहर एसपी ने बताया कि 18 दिसम्बर 2024 को बापू कॉलोनी निवासी सेवानिवृत सरकारी अध्यापिका ने रेलवे कॉलोनी थाने पर साईबर डेस्क पर शिकायत दी। फरियादी ने शिकायत में कहा कि सेवानिवृत पर मिले परिलाभों की रकम लगभग 10 लाख रूपये उसके बैंक खाते भारतीय स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में जमा थी। फरियादी ने शिकायत में कहा कि अचानक से उसके मोबाईल पर रूपये कटौती के मैसेज प्राप्त होने लगे और उसके खाते से 10 लाख रूपये डेबिट हो गये, फरियादी की शिकायत को साईबर पोर्टल पर दर्ज की गई। शहर एसपी ने कहा कि पीड़िता से साईबर ठगो द्वारा ठगी गई राशि में से कुल 7 लाख की राशि को साईबर पोर्टल के माध्यम से शिकायत दर्ज की जाकर संबधित बैंक अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर रकम को होल्ड कराया जाकर संदिग्ध बैंक खातो से पीड़िता के खाते में रिफंड कराया गया।

तस्करी मामले में फरार ट्रक मालिक गिरफ्तार

डोडा-चूरा तस्करी मामले में एक साल से फरार था

सुभाष नगर थाना पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया।

भीलवाड़ा, (निसं)। डीएसटी टीम और सुभाष नगर थाना पुलिस ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए डोडा-चूरा तस्करी मामले में एक साल से फरार 15 हजार के इनामी ट्रक मालिक को गिरफ्तार किया है। सुभाषनगर थाना प्रभारी शिवराज गुर्जर ने बताया कि पुर थाने के तत्कालीन थाना प्रभारी जय सुल्तान कविया ने 31 मार्च 2024 को पुर ओवरब्रिज के नीचे नाकाबंदी के दौरान एक कंटेनर को रोका, जिसकी तलाशी लेने पर 564 किलो 200 ग्राम डोडा-चूरा व बर्तन के पुराने स्क्रेप को जब्त किया गया। इस मामले की जांच सुभाषनगर थाना प्रभारी गुर्जर को सौंपी गई थी। तस्करी के इस प्रकरण में ट्रक मालिक चित्तौड़गढ़ जिले के भादसौड़ा निवासी कन्हैयालाल (25) पुत्र हीरालाल को पुलिस ने डीएसटी टीम के कांस्टेबल अमृतलाल और ऋषिकेश की सूचना पर गिरफ्तार किया गया है। आरोपित कन्हैयालाल पर 15 हजार रुपये का ईनाम घोषित था।

झीलों की नगरी के नैसर्गिक सौन्दर्य से अभिभूत हुई अभिनेत्री माधुरी दीक्षित

उदयपुर, (कासं)। बॉलीवुड एक्ट्रेस माधुरी दीक्षित ने शुक्रवार को उदयपुर के गौरव और वैभवशाली हेरिटेज कौन देखा। माधुरी अपने पति डॉ. श्रीराम नेने के साथ आई। वे यहां से मैकलारेन के कारों के जश्न में शामिल होकर माउंट आबू के लिए रवाना हुई। यहां सिटी पैलेस के माणक चौक में हुए कार्यक्रम से पहले माधुरी ने सुबह के समय में पिछोला झील को निहारा। उन्होंने पिछोला किनारे उदयपुर की हेरिटेज स्थानों को देखा और उसे बहुत पसंद किया। माधुरी दीक्षित ने कहा कि मुझे यह शहर बहुत अच्छा लगा। उदयपुर की खूबसूरत सुबह में यहां का मौसम भी अच्छा है, सर्दी के एहसास के बीच उदयपुर के नजारों से बहुत खुश हूं। उन्होंने कहा कि लेकसिटी के रास्ते, गलियां और महल सब कुछ अच्छे लगते हैं।

वहीं मेवाड़ के पूर्व राजपरिवार के सदस्य डॉ. लक्ष्यराजसिंह मेवाड़ और उनके बेटे भंवर हरितराज सिंह मेवाड़ ने यहां एक एक कार को नजदीक से देखा। इस दौरान उनके बेटे हरितराज सिंह को पूछा गया कि उनको कौनसी कार पसंद है तो उन्होंने काफिले में से माधुरी दीक्षित की कार को अपनी पसंद बताते हुए कहा कि यह ब्लू कलर बहुत पसंद है। डॉ. लक्ष्यराजसिंह मेवाड़ ने इस मौके पर कहा कि आज सुबह का यह पल खुशी भरा है। गाड़ियों के प्रति रूचि रखने वालों को यह गाड़ियां उदयपुर में दिखने को मिल रही है। बेटे को लेकर बोले कि पिता होने के नाते मेरा धर्म बनता है कि ऐसी चीजों को हम बच्चों को दिखा सके इनकी भी दिलचस्पी बनी रही है।

हेरिटेज में डॉ. लक्ष्यराजसिंह मेवाड़ व पुत्र, माधुरी दीक्षित व डॉ. श्रीराम नेने शामिल हुये।

- डॉ. लक्ष्यराजसिंह मेवाड़ के पुत्र को माधुरी की कार पसंद आई

ऑटोमोटिव के भारत में 50 मैकलारेन सुपरकार्स की उपलब्धि हासिल करने पर आयोजित कार्यक्रम में परफॉर्मेंस लग्जरी गाड़ियों का काफिला यहां से रवाना हुआ। मैकलारेन ने उदयपुर से माउंट आबू और फिर वापस उदयपुर आएंगे। ड्राइव में 11 मैकलारेन मालिकों ने उदयपुर से माउंट आबू तक का सफर पूरा करेंगे। ड्राइव में मैकलारेन की कई गाड़ियां भी शामिल थीं जिनमें 720 ए-जीटी, आर्दुरा, बेहद दुर्लभ मैक्लेरेन 750 स्पाइडर एडिशन शामिल हैं जो केवल साठ यूनिट्स में बनाई गई है।

अवैध हथियारों के विरूद्ध बड़ी कार्रवाई, एक गिरफ्तार

पुलिस ने अवैध हथियार सहित एक जने को गिरफ्तार किया।

फुलेरा, (निसं)। फुलेरा थाना में संगठित अपराधियों के खिलाफ एमजीटीएफ की सूचना पर अवैध हथियारों के विरूद्ध बड़ी कार्रवाई की गई है। पुलिस ने अवैध हथियार 3 पिस्टल मय 5 मैगजीन मय 21 कारतूस जप्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया।

जयपुर पुलिस उपमहानिरीक्षक, सह पुलिस अधीक्षक आनन्द शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया है कि अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक अपराध शाखा दिनेश एमएन के सुपरविजन में वृत्ताधिकारी सांभर लेक अनुपम मिश्रा तथा फुलेरा थानाधिकारी श्रवण कुमार एवं सांभर लेक थानाधिकारी राजेन्द्रसिंह यादव मय टीम के नेतृत्व में जाना क्षेत्र के गोरधनपुरा स्थित रामगोपाल सैनी के मकान पर संयुक्त टीम द्वारा दबिश देकर मकान में बने कमरों की तलाशी शुरु की गयी। तलाशी के दौरान कमरे में एक ट्रोली बेग के अन्दर 3 पिस्टल मय 5 मैगजीन मय 21 कारतूस मिले। जिनका विवेक सैनी से अनुज्ञापत्र मांगा तो नहीं होना बताया। जिस पर अभियुक्त के कब्जे से अवैध हथियार जप्त कर अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। साथ ही अभियुक्त के खिलाफ आर्म्स एक्ट में प्रकरण दर्ज किया गया है। वहीं पुलिस ने बताया कि अभियुक्त विवेक सैनी हथियार खरीद कर बेचने का काम करता है तथा अवैध हथियारों से आम जनता में दहशत पैदा करना चाहता है। उक्त हथियार अभियुक्त विवेक सैनी द्वारा खरगोन मध्यप्रदेश से खरीद कर लाना ज्ञात हुआ है। इसी क्रम में पुलिस ने आगे बताया कि अभियुक्त द्वारा किन-किन व्यक्तियों को हथियार बेचे गये है। जांच जारी है।

ट्रक के नीचे कुचलने से टोलकर्मी की मौत

परिजन और ग्रामीणों ने मृतक आश्रितों को मुआवजे सहित मांगों को लेकर प्रदर्शन किया

मुआवजे की मांग को लेकर परिजनों और ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया।

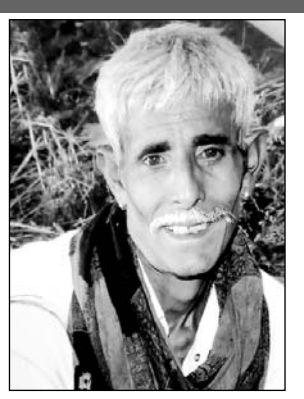

मृतक।

भीलवाड़ा, (निसं)। नेशनल हाइवे भीलवाड़ा-अजमेर पर स्थित धूलखेड़ा पुलिया के निकट गुरुवार को ट्रक की टक्कर से ट्रैक्टर-ट्रॉली से उछलकर गिरे टोलकर्मी की ट्रक टायर तले कुचलने से मौत हो गई। इस मामले में साथी कर्मचारियों के साथ ही परिजन और ग्रामीणों ने मृतक आश्रितों को 50 लाख रुपये मुआवजे सहित अन्य मांगों को लेकर लांबिया टोल प्लाजा पर प्रदर्शन किया। करीब पांच घंटे चले प्रदर्शन के बाद उचित मुआवजे पर सहमति बनने के बाद मामला शांत हो पाया।

रायला थाना पुलिस ने बताया कि लक्ष्मीपुरा, धोलाभाटा निवासी रामकरण (52) पुत्र उगमा गुर्जर लांबिया टोल की कंस्ट्रेक्शन साइट पर मजदूरी करता था। रामकरण, अन्य मजदूरों के साथ सामान ट्रैक्टर-ट्रॉली में लादकर टोल प्लाजा जा रहा था। धूलखेड़ा पुलिया पर इस ट्रैक्टर-ट्रॉली को पीछे से आये तेज रफ्तार ट्रक ने जोरदार टक्कर मारी, जिससे रामकरण ट्रॉली से उछलकर हाइवे पर जा गिरा और टक्कर मारने वाले ट्रक के टायर तले कुचल जाने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मांडल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मांडल अस्पताल की मोर्चरी में सुरक्षित रखवा दिया, जिसका शुक्रवार को पोस्टमार्टम किया जाना था, लेकिन परिजनों के आक्रोश के चलते पोस्टमार्टम नहीं हो पाया।

पुलिस ने बताया कि शुक्रवार दोपहर बड़ी संख्या में मृतक के समाज के साथ ही गांव के लोग व परिजन लांबिया टोल प्लाजा पहुंचे। इन लोगों ने टोल कंपनी से रामकरण के मृतक आश्रितों को 50 लाख रुपये का मुआवजा, नौकरी व पैंशन देने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। इसके बाद पीसीसी सदस्य नीरज गुर्जर मौके पर पहुंचे और कंपनी प्रतिनिधि के साथ वार्ता की। करीब पांच घंटे चले प्रदर्शन और समझौता वार्ता के बाद उचित मुआवजे के आश्वासन के बाद मामला शांत हो पाया।

- करीब पांच घंटे चले प्रदर्शन के बाद उचित मुआवजे पर सहमति बनने के बाद मामला शांत हो पाया
- ट्रक की टक्कर से ट्रैक्टर-ट्रॉली से उछलकर गिर गया था टोलकर्मी, ट्रक के टायर के नीचे आ गया था

भारतीय दिव्यांग क्रिकेट टीम ने कठिन चयन प्रक्रिया से लेकर श्रीलंका में अपने प्रदर्शन तक जो जुनून दिखाया है। वह आपके दृढ़ संकल्प को दर्शाता है। छह में से पांच मैच जीतना कोई छोटी उपलब्धि नहीं है। – डॉ. मनसुख मांडविया

केंद्रीय खेल मंत्री, भारतीय दिव्यांग क्रिकेट टीम को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

इनियन पन्नीरसेल्वम

भारतीय ग्रैंडमास्टर इनियन पन्नीरसेल्वम ने मलेशिया में 9वां जोहोर इंटरनेशनल ओपन शतरंज टूर्नामेंट जीत लिया है। तमिलनाडु के इरोड के 22 साल के इनियन ने 9 खेलों में 8.5 अंक हासिल किए। उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी से 1.5 अंक आगे रहते हुए चार इंटरनेशनल मास्टर्स और एक ग्रैंडमास्टर को हराया।ये 9 राउंड का टूर्नामेंट गुरुवार को समाप्त हुआ। जिसमें आठ देशों के 84 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिनमें से 24 खिलाड़ी टाइटलधारी थे। अंतिम राउंड से पहले ही इनियन ने इंडोनेशियाई आईएम नयाका बुधिधर्मा को हराकर खिताब पक्का कर लिया था।

क्या आप जानते हैं ?... भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने आयरलैंड के खिलाफ 435/5 का स्कोर बनाकर वनडे में भारत का नया सर्वोच्च स्कोर दर्ज किया।

पर्दे पर दिखेगी गांगुली की बायोपिक, राजकुमार राव लीड रोल में दिखेंगे

नई दिल्ली, 24 जनवरी। कई सालों से भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली की बायोपिक की चर्चा हो रही है। उनकी जिंदगी को बड़े पर्दे पर लाने के लिए फिल्म डायरेक्टर कोशिश कर रहे हैं। जिसके लिए लीड एक्टर का नाम फाइनल ही नहीं हो पा रहा था, लेकिन अब कहा जा रहा है कि, सौरव गांगुली की जिंदगी से जुड़ी फिल्म के लिए लीड एक्टर मिल गया है। पहले इस रोल के लिए आयुष्मान खुराना को अप्रोच किया गया था। वहीं टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट में कहा गया था कि, ड्रीम गर्ल फेम आयुष्मान ने इस फिल्म को करने के लिए हामी भर दी है।कहा जा रहा है कि, राजकुमार राव सौरव गांगुली की बायोपिक के लिए उनका रोल निभा सकते हैं।

नन्हें खा मेमोरियल सीनियर क्रिकेट लीग

चंबल स्पोर्ट्स की जीत में रोहन, धर्मेश व अभय के शतक

जयपुर, 24 जनवरी। चंबल स्पोर्ट्स द्वारा आयोजित नन्हें खा मेमोरियल सीनियर क्रिकेट लीग में आज संस्कार ग्राउंड में खेले गए मैच में चंबल स्पोर्ट्स ने राजस्थान यूथ को 6 विकेट से हराया। टॉस जीत कर राजस्थान यूथ ने अभय शर्मा के शानदार शतक 140 रन, प्रद्युम्न 60 रन, वासु 55 रनों के सहयोग से 41 ओवर में 317 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। चंबल स्पोर्ट्स की ओर से गेंदबाजी करते हुए 4, मिहित अग्रवाल 2, पूरब शर्मा रोहन राजभर ने 1-1 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए चंबल स्पोर्ट्स ने रोहन राजभर 150 नाबाद, धर्मेश 120 नाबाद शानदार शतक के सहयोग से 4 विकेट पर 320 रन बना कर जीत दर्ज की। राजस्थान यूथ की ओर से गेंदबाजी करते हुए अनुज मीणा , जतिन सैनी ने 2-2 विकेट लिए। आज के मन ऑफ द मैच रोहन राजभर रहे।

मुझे मां-बहन की गाली... तिवारी ने गौतम गंभीर पर लगाए संगीन आरोप

नई दिल्ली, 24 जनवरी। टीम इंडिया के मौजूदा हेड कोच गौतम गंभीर और पूर्व भारतीय खिलाड़ी मनोज तिवारी एक बार फिर विवादों में हैं। दरअसल, ये दोनों पूर्व खिलाड़ी पहले भी कई बार विवाद हो चुका है। मनोज तिवारी ने लल्लनटॉप पर बात करते हुए कहा था कि, मुझे बिना किसी कारण के डांटा जाता था मुझे समझ में नहीं आता था कि वह मुझे क्यों निशाना बनाते हैं। जब 2010 में केकेआर में आया तब वह और मैं अच्छे से घुलमिल गए थे। लेकिन फिर वह अचानक मुझ पर अपना आपा खो देते थे। वह बहुत ही आहत करने वाले शब्दों का इस्तेमाल करते थे। मां-बहन की गाली देते थे। फिर जब मैंने इसके बारे में सोचना शुरू किया तो मुझे अहसास हुआ कि केकेआर के सभी स्थानीय लड़कों में से मैं ही एक ऐसा था जो लगातार अच्छा प्रदर्शन करता था। चूंकि मैं एक होनहार युवा था, इसलिए मीडिया मुझे तवज्जो दे रहा था। शायद यही वजह हो कि मेरे प्रति उनकी प्रतिक्रिया अच्छी नहीं होती थी। मेरा यही मानना है।

रवींद्र जडेजा का कहर, सौराष्ट्र ने दिल्ली को 10 विकेट से हराया

राजकोट, 24 जनवरी। रवींद्र जडेजा कुल (12 विकेट) की घतक गेंदबाजी और हार्विक देसाई (93) रनों की अर्धशतकीय पारी की बदौलत सौराष्ट्र ने रणजी ट्रॉफी ग्रुप डी के मुकाबले में दूसरे दिन शुक्रवार को दिल्ली को 10 विकेट से हराया। सौराष्ट्र ने कल के पांच विकेट पर 163 के स्कोर से आगे खेलना शुरु किया। प्रेरक मांकड़ (19) छठे विकेट के रूप में आज आउट होने वाले सौराष्ट्र के पहले बल्लेबाज थे। इसके बाद समर गज्जर (11), धर्मेंद्रसिंह जडेजा (शून्य), जयदेव उनादकट (छह) और आखिरी विकेट के रूप में अर्पित वसावड़ा (62) रन बनाकर आउट हुये। सौराष्ट्र ने अपनी पहली पारी में 271 रनों का स्कोर बनाते हुए पहली पारी के आधार पर 83 रनों की बढ़त बनाई। दिल्ली के लिए हर्ष त्यागी ने चार विकेट लिये। आयुष बढोनी को तीन विकेट मिले। दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी दिल्ली को एक बार फिर रवींद्र जडेजा के कहर का सामना करना पड़ा। सौराष्ट्र के गेंदबाजी आक्रमण के दिल्ली की पूरी टीम 25.2 ओवर में 94 रन पर सिमट गई।

जयपुर में प्रथम ओपन फिडे रेटेड रैपिड चेस टूर्नामेंट 2025 का आयोजन आज से

जयपुर, 24 जनवरी। पहेली बार पिंक सिटी जयपुर में ओपन फिडे रेटेड रैपिड चेस टूर्नामेंट 2025 का आयोजन अजमेर रोड स्थित होटल अमर पैलेस में होने जा रहा है। जस्ट हेल्थ एंड वेलनेस (जेएचडब्लू), राजस्थान चेस एसोसिएशन और अखिल भारतीय चेस फेडरेशन के तत्वावधान में आयोजित इस टूर्नामेंट में 400 से अधिक खिलाड़ी भाग ले रहे हैं, जिनमें 15 से अधिक टाईटलड खिलाड़ी जैसे ग्रैंड मास्टर, इंटरनेशनल मास्टर और फिडे मास्टर शामिल हैं। इसके अलावा, 200 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय रेटेड खिलाड़ी भी इस टूर्नामेंट में भाग लेंगे, जिससे यह प्रतियोगिता क्षेत्र की सबसे रोमांचक और उच्च-स्तरीय प्रतियोगिताओं में से एक बनेगी। चैंपियनशिप के आयोजक हेल्थ एंड वेलनेस के सीईओ, हिम्मत सिंह ने दी। कार्यक्रम आयोजन सचिव, जयेंद्र चतुर्वेदी ने बताया कि यह टूर्नामेंट 9-राउंड के स्विस सिस्टम के तहत खेला जाएगा, और इसमें 7,50,000 की कुल पुरस्कार राशि के साथ 100 से अधिक पुरस्कार विभिन्न श्रेणियों में प्रदान किए जाएंगे।

26 वर्षों में लगातार तीन ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीतने वाली पहली महिला सबालेंका

मैडिसन कीज ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में

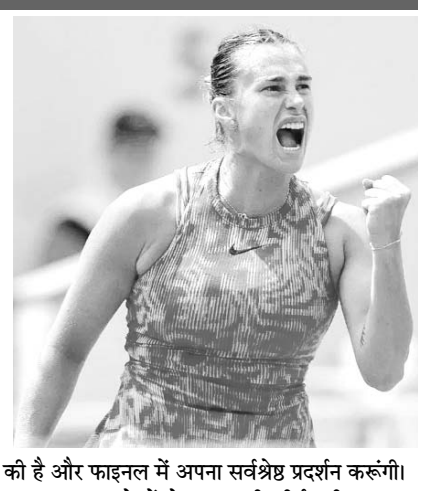

मेलबर्न, 24 जनवरी। अमेरिका की मैडिसन कीज ने विश्व की दूसरे नंबर की खिलाड़ी पोलैंड की इगा स्वियाटेक को हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में जगह बना ली है जहाँ उनका मुकाबला दो बार की गत विजेता आर्यना सबालेंका से होगा। आज यहां दो घंटे 35 मिनट तक चले मुकाबले में कीज ने पाँच बार की ग्रैंड स्लैम विजेता स्वियाटेक पर 5-7, 6-1, 7-6 (10-8) से चौंका देने वाली जीत दर्ज करते हुए अपने करियर के दूसरे बड़े फाइनल मुकाबले में जगह बनाई। पहले सेट में स्वियातेक ने अपने अनुभव और शानदार बैकहैंड के दम पर बढ़त बनाई। लेकिन कीज ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए यह सेट 7-5 से जीत लिया। इसके बाद दूसरे सेट में कीज ने आत्मविश्वास के साथ खेलते हुए स्वियातेक को 6-1 से हराया। तीसरा सेट संघर्ष पूर्ण रहा। टाईब्रेक में स्वियाटेक ने मैच पॉइंट हासिल किया, लेकिन कीज ने ध्यान और धैर्य से खेलते हुए बाजी पलट दी। मैच के बाद मैडिसन कीज ने कहा, मैं यहां तक पहुँचने के लिए बहुत मेहनत की है और फाइनल में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूंगी।

एक अन्य मुकाबले में बेलारूस की शीर्ष वरीयता प्राप्त सबालेंका ने करीबी मित्र पाउला बडोसा पर 6-4, 6-2 की शानदार जीत के साथ 26 वर्षों में लगातार तीन ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीतने वाली पहली महिला बनने का मौका हासिल किया। मैच के बाद सबालेंका ने कहा, मेरे रोंगटे खड़े हो गए हैं। मुझे खुद पर और अपनी टीम पर बहुत गर्व है कि हम स्वयं को ऐसी स्थिति में लाने में सक्षम थे। उन्होंने कहा, अगर मैं अपना नाम इतिहास में दर्ज कराती हूं तो यह मेरे लिए बहुत बड़ी बात होगी। मैं इसके बारे में सपने में भी नहीं सोच सकती थी।

जय शाह ने एमसीसी के सलाहकार परिषद की ग्रहण की सदस्यता

दुबई, 24 जनवरी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अध्यक्ष जय शाह ने मेरीलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) के नए सलाहकार परिषद की सदस्यता ग्रहण कर ली है। यह सलाहकार परिषद् पुरानी विश्व क्रिकेट कमेटी की जगह लेगी। शाह अब पूर्व एमसीसी अध्यक्ष कुमार संगाकारा की अगुवाई वाले 13 सदस्यीय क्रिकेट कनेक्ट्स सलाहकार परिषद के संस्थापक सदस्य हैं। इस दौरान एमसीसी ने घोषणा करते हुए कहा कि दूसरा विश्व क्रिकेट कनेक्ट्स फोरेम सात और आठ जून को लॉर्ड्स में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल से ठीक पहले आयोजित होगा।

एमसीसी अध्यक्ष मार्क निकोलस ने कहा, क्रिकेट के कुछ महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा करने हेतु क्रिकेट के कुछ सबसे प्रभावी चेहरों का स्वागत करने के लिए हम तैयार हैं। यह नयी सलाहकार परिषद 2006 की गर्मियों में गठित विश्व क्रिकेट कमेटी की जगह लेगी। इस परिषद के अन्य संस्थापक सदस्यों में सौरव गांगुली, ग्रेम स्मिथ, ऐंड्रयू स्ट्राउस, हेदर नाईट और जियो स्टार के मुख्य कार्यकारी (खेल) संजोग गुप्ता का भी नाम है।

भारत-इंग्लैंड के बीच चेन्नई में खेला जाएगा दूसरा टी20

चेन्नई, 24 जनवरी। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज का दूसरा मुकाबला शनिवार, 25 जनवरी को चेन्नई के एम ए चिंदबरम स्टेडियम में खेला जाएगा। सीरीज का पहली मुकाबला कोलकाता में खेला गया था। भारत को इस मैच में सात विकेट से जीत मिली थी। भारतीय टीम चाहेगी कि वह ये मुकाबला जीतकर सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल कर ले, वहीं इंग्लैंड इस मैच को जीतकर सीरीज को बराबर करना चाहेगी। अगर मैच के दौरान चेन्नई के मौसम की बात करें तो ये खिलाड़ियों का पूरा साथ दे सकता है।भारत और इंग्लैंड के बीच खेले जाने वाले दूसरे टी20 मुकाबले के मौसम की बात करें तो फैंस के लिए खुशखबरी है। शनिवार को बारिश की आशंका ना के बराबर है। चेन्नई का मौसम ज्यादातर गर्म रहता है। लेकिन शनिवार को मौसम में थोड़ी नमी रह सकती है। तापमान की बात करें तो ये 23 डिग्री से लेकर 29 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है।

टीम इंडिया ने पहले मुकाबले में बगैर मोहम्मद शमी के इंग्लैंड को आसानी से धूल चटा दी थी। अर्शदीप सिंह की अगुवाई में भारत के गेंदबाजों ने शानदार गेंदबाजी करते हुए इंग्लैंड के बल्लेबाजों को मुश्किल में डाल दिया था। चेन्नई में खेले जाने वाले इस मुकाबले में मोहम्मद शमी की वापसी हो सकती है। भारत ने पहले मैच में अर्शदीप सिंह के रूप में सिर्फ एक स्पेशलिस्ट तेज गेंदबाज खिलाया था। टीम इंडिया चैंपियंस ट्रफी से पहले शमी से गेंदबाजी करा के उनका मैच फिटनेस टेस्ट करना चाहेगी। हालांकि, जिस तरह से कोलकाता में भारत ने स्पिनर्स खिलाए थे उसी तरह चेन्नई में भी देखने को मिल तो हैरानी नहीं होगी।

वेलिंग्डन ओपन स्क्वैश में दिव्यांशी और गौरवी ने जीते खिताब, धैर्य को कांस्य

जयपुर, 24 जनवरी। राजस्थान की दिव्यांशी जैन अपना बेहतरीन प्रदर्शन जारी रखते हुए गुरुवार के मुम्बई में संपन्न वेलिंग्डन ओपन स्क्वैश चैंपियनशिप में अंडर-13 गर्ल्स का एकल खिताब जीत लिया। अंडर-9 मिक्स्ड कैटेगरी में राजस्थन की गौरवी अजमेरा चैंपियन बनी, जबकि धैर्य गोगिया ने कांस्य पदक अपने नाम किया। जयपुर में राजस्थान स्क्वैश एकेडमी की दिव्यांशी जैन ने फाइनल मुकाबले में महाराष्ट्र की क्यारा गडा को सीधे सेटों में 11-4, 11-6, 11-2 से आसानी से हरा खिताब अपने नाम किया। दिव्यांश ने इससे पहले सेमी फाइनल में तमिलनाडु की नंदिकाश्री कलाईवानन को 11-5, 11-4, 11-4 से हरा फाइनल में जगह बनाई थी।

दिव्यांशी हाल ही स्कॉटलैंड में स्कॉटिश ओपन में उपविजेता रही। वह अंडर-13 गर्ल्स के फाइनल में पाकिस्तान की मेहनूर अली से हार गई थी। दिव्यांशी ने इसके बाद पिछले सप्ताह ही मुम्बई में संपन्न अवाडा ऑटर्स ओपन का खिताब जीता। वहां भी फाइनल में दिव्यांसी ने कियारा गडा को ही 12-10, 11-4, 11-7 से शिकस्त दी।

वेलिंग्डन ओपन के अंडर-9 मिक्स्ड कैटेगरी में जयपुर की गौरवी अजमेरा ने महाराष्ट्र के शौनिक महलोत्रा को 11-2, 11-7 से हरा खिताब पर कब्जा किया। वहीं जयपुर को धैर्य गोगिया बॉयज अंडर-13 कैटेगरी में तीसरे स्थान पर रहे। सेमी फाइनल में दिल्ली के अमार्या बजाज से हार के बाद गोगिया ने तीसरे स्थान के लिए हुए मुकाबले में राजस्थान के ही प्रभव बाजौरिया को 11-6, 11-5, 6-11, 11-8 से शिकस्त दी।

महिपाल लोमरोर व समर्प्रित के अर्धशतक

जयपुर, 24 जनवरी। राजस्थान क्रिकेट संघ की मेजबानी में जयपुर में खेली जा रही बीसीसीआई की राष्ट्रिय सीनियर रणजी ट्रॉफी के जयपुर में के एल सैनी स्टेडयम पर खेले जा रहे राजस्थान - विधर्भ रणजी मैच के दूसरे दिन राजस्थान के कप्तान महिपाल लोमरोर व समर्प्रित जोशी ने शानदार अर्धशतकीय पारी से विधर्भ के विरुद पहली पारी में टीम को महत्वपूर्ण बढ़त दिलाई व दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक राजस्थान के गेंदबाजों ने विधर्भ के शीर्षक्रम के 4 बल्लेबाओं को पवेलियन लौटाते हुए मैच में राजस्थान की पकड़ को मजबूत किया।

राजस्थान पहली पारी 265 आल आउट

राजस्थान ने अपनी पहली पारी में कप्तान महिपाल लोमरोर व समरप्रीत जोशी की अर्धशतकीय पारियों की सहायता से विधर्भ की मजबूत टीम के विरुद 100 रनो की महत्वपूर्ण बढ़त प्राप्त की।

हेवेट व रीड ने छठी बार जीता ऑस्ट्रेलियन ओपन व्हीलचेयर युगल खिताब

मेलबर्न, 24 जनवरी। ब्रिटेन के अल्फी हेवेट और गॉर्डन रीड की जोड़ी ने स्पेन के डेनियल कैवरजास्की और फ्रांसीसी स्टीफन हाउडेट की जोड़ी को हराकर छठी बार ऑस्ट्रेलियन ओपन व्हीलचेयर युगल खिताब जीता तथा एंडी लैपथॉर्न ने क्वाड युगल फाइनल में जीत हासिल की। शीर्ष वरीयता प्राप्त हेवेट और रीड की जोड़ी ने मेलबर्न पार्क में स्पेन के डेनियल कैवरज़ास्की और फ्रांसीसी स्टीफन हाउडेट को 6-2, 6-4 से हराया। यह युगल स्पर्धा में उनका 22वां ग्रैंड स्लैम खिताब है। वहीं लैपथॉर्न और डचमैन सैम श्रोडर की जोड़ी ने शीर्ष वरीयता प्राप्त नीदरलैंड के नील्स विंक और इज़रायल के गाइ सैसन के खिलाफ 6-1, 6-4 से जीत के साथ क्वाड व्हीलचेयर युगल स्पर्धा में जीत हासिल की। चौंतीस वर्षीय लैपथॉर्न ने अब तक मेलबर्न में आठ डबल्स युगल मुकाबले जीते हैं। क्वाड व्हीलचेयर में तीन श्रेणियां होती हैं, पुरुष, महिला और क्वाड्स। प्रत्येक श्रेणी में एकल और युगल टूर्नामेंट हैं। क्वाड, सबसे नया डिवीजन है। यह उन खिलाड़ियों के लिए है जिनके कम से कम एक ऊपरी अंग में काफी कमी है, लेकिन इसमें क्वाड्रिप्लेजिया के अलावा कई अन्य दिव्यांगताएं भी शामिल हो सकती हैं। हेवेट (27) शनिवार को जापान के विश्व नंबर एक टोकिटो ओडा के खिलाफ व्हीलचेयर एकल फाइनल में भिड़ेंगे।

चोटिल जोकोविच ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल से हटे, ज्वेरेव फाइनल में:- सर्बिया के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच को शुक्रवार को चोट के कारण ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 के सेमीफाइनल मैच से हटना पड़ा और जिसके बाद उनके प्रतिद्वंद्वी जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंच गये हैं। आज यहां रॉड लेवर एरिना में खेले गये मुकाबले में ज्वेरेव से पहला सेट 81 मिनट में 7-6(5) से हारने के बाद चोटिल जोकोविच मैच से रिटायर होना पड़ा। ज्वेरेव का फाइनल में मुकाबला जैनिक सिनर और बेन शेल्टन के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा।

जयपुर पोलो सीजन 2025: राजमाता गायत्री देवी मेमोरियल कप के दोनों सेमीफाइनल आज

जयपुर, 24 जनवरी। जयपुर पोलो सीजन 2025, राजमाता गायत्री देवी मेमोरियल कप (06 गोल) शनिवार को दो सेमीफाइनल मैच खेले जाएंगे। पीपीसी ग्राउंड पर पहला सेमीफाइनल मैच डेल्टा पोलो और सुजान इंडियन टाईगर्स के बीच दोपहर 12.30 खेला जाएगा।

पहले सेमीफाइनल की दोनों टीमें इस प्रकार है।

सुजान इंडियन टाइगर्स-सरदार जैसल सिंह 0, कुलदीप सिंह राठौड़ 2, भवानी सिंह कालवी 2, अंगद कलां 2

डेल्टा पोलो- विश्वरूप बजाज 0, अक्षय मलिक 0, अभिमन्यु पाठक 3, जुआनकल मराम्बियो 3

दूसरा सेमीफाइनल मैच जयपुर और बैंगलोर ग्रेज/कृष्णा पोलो के बीच शाम 4 बजे रामबाग पोलो ग्राउंड पर खेला जाएगा।

दूसरे सेमीफाइनल की दोनों टीमें इस प्रकार है।

बैंगलोर ग्रेज़/कृष्णा पोलो-अनिरुद्ध मावाजी 0, अश्विनी शर्मा 0, नवीन सिंह 2, डैनियल ओटामेंडी 4

जयपुर- देवव्रत सिंह झालामंड -2, राव हिम्मत सिंह बेदला 1, लांस वाटसन 4, महाराजा सवाई पद्मनाभ 3।

शुभांकर-कुशाग्र ने शांति एशियाटिक स्कूल को फाईनल जिताया

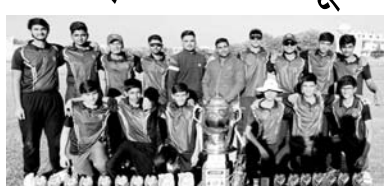

जयपुर, 24 जनवरी। क्रॉस ओवर क्रिकेट एकेडमी द्वारा आयोजित इन्टर स्कूल चैलेन्जर ट्रोफी के अन्तर्गत आज खेले गये फाईनल मैच में शान्ति एशियाटिक स्कूल के कुशाग्र औझा 83 रन (65 गेन्द, 9 चौके, 1 छक्का) तथा शुभांकर त्यागी 75 रन व 6 रन पर 5 विकेट के ऑल राउण्ड प्रदर्शन की बदोलत सेन्ट टैरेसा स्कूल को 102 रन से हरा कर फाईनल मैच जीत लिया। टॉस जीतकर शान्ती एशियाटिक स्कूल ने पहले बल्लेबाजी करते हुये शुभांकर त्यागी 75 रन (95 गेंद 5 चौके 1 छक्का) के साथ मध्य क्रम में बल्लेबाजी करने उतरे बाये हाथ के बल्लेबाज कुशाग्र औझा ने शानदार बल्लेबाजी करते हुये कुशाग्र औझा 83 रन (65 गेन्द, 9 चौके, 1 छक्का) तथा वर्मा 47 रन पर 2 विकेट, दक्ष चौधरी 40 रन पर 2 विकेट लेकर सफल गेन्दबाज रहे। जवाबी पारी में सेन्ट टैरेसा स्कूल ने प्रशांत सिंह 54 रन तथा आरव खान 23 रन नाबाद को छोडकर कोई भी बल्लेबाज शांति एशियाटिक स्कूल के गेन्दबाजो शुभांकर त्यागी 6 रन पर 5 विकेट, रौनक राकेश गुप्ता 38 रन पर 4 विकेट की गेन्दबाजी के समक्ष नही टिक सके तथा पूरी टीम 24.2 ओवर में 138 रन बनाकर सिमट गई। गेन्द बाजी में सेन्ट टैरेसा स्कूल की ओर से आरव खान 35 रन पर 4 विकेट, अभिषेक ओशनिक ग्रोवर 35 रन के साथ मिलकर शानदार बल्लेबाजी करते हुये निर्धारित 40 ओवर में 240 रन ऑलआउट पहुँचा दिया।

51वीं राज्य स्तरीय शर्मा-माथुर क्रिकेट प्रतियोगिता, जयपुर ब्लूज़ सेमीफाईनल में पंहुची

जयपुर, 24 जनवरी। बनीपार्क क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 51वीं राज्य स्तरीय शर्मा-माथुर क्रिकेट प्रतियोगिता के अन्तर्गत आज जी.आर. क्रिकेट ग्राउण्ड सिरसी में खेले गये क्वार्टर फाईनल मुकाबले में प्रवीण शर्मा 79 रन तथा कुणाल सिंह 57 रन की अद्धर्शतकीय पारियों व विनय चौधरी 44 रन पर 6 विकेट की घातक गेंदबाजी की मदद से जयपुर ब्लूज ने नीलकमल क्रिकेट क्लब को 158 रन से हराकर सेमीफाईनल में प्रवेश किया। टॉस जीतकर जयपुर ब्लूज़ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए प्रवीण शर्मा 79 रन, कुणाल सिंह 57 रन, राहुल चौधरी 41 रन, योगेन्द्र काकोड़िया 29 रन, हिमांशु सिंह राणा 41 रन नाबाद, रोहित खीचड़ 21 रन, शुभम पटवाल 15 रन, विनय चौधरी 15 रन नाबाद की मदद से निर्धारित 40 ओवरों में 7 विकेट खोकर 320 रन बनाये। गेंदबाजी में नीलकमल क्लब की ओर से जसवंत चौधरी 57 रन पर 3 विकेट तथा ऋषभ मोदी, भंवर, राहुल शर्मा, भवानी सुथार प्रत्येक 1-1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहे। जवाबी पारी में नीलकमल क्रिकेट क्लब ने साकेत शर्मा 56 रन, जितेन्द्र यादव 27 रन, दर्शन जैन 25 रन ने तेजी से रन बनाना प्रारम्भ किया। लेकिन विनय चौधरी 44 रन पर 6 विकेट रोहित खीचड़ 8 रन पर 2 विकेट तथा हेमन्त व हिमांशु सिंह राणा प्रत्येक 1-1 विकेट की शानदार की बाजी के समक्ष मध्यक्रम का कोई बल्लेजबाज नहीं टिक सका और नीलकमल की पूरी टीम 23.1 ओवर में 162 रन पर सिमट गई और जयपुर ब्लूज़ ने 158 रन से मैच जीत लिया। इस मैच का मैन ऑफ द मैच विनय चौधरी 44 रन पर 6 विकेट जयपुर ब्लूज़ रहे।

राजस्थान शूटिंग के खिलाड़ियों ने स्वर्ण, रजत व कांस्य सहित कुल 80 पदक जीते

जयपुर, 24 जनवरी। राजस्थान राज्य की शूटिंग टीम के खिलाड़ियों ने 67वीं राष्ट्रीय शूटिंग चैंपियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 10 मीटर, 25 मीटर, 50 मीटर और शॉटगन की विभिन्न श्रेणियों में कई पदक हासिल किए हैं। नेशनल राइफल एसोसिएशन द्वारा आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में सभी राज्यों से हजारो की संख्या में खिलाड़ियों ने भाग लिया जिसमे राजस्थान के निशानेबाजों ने असाधारण कौशल और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन करते हुए अपना दबदबा बनाया। प्रतिभा के उल्लेखनीय प्रदर्शन में, राज्य के एथलीटों ने अपनी-अपनी श्रेणियों में स्वर्ण, रजत और कांस्य सहित कुल 80 पदक जीते। इन निशानेबाजों की उपलब्धियाँ कठोर प्रशिक्षण कार्यक्रमों और राजस्थान में शूटिंग खेलों की बढ़ती प्रमुखता का प्रमाण हैं। जिससे राष्ट्रीय शूटिंग परिदृश्य में एक पावरहाउस के रूप में राजस्थान राज्य की प्रतिष्ठा मजबूत हुई और प्रभावशाली उपलब्धियों ने राज्य को गौरवान्वित किया है।

67वीं राष्ट्रीय शूटिंग चैंपियनशिप, जिसमें पूरे भारत के शीर्ष निशानेबाजों से कड़ी प्रतिस्पर्धा देखी गई, राजस्थान के एथलीटों के लिए शूटिंग खेलों में उत्कृष्टता के लिए अपनी शक्ति और प्रतिबद्धता प्रदर्शित करने का एक उत्कृष्ट मंच था और भविष्य में भी रहेगा। खिलाड़ियों की इस सफलता पर राजस्थान राइफल एसोसिएशन के पाधिकारियो ने बहुत गर्व व्यक्त किया और एथलीटों को उनके उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए सभी पदक विजेताओं को बधाई दी। "हमें अपने निशानेबाजों पर बेहद गर्व है। उनकी कड़ी मेहनत, समर्पण और दृढ़ता के कारण यह अविश्वसनीय सफलता मिली है। यह उपलब्धि न केवल व्यक्तिगत प्रतिभा का प्रतिबिंब है, बल्कि राजस्थान में शूटिंग खेलों की निरंतर वृद्धि का भी प्रतिबिंब है"। राजस्थान राइफल एसोसिएशन (आरआरए) ने एथलीटों को बेहतर सुविधाएं, प्रशिक्षण और सहायता प्रदान करके राज्य में खेल को और बढ़ावा देने के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की है। 67 वीं राष्ट्रीय शूटिंग चैंपियनशिप में यह सफलता भारतीय खेलों में अग्रणी राज्य बनने की राजस्थान की चल रही यात्रा में एक और मील का पत्थर है।

राजस्थान शूटिंग: देहरादून में 38वें राष्ट्रीय खेलों के लिए 20 एथलीटों का चयन

जयपुर, 24 जनवरी। राजस्थान राइफल एसोसिएशन को 20 प्रतिभाशाली एथलीटों के चयन की घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है जो देहरादून में होने वाले आगामी 38वें राष्ट्रीय खेलों में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह आयोजन दिनांक 28 जनवरी 2025 से 14 फ़रवरी 2025 तक आयोजित किये जायेंगे। इस प्रतिष्ठित आयोजन में देश भर के शीर्ष निशानेबाजों की भागीदारी होगी और राजस्थान का दल राष्ट्रीय मंच पर अपनी छाप छोड़ने के लिए तैयार है। इस प्रतियोगिता में राजस्थान के दिग्गज खिलाडी ओलिंपियन, एशियाई गेम्स, वर्ल्ड कप, कॉमनवेल्थ, नेशनल और इंटरनेशनल मेडलिस्ट चयनित एथलीटों ने कठोर चयन प्रक्रिया के दौरान अपनी-अपनी श्रेणियों में असाधारण कौशल और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया है। राष्ट्रीय खेलों में उनका शामिल होना उनकी कड़ी मेहनत और राजस्थान राइफल एसोसिएशन द्वारा लागू किए गए मजबूत प्रशिक्षण कार्यक्रमों का प्रमाण है। राष्ट्रीय खेल पूरे भारत में खेल भावना को बढ़ावा देने और प्रतिभा के पोषण के लिए एक महत्वपूर्ण मंच हैं। अनुभवी प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में राजस्थान के निशानेबाज उत्कृष्ट परिणाम हासिल करने और राज्य को गौरवान्वित करने के लिए आश्वस्त हैं।

रामजल सेतु परियोजना के लिये बारां में भूमि आवंटन को मंजूरी

■ मुख्यमंत्री भजनलाल ने बारां के साथ रीको को पेट्रोज़ोन के लिये बोरावास में भूमि आवंटन का निर्णय लिया।

जयपुर, 24 जनवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य में ईआरसीपी परियोजना, जिसका नया नाम रामजल सेतु लिंक परियोजना है, के कार्यों को गति प्रदान करने और बारां जिले में जनजाति बहुल क्षेत्र का विकास सुनिश्चित करने के उद्देश्य से भूमि आवंटन के महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। शर्मा ने रीको को राजस्थान पेट्रोज़ोन की स्थापना के लिए भूमि आंवटन की स्वीकृति भी प्रदान की है।

मुख्यमंत्री ने बजट घोषणा 2024-25 के क्रम में, कोटा संभाग में बालिका सैनिक विद्यालय की स्थापना के लिए कोटा जिले की रामगंजमण्डी तहसील में 22 हैक्टेयर भूमि का आंवटन स्कूल शिक्षा विभाग को करने की स्वीकृति प्रदान की।

मुख्यमंत्री ने ईआरसीपी परियोजना के अन्तर्गत, बांरा जिले में रामगढ एवं महलपुर बैराज के निर्माण से डूब क्षेत्र में होने वाले विस्थापितों एवं प्रभावित परिवारों को अन्यत्र बसाने हेतु आबादी के लिए ग्राम कोयला में 35 हैक्टेयर भूमि आंवटन की स्वीकृति प्रदान की। इसी प्रकार, वन भूमि प्रत्यावर्तन के तहत तहसील शाहाबाद की 381 हैक्टेयर भूमि एवं तहसील किशनगंज की 551 हैक्टेयर भूमि वन विभाग को आंवटित करने की मंजूरी दी गई है, इससे ईआरसीपी परियोजना के अन्तर्गत किये जाने वाले विभिन्न विकास कार्यों के लिए आवश्यक भूमि उपलब्ध हो सकेगी।

एक अन्य निर्णय के अंतर्गत, अनुसूचित जनजाति बहुल क्षेत्रों की महत्वाकांक्षी पीएम जनमन योजना के तहत बारां जिले की स्वीकृत 14 सड़कों के निर्माण के लिए वन भूमि प्रत्यावर्तन के अंतर्गत 21 हैक्टेयर भूमि के आवंटन की स्वीकृति प्रदान की गई।

मुख्यमंत्री ने पचपदरा रिफाइनरी के पास राजस्थान पेट्रोज़ोन की स्थापना के लिए रीको को पचपदरा तहसील (बालोतरा) के ग्राम बोरावास में 97 हैक्टेयर भूमि और ग्राम बागुण्डी में 26 हैक्टेयर भूमि के आंवटन की स्वीकृति दी है। इससे राज्य में औद्योगिक विकास को गति मिलेगी और युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।

स्वास्थ्य ठीक होते ही राहुल दिल्ली में प्रचार करेंगे

नयी दिल्ली, 24 जनवरी। कांग्रेस ने कहा है कि पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की तबीयत नासाज है, जिसके कारण वे दिल्ली विधानसभा चुनाव में प्रचार नहीं कर पा रहे हैं लेकिन जैसे ही स्वस्थ होंगे, वे तेजी से चुनाव प्रचार में जुट जाएंगे।

कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने शुक्रवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में पत्रकारों के सवाल पर कहा कि गांधी की तबीयत नासाज है और वह जैसे ही स्वस्थ होंगे दिल्ली विधानसभा चुनाव में पार्टी प्रत्याशियों के समर्थन में प्रचार आरंभ कर देंगे।

पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के चुनाव प्रचार में नहीं उतरने संबंधी सवाल पर उन्होंने कहा कि वे पार्टी के शीर्ष नेताओं में शुमार हैं और जब प्रचार तेज होगा तो वे भी पार्टी प्रत्याशियों के समर्थन में चुनाव प्रचार शुरू कर देंगी।

मुख्यमंत्री ने लाइम स्टोन व लैड-ज़िंक ब्लॉक की ई-नीलामी को अनुमति दी

■ इस अनुमति के बाद जैसलमेर, कोटा तथा सवाई माधोपुर जिले के ब्लॉक की अधिसूचना जारी होगी।

■ हाल ही कोणार्क में आयोजित नैशनल माइन मिनिस्टर्स कॉन्फ्रैंस में वर्ष 2023-24 में देश में सर्वाधिक मेजर मिनरल ब्लॉक के ऑक्शन करने पर राजस्थान को प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

जयपुर, 24 जनवरी। जैसलमेर, कोटा और सवाई माधोपुर जिलों में विभिन्न खनिज ब्लॉक्स की ई-नीलामी हेतु अधिसूचना जारी की जाएगी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इन लाईमस्टोन खनिज ब्लॉक्स एवं लैड-जिंक ब्लॉक की ई-नीलामी की अनुमति का अनुमोदन किया है।

मुख्यमंत्री के अनुमोदन के उपरान्त अब जैसलमेर जिले में खनिज लाईमस्टोन के ब्लॉक पारेवार (-) 960 हैक्टेयर क्षेत्र, पारेवार (-) 928 हैक्टेयर क्षेत्र, पारेवार (-) 960 हैक्टेयर क्षेत्र एवं पारेवार-ए (400 हैक्टेयर क्षेत्र), कोटा जिले में लाईमस्टोन के पूर्वेक्षित ब्लॉक निनामा-दुनिया एक्सटेंशन (408.2974 हैक्टेयर क्षेत्र), जैसलमेर जिले में लाईमस्टोन के खाबिया (200.4766 हैक्टेयर क्षेत्र) एवं खाबिया ईस्ट ब्लॉक (205.9798 हैक्टेयर क्षेत्र) और सवाईमाधोपुर जिले के चौथ का बरवाड़ा में लेड-जिंक ब्लॉक (984.5951 हैक्टेयर क्षेत्र) के कम्पोजिट लाइसेंस में ई-नीलामी की अधिसूचना जारी की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य में मिनरल ब्लॉक्स के ऑक्शन में पूरे देश में नया कीर्तिमान स्थापित हुआ है। ओडिशा के कोणार्क में हाल ही आयोजित नेशनल माइंस मिनिस्टर्स कॉन्फ्रेंस में वर्ष 2023-24 में देश में सर्वाधिक मेजर मिनरल ब्लॉक के ऑक्शन पर राजस्थान को प्रथम पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया गया है। पिछले एक साल में खनन क्षेत्र में खनिज खोज से लेकर माइनर एवं मेजर मिनरल ब्लॉक्स के ऑक्शन, एमनेस्टी योजना, ड्रोन सर्वे और एकबारीय समाधान योजना, नई और प्रगतिशील खनिज नीति, एम-सैण्ड नीति से प्रदेश में खनन उद्यमियों एवं खननकर्ताओं में निवेश का सकारात्मक माहौल बना है।

राज्य सरकार के प्रयासों से गत वित्त वर्ष में खनन क्षेत्र में 7 हजार 460 करोड़ 48 लाख रूपये का रिकॉर्ड राजस्व अर्जित किया गया। वित्त वर्ष 2023-24 में प्रदेश में 31 मेजर मिनरल ब्लॉक्स की नीलामी की गई, जिनमें से वर्तमान राज्य सरकार के पहले तीन माह में ही 15 मेजर मिनरल ब्लॉक्स की नीलामी केन्द्र सरकार के पोर्टल के माध्यम से की गई। वर्तमान में प्रदेश में खनन क्षेत्र में लगभग 35 लाख लोगों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्राप्त हो रहा है। राज्य सरकार द्वारा राजस्थान खनिज नीति-2024 एवं एम-सेण्ड नीति-2024 लाकर महत्वपूर्ण नीतिगत सुधार किए गए हैं। इसके माध्यम से राज्य जीडीपी में खनन क्षेत्र की हिस्सेदारी को 3.4 प्रतिशत से बढ़ाकर वर्ष 2029-30 तक 5 प्रतिशत और 2046-47 तक 8 प्रतिशत तक ले जाने का लक्ष्य है। साथ ही, इन नवाचारों से खनन क्षेत्र में रोजगार सृजन को भी गति मिलेगी।

कोलकाता रेप मर्डर केस, हाईकोर्ट में अपील की सीबीआई ने

सीबीआई ने अपील के आरोपी संजय रॉय को मौत की सजा देने की मांग की है

■ आरोपी संजय रॉय को सत्र अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

कोलकाता, 24 जनवरी। केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने शुक्रवार को कलकत्ता उच्च न्यायालय में एक अपील दायर कर आरजी कर अस्पताल के प्रशिक्षु डॉक्टर से बलात्कार और हत्या के मामले दोषी करार दिये गये सिविक वालंटियर संजय रॉय के लिए मौत की सजा की मांग की। संजय रॉय को एक सत्र अदालत ने सोमवार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

अदालत के सूत्रों ने यह जानकारी दी। सीबीआई का नवीनतम कदम पश्चिम बंगाल सरकार की मंगलवार की याचिका पर आपत्ति जताने के बाद हुआ, जिसमें सियालदह की सत्र अदालत द्वारा सिविक वालंटियर को हत्या का दोषी पाए जाने और उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाए जाने के बाद रॉय के लिए मौत की सजा की भी मांग की गई थी।

न्यायमूर्ति देबांग्शु बसाक की अध्यक्षता वाली युगल पीठ के समक्ष यह मामला सीबीआई के अधिवक्ता राजदीप मजूमदार ने पेश किया। सूत्रों ने बताया कि उन्होंने कहा कि एजेंसी ने शुक्रवार को मामले की ई-फाइलिंग पूरी कर ली है और उम्मीद है कि सोमवार को मामला सामने आएगा। इससे पहले, सत्र न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति अनिर्बान दास ने पश्चिम बंगाल सरकार को पीड़ित परिवार को 17 लाख रुपये मुआवजा देने का भी आदेश दिया।

गौरतलब है कि एक 31 वर्षीय महिला रेजिडेंट डॉक्टर के साथ नौ अगस्त की सुबह उसके कार्यस्थल आरजी कर अस्पताल की तीसरी मंजिल पर व्यापक धारणा थी कि एक से अधिक लोगों ने बलात्कार किया और उसकी हत्या कर दी, लेकिन उपलब्ध सबूत मिलने के बाद, संजय रॉय एकमात्र अपराधी के रूप में उभरा और मामले में 50 गवाह पेश हुए।

'दिल्ली में रहने वाले पूर्वांचल वासियों के लिये अलग मंत्रालय बनायेंगे'

कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने दिल्ली प्रदेश मुख्यालय पर प्रेस कॉन्फ्रेंस में घोषणा की

■ कांग्रेस नेता अखिलेश प्रसाद सिंह ने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी तथा भारतीय जनता पार्टी पूर्वांचल के लोगों का इस्तेमाल वोट बैंक की तरह करते हैं। उनके उत्थान के लिये कुछ नहीं करते।

नयी दिल्ली, 24 जनवरी। कांग्रेस ने दिल्ली की सत्ता में आने पर पूर्वांचल के लोगों के उत्थान के लिए अलग मंत्रालय बनाने और बजट का प्रावधान करने का वादा किया है!

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में पूर्वांचल का सूर्योदय नाम से आयोजित संवाददाता सम्मेलन में इसकी घोषणा पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता अखिलेश प्रसाद सिंह ने की। इस मौके पर अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के सोशल मीडिया की प्रमुख सुप्रिया श्रीनेत, कन्हैया कुमार, प्रणव झा और अभय दुबे उपस्थित थे।

सिंह ने कहा दिल्ली में पूर्वांचल के लोगों की स्थिति अत्यंत दयनीय है। मैं चुनाव प्रचार के लिए कल संगम विहार गया था, जहां पाया कि पूर्वांचल के लोग बदहाल स्थिति में रह रहे हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी पूर्वांचल के लोगों का इस्तेमाल वोट बैंक की खातिर करती है, लेकिन पूर्वांचल के लोगों के उत्थान के लिए कोई कार्य नहीं करती है।

उन्होंने कहा, अगर कांग्रेस दिल्ली की सत्ता में आती है तो पूर्वांचल के लोगों के लिए अलग मंत्रालय बनाया जाएगा। इसके लिए बजट का भी निर्धारण किया जाएगा।

श्रीनेत ने कहा कि पूर्वांचलियों ने देश के कोने-कोने में जाकर देश में सृजन करने का काम किया है, लेकिन जब पूर्वांचलियों के हक की बात आती है तो उनके साथ बेईमानी की जाती है।

उन्होंने आम आदमी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा, हम भूले नहीं हैं कि अरविंद केजरीवाल ने कहा था कि यूपी-बिहार के लोग 500 रुपये का टिकट लेकर आते हैं और 5 लाख का इलाज करवाते हैं।

उन्होंने ये भी कहा कि पूर्वांचलियों को रोहिंग्या कहने का पाप बीजेपी करती है।

उन्होंने कहा कि पूर्वांचल के लोग न सिर्फ पूर्वांचल का गौरव बढ़ाते हैं, बल्कि वे इस देश के नागरिक हैं, दिल्ली के नागरिक हैं उन्होंने कहा कि 30-35 लाख लोगों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है।

ऐसे में उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य सहित, तमाम मुद्दों के लिए अलग से विभाग होना चाहिए, इसलिए अगर हम दिल्ली की सत्ता में आए तो पूर्वांचल के लोगों के अलग मंत्रालय बनायेंगे और बजट का प्रावधान होगा।

जन्मजात ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

था, क्योंकि चाइनीज़ एक्सक्लूज़न एक्ट के तहत, वे अमेरिकी नागरिक नहीं थे। फिर यह मामला कोर्ट में गया था। इमिग्रेशन पर प्रतिबंधों के समर्थकों का कहना है कि यह मामला उन बच्चों पर लागू होता है जो कानूनन अप्रवासी माता-पिता की संतान थे। पर यह स्पष्ट नहीं है कि क्या यह उन बच्चों पर भी लागू होता है, जिनके माता-पिता अवैध रुप से अमेरिका में रह रहे हैं।

ब्यावर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राजस्व रिकॉर्ड के अनुसार, खसरा संख्या 16 के खातेदार रेवतराम पुत्र मालाराम मेघवाल निवासी रणसीगांव तहसील बिलाड़ा जिला जोधपुर एवं पलपाराम पुत्र रामेश्वरलाल बलाई निवासी लक्ष्मणगढ़, जिला सीकर रकबा 2.1288 हैक्टर होना पाये गये।

'नरेश मीणा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

याचिकाकर्ता ही मामले का मुख्य आरोपी है। इस पर याचिकाकर्ता के वकील ने आपत्ति जताते हुए कहा कि वीडियो से अदालत को पूर्वाग्रह से ग्रसित किया जा रहा है। मामले में चार एफआईआर दर्ज हुई हैं और दो मामलों में पुलिस ने याचिकाकर्ता को गिरफ्तार किया है। ऐसा लगता है कि सरकार उसे किसी भी तरह जेल में रखना चाहती है। इस पर अदालत ने मामले की सुनवाई एक सप्ताह के लिए टाल दी।

याचिका में अधिवक्ता डॉ. महेश शर्मा और अधिवक्ता फतेह राम मीणा ने बताया कि उप चुनाव के दौरान एसडीएम से मारपीट के आरोप में याचिकाकर्ता को गिरफ्तार किया गया था। वहीं, बाद में पुलिस और स्थानीय लोगों के बीच गतिरोध बना था। इस पर टोंक की नगरफोर्ट थाना पुलिस ने याचिकाकर्ता सहित, दर्जनों अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। याचिका में कहा गया कि घटना के समय याचिकाकर्ता पुलिस अभिरक्षा में था। ऐसे में वह लोगों को कैसे उकसा सकता है। इसके अलावा प्रकरण में 18 आरोपियों की टोंक के सेशन कोर्ट से जमानत अर्जी मंजूर हो चुकी है, जबकि हाईकोर्ट ने भी करीब 40 आरोपियों को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं। ऐसे में उसे जमानत पर रिहा किया जाए।

"इन्डैम्निटी अंडरटेकिंग"...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बीमा, राजस्थान भंडारण निगम अपने खर्च पर करवा ले और बाद में ऑरिगो कंपनी को जो राशि भुगतान की जानी है, उसमें से इसकी कटौती कर ली जाये।

मुख्य सचिव समेत वरिष्ठ अधिकारियों ने माना कि, इन दोनों कंपनियों ने शर्तों का उल्लंघन करते हुए राज्य सरकार की अरबों रु. की कृषि उपज और आमजन में वितरित की जाने वाली खाद्य सुरक्षा को खतरे में डाला है। दोनों कंपनियों के इस कारनामे से राजस्थान में महंगाई वृद्धि का खतरा भी बढ़ गया है।

गौरतलब है कि कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने गत 16 मई 2024 को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को शिकायती पत्र लिखकर इन दोनों कंपनियों को भंडारण निगम में ठेका देने की आड़ में करीब 150 करोड़ रु. का घोटाला बताया था। किरोड़ीलाल मीणा के आरोप थे कि, कल्पतरू समूह से जुड़ी यह दोनों कंपनियां श्री शुभम लॉजिस्टिक व ऑरिगो कोमोडिटीज़ पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की करीबी हैं। इन कंपनियों को ठेका देने के लिए राज्य भंडारण निगम के तत्कालीन अफसरों ने कई तरह के नियम-कायदों का उल्लंघन किया और इन कंपनियों को अवांछित फायदा पहुंचाया। ठेका लेने के बाद इन कंपनियों ने भी करीब 150 करोड़ रु. का घोटाला किया। साथ ही आमजन को वितरित किए जाने वाली खाद्य सामग्री जिसकी कीमत करीब 3000 करोड़ रु. थी, को गोदामों में बिना किसी बीमा के ही पटककर रखा। आज भी यही स्थिति है।

उल्लेखनीय है कि, श्री शुभम लॉजिस्टिक व ऑरिगो कॉमोडिटिज़ तथा राज्य भंडारण निगम के बीच का विवाद "आर्बिट्रेशन" में लंबित है, जहां एक तरफ शुभम लॉजिस्टिक करीब 70 करोड़ रु. का भुगतान मांग रही है, वहीं दूसरी ओर अनुबंध की शर्तों के उल्लंघन और सरकारी खजाने को नुकसान पहुंचाने की एवज में भंडारण निगम ने इस कंपनी पर 202 करोड़ रु. का दावा ठोक रखा है।

ज्ञात रहे कि सुप्रीम कोर्ट ने 16 मई 2024 को श्री शुभम लॉजिस्टिक को चेताया था कि वह 48 गोदामों का सही श्रेणी में बीमा करवाये, इसके बावजूद भी इस कंपनी ने जानबूझकर अदालत के आदेशों की अवहेलना की। इसके अलावा 25 अप्रैल से 12 जून 2024 तक की अवधि में भी श्री शुभम लॉजिस्टिक के 48 गोदामों का कोई बीमा नहीं था।

उत्तराखंड में भूकंप के झटके

■ उत्तरकाशी में शुक्रवार सुबह 3.5 तीव्रता के भूकम्प के दो झटके आए।

उत्तरकाशी, 24 जनवरी। शुक्रवार को पहाड़ी राज्य उत्तराखंड में सुबह-सुबह भूकंप के झटकों ने लोगों को दहला दिया है। ये भूकंप उत्तरकाशी में आया है। भूकंप के झटके लगने के बाद लोग घबराकर अपने घरों से बाहर निकल आए।

राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केन्द्र की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, उत्तरकाशी में गुरुवार को सुबह 8 बजकर 19 मिनट पर भूकंप के झटके लगे हैं। इस भूकंप की तीव्रता 3.5 दर्ज की गई है। इससे पहले सुबह 7 बजकर 41 मिनट पर कम तीव्रता का भूकंप आया था। इसकी तीव्रता 2.7 दर्ज की गई थी।

उत्तरकाशी में दूसरे भूकंप का झटका बेहद तेज था। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वरूणावत पर्वत के भूस्खलन संभावित क्षेत्र से पत्थर भी गिरने लगे। डर के मारे लोग अपने घरों से बाहर निकल आए थे। हालांकि, गुरुवार को आए इस भूकंप के कारण अब तक किसी भी जान-माल के नुकसान की खबर सामने नहीं आई है।

उत्तरकाशी में भूकंप के झटकों के बाद, जिले के डीएम डॉ.मेहरबान सिंह बिष्ट ने अधिकारियों को सभी क्षेत्रों से इसके संबंध में जानकारी लेने का निर्देश जारी किया है। इस भूकंप ने लोगों को 1991 के विनाश की याद दिला दी है। आपको बता दें कि, उत्तरकाशी में 6.6 तीव्रता का भूकंप आया था। इस भूकंप ने क्षेत्र में बड़ा विनाश मचाया था।

ममता कुलकर्णी किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर बनीं

■ बॉलीवुड की प्रसिद्ध हीरोइन रह चुकी ममता कुलकर्णी ने काफी समय पहले संयास ले लिया था।

ममता कुलकर्णी

प्रयागराज, 24 जनवरी। कभी बॉलीवुड की फेमस एक्ट्रेस रह चुकीं ममता कुलकर्णी अब किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर बन गई हैं। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में शुक्रवार को ममता कुलकर्णी किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर बनीं। पहले उन्होंने संगम में अपना पिंडदान किया। फिर अखाड़े में ही उनका पट्टाभिषेक हुआ। ममता ने काफी पहले संन्यास ले लिया था। वो साध्वी की जिंदगी जी रही थीं। हाल ही में वो 24 साल बाद भारत लौटी हैं। किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर बनने के बाद उन्हें नया नाम भी मिला है। अब वह ममता नंद गिरि के नाम से पहचानी जाएंगी।

2015 में स्थापित किन्नर अखाड़ा एक हिंदू धार्मिक संगठन है, जिसका मुख्य उद्देश्य ट्रांसजेंडर समुदाय को आध्यात्मिक और सामाजिक क्षेत्रों में समानता और मान्यता देना है। अब, ममता कुलकर्णी को महामंडलेश्वर के रूप में नियुक्त करके अखाड़ा अपने संदेश और प्रभाव को और अधिक फैलाने कोशिश कर रहा है।

किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर बनने के बाद ममता कुलकर्णी ने खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, "ये महादेव का आदेश था। महाकाली की इच्छा थी। ये मेरे गुरु का आदेश था। उन्होंने ही आज का दिन चुना। मैंने कुछ नहीं किया है... सब ईश्वर की मर्जी है।"

किन्नर अखाड़े की आचार्य महामंडलेश्वर लक्ष्मी नारायण ने ममता नंद गिरी का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि किन्नर अखाड़े ने बॉलीवुड की पूर्व एक्ट्रेस ममता कुलकर्णी को महामंडलेश्वर बनाया है। उनका नाम श्री माई ममता नंद गिरि रखा गया है। वह पिछले डेढ़ साल से किन्नर अखाड़े और मेरे संपर्क में हैं। अगर वे चाहें तो किसी भी धार्मिक पात्र का किरदार निभा सकती हैं, क्योंकि हम किसी को भी अपनी कला दिखाने से नहीं रोकते।"

रक्षा मंत्री ने युद्ध क्षेत्र निगरानी प्रणाली "संजय" को हरी झंडी दिखाई

नयी दिल्ली, 24 जनवरी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को 'युद्धक्षेत्र निगरानी प्रणाली - संजय' (बीएसएस) को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। रक्षा मंत्रालय ने बताया है कि 'संजय' एक स्वचालित प्रणाली है, जो सभी जमीनी और हवाई युद्धक्षेत्र में लगे सेंसरों से जानकारी को एकीकृत करती है।

यह प्रणाली जानकारियों की सत्यता की पुष्टि करने के लिए उन्हें संधारित करती है, दोहराव को रोकती है और उन्हें सुरक्षित सेना डेटा नेटवर्क और सैटेलाइट संचार नेटवर्क पर युद्धक्षेत्र की निगरानी परिदृश्य बनाने के लिए संबद्ध करती है। इस प्रणाली से युद्धक्षेत्र के बारे में जानकारी बढ़ेगी और एक केंद्रीकृत वेब एप्लिकेशन के माध्यम से भविष्य के युद्धक्षेत्र के बारे में कमान और सेना मुख्यालय को जानकारी भेजी जायेगी।यह प्रणाली अत्याधुनिक सेंसर और अत्याधुनिक एनालिटिक्स से लैस है।

'ईडी व एसीबी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इस मामले में गणपति ट्यूबवेल व श्री श्याम कृपा कंपनी ने इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड के फर्जी कम्पलीशन सर्टिफिकेट के जरिए, इस योजना के करीब 900 करोड रुपए के टेंडर लिए थे।

इस संबंध में इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड ने जल जीवन मिशन के अतिरिक्त मुख्य अभियंता को दो बार पत्र लिखे कि फर्जी दस्तावेजों के आधार पर टेंडर लिए हैं, लेकिन राज्य सरकार ने मामले में तब कोई भी कार्रवाई नहीं की। इसके बाद, याचिकाकर्ता संस्था ने पुलिस कमिश्नर व एसीबी को कई बार पत्र लिखे, लेकिन प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। इसके जवाब में राज्य सरकार ने कहा कि इस मिशन में घोटाला उजागर होने के बाद टीएन शर्मा के परिवाद पर एफआईआर दर्ज हो चुकी है। इस पर अधिवक्ता भंडारी ने कहा कि केवल दो फर्मों के खिलाफ केस दर्ज किया है, जबकि इस प्रकार के फर्जीवाड़े को लेकर शिकायतकर्ता ने अन्य के खिलाफ भी शिकायत की है, लेकिन उन अफसरों व अन्य लोगों को बचाया जा रहा है और उनका नाम एफआईआर में नहीं है।

दूसरी ओर, ईडी की ओर से एएसजी आरडी रस्तोगी ने कहा कि मामले में बड़ा घोटाला हुआ है। इस पर अदालत ने ईडी और एसीबी से मामले में की गई कार्रवाई का ब्यौरा मांगा है।

वक्फ बिल जेपीसी से...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विधेयक का उद्देश्य "वक्फ सम्पत्तियों को नष्ट करना" है।

मसूद ने कहा, "वे पहले ही दिन से, हर काम में बहुत जल्दबाजी कर रहे हैं, ऐसा लगता है कि वे वक्फ सम्पत्तियों को छीनना चाहते हैं। हम 25 तथा 26 जनवरी को मीटिंग करने के लिये सहमत थे, अब उन्होंने इसे 27 जनवरी के लिये खिसका दिया है। वे मनमाने तरीके से काम कर रहे हैं। वे कतई गंभीर नहीं हैं, वे तो वक्फ सम्पत्तियों को बस तबाह कर देना चाहते हैं। हम सब चाहते थे कि 27 जनवरी को होने वाली मीटिंग को आगे खिसका कर, 31 जनवरी को कर लिया जाये। जेपीसी के अन्दर की स्थिति बहुत अच्छी नहीं है।"

कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद, जो निलम्बित किये गये हैं, ने भी यही चिन्ताएं दोहराईं। उन्होंने विधेयक के पीछे छिपे इरादों पर सवाल खड़े किये तथा आरोप लगाया कि यह विधेयक आरएसएस के एजेंडे का हिस्सा है। उन्होंने कहा, "हमें रात के 11:30 बजे मैसेज मिला कि 25 जनवरी को होने वाली मीटिंग खिसका कर 27 जनवरी को कर दी गई हैं। क्या इस तरह से सांसदों का समय बरबाद करना सही है? सदस्य विभिन्न राज्यों से यहाँ आये हैं। क्या हम अपने चुनाव क्षेत्र की जनता के साथ गणतंत्र दिवस नहीं मनाएं? यह वक्फ विधेयक मस्जिदों, मदरसों और कब्रिस्तानों की जमीन को छीनने के लिये लाया गया है। आरएसएस एक एजेंडा चला रही है कि जिस स्थान पर नमाज पढ़ी जाती है, वह वक्फ की जमीन हो जाती है। हमने संसद में "बिस्मिल्लाह" के साथ शपथ ली थी, तो क्या इससे वह वक्फ की जमीन हो गई? क्या हम संसद भवन पर अपना दावा प्रस्तुत करेंगे? लोगों को भ्रमित किया जा रहा है।" इस बीच, पाल ने स्पष्ट किया कि मीरवाइज़ उमर फारूक, जो कश्मीर के मुख्य काज़ी (चीफ क्लेरिक) हैं, के नेतृत्व में आया प्रतिनिधिमंडल मीटिंग में मौजूद था तथा प्रतिनिधिमंडल अपने विचार कमेटी के समक्ष रखना चाहता था। पाल ने कहा कि 27 जनवरी को विधेयक पर धारा-वार चर्चा होनी है तथा कमेटी की अंतिम रिपोर्ट संसद के बजट सत्र में प्रस्तुत की जायेगी।

ग्रामीणों के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बीकानेर में 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से बैंक किट भी बरामद किए हैं। पुलिस ने समर्थ सोनी (32) निवासी बी-129 वल्लभ गार्डन जेएनवीसी, धर्मनारायण सिंह (24) व शिवनारायण सिंह (29) निवासी एफ-32 वल्लभ गार्डन, रोहित सिंह (25) निवासी वाई 31 सुदर्शना नगर मोना बिल्डिंग, विकास बिश्नोई (29) निवासी फुलासर और गुरुदेव बिश्नोई (25) निवासी मुक्ता प्रसाद नगर को गिरफ्तार किया है।

महाराष्ट्र की ऑर्डिनैंस फैक्टरी में विस्फोट में 8 मरे

■ भंडारा जिले में विस्फोट से फैक्टरी की एक इकाई की छत गिर गई जिसमें कई श्रमिक फंस गये।

मुंबई, 24 जनवरी। महाराष्ट्र के भंडारा जिले में शुक्रवार को सुबह एक आयुध फैक्टरी में विस्फोट हो गया। हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि सात को गंभीर अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस ने कहा कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आयुध फैक्टरी में विस्फोट के कारण एक इकाई की छत गिरने से कई श्रमिक फंस गए। उन्होंने विस्फोट में जान गंवाने वालों के लिए शोक भी व्यक्त किया।

केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि भंडारा में आयुध फैक्ट्री में बड़ा विस्फोट हुआ है।

इससे पहले, जिलाधिकारी संजय कोल्टे ने बताया कि विस्फोट सुबह करीब साढ़े 10 बजे आयुध के परिसर में हुआ। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि विस्फोट जवाहर नगर इलाके में स्थित फैक्टरी के 'एलटीपी सेक्शन' में हुआ। विस्फोट के समय 'एलटीपी सेक्शन' में 14-15 कर्मचारी काम कर रहे थे, जिनमें से तीन को बचा लिया गया और एक की मौत हो गई। अग्निशमन दल और एंबुलेंस को मौके पर भेज दिया गया है। छत ढह गई है, जिसे जेसीबी की मदद से हटाया जा रहा है। हादसे की खबर आते ही फड़णवीस ने दुख जताया। उन्होंने कहा, भंडरा जिले में आयुध फैक्टरी में हुए विस्फोट में छत गिरने से 13 से 14 श्रमिकों के फंसने की खबर है।

पेरिस क्लाइमेट डील से ट्रम्प का हटना...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में पारंपरिक जीवाश्म ईंधन को प्राथमिकता देते हैं।

सन् 2024 में एक अध्ययन में यह सुझाव दिया गया कि लिक्विफाइड नेचुरल गैस (एल.एन.जी.) उत्पादन और निर्यात का विस्तार उपभोक्ता लागतों को बढ़ा सकता है और साथ-साथ पर्यावरण को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचा सकता है। इस बीच, ट्रंप ने, इलैक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहन देने के बाइडन के प्रयास को, उपभोक्ताओं की पसंद का हवाला देते हुए उलट दिया, लेकिन संभावना है कि तेल और गैस के लिए बाज़ार बनाए रखने के उद्देश्य से ऐसा किया गया है। उन्होंने घरेलू उपकरणों के लिए एनर्जी एफिशिएन्सी स्टैण्डर्ड्स को भी समाप्त कर दिया और सभी संघीय नीतियों की समीक्षा का आ ान किया, जो उनके अनुसार, घरेलू ऊर्जा संसाधनों के विकास या उपयोग में रुकावट डालती हैं, तेल, गैस, कोयला, जल विद्युत, बायोफ्यूल, महत्वपूर्ण खनिजों और परमाणु ऊर्जा को प्राथमिकता देते हुए।

तथापि, यह महत्वपूर्ण है कि विकासशील अर्थव्यवस्थाओं, जैसे भारत के लिए, पेरिस समझौते से अमेरिका का हटना, आर्थिक वृद्धि पर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष, दोनों तरह का प्रभाव डाल सकता है।

अमेरिका द्वारा वैश्विक जीवाश्म ईंधन की मांग बढ़ सकती है, जिससे तेल की कीमतें स्थिर हो सकती हैं या बढ़ सकती हैं। एक बड़ा तेल आयातक होने के कारण भारत को ऊर्जा लागतों में वृद्धि का सामना करना पड़ सकता है, जिससे औद्योगिक उत्पादन और मुद्रास्फीति प्रभावित हो सकती हैं।

अंतर्राष्ट्रीय दबाव कम होने से भारत का नवीकरणीय (रिन्युएबल) ऊर्जा में परिवर्तन धीमा हो सकता है, जिससे इसके आर्थिक लाभ, जैसे कि हरित क्षेत्रों में नौकरी सृजन और ऊर्जा आत्मनिर्भरता में देरी हो सकती है।

अमेरिका के हटने से अंतर्राष्ट्रीय क्लाईमेट फायनैंस मैकनिज़्म में उसका योगदान कम हो जाएगा। भारत जैसी विकासशील अर्थव्यवस्थाएँ इस वित्तीय सहायता पर निर्भर करती हैं, ताकि स्वच्छ ऊर्जा पहलों, जलवायु अनुकूलन और शमन परियोजनाओं का समर्थन किया जा सके। वैश्विक जलवायु प्रतिबद्धताओं पर अनिश्चितता से भारत में नवीकरणीय ऊर्जा और सतत बुनियादी ढांचे के लिए निजी निवेशकों को प्रेरित करने में कठिनाई हो सकती है, जिससे आर्थिक आधुनिकीकरण में देरी हो सकती है।

इसका व्यापार पर भी असर हो सकता है। यूरोपीय संघ और अन्य अर्थव्यवस्थाएँ ज्यादा कार्बन उत्सर्जित करने वाली वस्तुओं के आयात पर कार्बन शुल्क लगाने का दबाव बना रही हैं, ऐसे में यदि भारत कार्बन उत्सर्जन करने वाले उद्योगों पर निर्भर रहता है, तो उसे व्यापारिक अवरोधों का सामना करना पड़ सकता है, जो निर्यात को प्रभावित कर सकता है। यदि भारत नवीकरणीय ऊर्जा और सततता के लक्ष्यों को कम करता है, तो उसे हरित उद्योगों, जैसे कि सौर पैनल निर्माण में अपनी प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त खोने का खतरा हो सकता है।

यह ध्यान देने योग्य है कि भारत जलवायु परिवर्तन के लिए अत्यधिक संवेदनशील है और इन्फ्रास्ट्रक्चर और तटवर्ती क्षेत्रों को खतरे का सामना करना पड़ रहा है। जिससे आर्थिक गतिविधियों में व्यवधान और आपदा पुनर्निर्माण लागतों में वृद्धि हो सकती है।

ग्लोबल वॉर्मिंग के कारण असामान्य मानसून, सूखा और तेज लू, कृषि उत्पादकता को घटा सकती हैं और सीधे ग्रामीण आय और खाद्य सुरक्षा को प्रभावित कर सकती हैं। नवीकरणीय ऊर्जा की ओर बदलाव में मंदी से सौर, पवन और अन्य स्वच्छ क्षेत्रों में नौकरियों के सृजन में देरी हो सकती है, जबकि कोयला और तेल उद्योगों पर निर्भरता बनी रह सकती है। जलवायु पर कार्यवाही नहीं करने से आर्थिक हानियाँ-क्षतिग्रस्त इन्फ्रास्ट्रक्चर, प्रदूषण से स्वास्थ्य खर्च और गर्मी के कारण श्रम उत्पादकता में कमी-संशोधित जीवाश्म ईंधन के पक्ष में बने रहने से होने वाली तात्कालिक बचत को पार कर सकती है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908